{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 10 मई 2026
वैशाख कृष्ण 09 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 225
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,844.52
निफ्टी	-	24,326.65
सोना	-	1,53,000
चांदी	-	2,70,000
डॉलर	-	94.34

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अनिल अंबानी की गिरफ्तारी की अनुमति सुप्रीम कोर्ट से नहीं

नईदिल्ली। अनिल अंबानी से जुड़े कथित बैंक ऋण घोटाले मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तारी की मांग किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी का आदेश देने से इनकार कर दिया है । अदालत ने सुनवाई के दौरान कहा, वह इस मामले में अनावश्यक सनसनी फैलाने की अनुमति नहीं देगें। कोर्ट ने यह भी कहा,जांच कानून के दायरे में और तथ्यों के आधार पर आगे बढ़नी चाहिए। इस मामले में सीबीआई ने बैंक ऋण अनियमितताओं और वित्तीय लेन-देन से जुड़े आरोपों का हवाला देकर गिरफ्तारी की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल अनिल अंबानी को राहत मिली है। मामले की आगे की सुनवाई जारी रहेगी। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जाय माल्या बागची कर रहे थे।

गिरिडीह में बेकाबू ट्रक ने 7 गाड़ियों को रौंदा

गिरिडीह। झारखंड के निमियाघाट थाना क्षेत्र अंतर्गत इसरी बाजार में एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। डुमरी की ओर से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रक ने बाजार में खड़ी सात गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। इस दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों में दो युवक ऐसे भी थे जिनकी महज छह महीने पहले ही सचिवालय सहायक के पद पर नियुक्ति हुई थी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक की रफ्तार इतनी अधिक थी कि वह बाजार में घुसते ही बेकाबू हो गया। उसने एक के बाद एक ऑटो, बाइक और पिकअप वैन समेत सात वाहनों को रौंद डाला। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और सड़क पर मलबे का ढेर लग गया। हादसे के वक्त बाजार में काफी चहल-पहल थी, जिससे वहां चीख-पुकार मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।

नई पेंशन योजना से घट सकती है कर्मचारियों की पेंशन

नई दिल्ली। देश के करोड़ों ईपीएफ अंशधारकों और पेंशनर्स के लिए कर्मचारी पेंशन व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने वाला है। कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस)-1995 की जगह अब नई कर्मचारी पेंशन योजना-2026 लागू होगी। इस नई व्यवस्था में पेंशन की गणना अब आखिरी वेतन की जगह पूरी नौकरी अवधि के औसत वेतन पर होगी, इससे लाखों कर्मचारियों की पेंशन राशि में कमी आ सकती है। नई योजना का सबसे ज्यादा असर न्यूनतम पेंशन पर पड़ने की आशंका है। वर्तमान की करीब 5,000 रुपए की न्यूनतम पेंशन घटकर 2,000 रुपए तक रह सकती है। केंद्रीय न्यासी बोर्ड से मंजूरी मिल चुकी है और अब गजट नोटिफिकेशन का इंतजार है।

कुछ ना कहना

सुवेंदु ने ली सीएम पद की शपथ

समारोह में अमित शाह, एनडीए और बीजेपी शासित राज्यों के 20 सीएम मौजूद थे

कोलकाता। सुवेंदु अधिकारी पश्चिम बंगाल में बीजेपी के पहले सीएम बन गए हैं। उन्होंने बांग्ला में ईश्वर के नाम की शपथ ली। शपथ के बाद सुवेंदु, पीएम मोदी के पास गए और उन्हें झुककर प्रणाम किया। बंगाल के गवर्नर आरएन रवि ने सुवेंदु के अलावा पांच और विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई। इनमें दिलीप घोष, अग्निमित्रा पॉल, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू और निषिथ प्रमाणिक का नाम शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह में पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एनडीए और बीजेपी शासित राज्यों के 20 सीएम मौजूद थे। पीएम मोदी ने मंच पर रवींद्रनाथ टैगोर को उनकी 165वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद पीएम ने मंच पर बीजेपी के 98 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया। मंच पर आते ही

पीएम मोदी सीधे सरकार के पास गए, उन्हें शॉल ओढ़ाया और फिर उनके पैर छुए। इसके बाद सरकार ने मोदी को गले लगाया। पीएम ने मंच पर बीजेपी के 90 साल के कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया।

पीएम मोदी ने किया रोड शो

पीएम मोदी परेड ग्राउंड में एक रोड शो कर रहे हैं। विशेष रूप से बनाए गए रथ पर पीएम और सुवेंदु साथ में मंच की तरफ गए। उनके साथ बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्ट?टाचार्य भी हैं। शपथ के दौरान ग्राउंड में करीब एक लाख लोग मौजूद रहे। पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, एनडीए और बीजेपी शासित राज्यों के 20 मुख्यमंत्री मौजूद हैं। पीएम ने मंच पर सबसे पहले रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि दी।

बता दें सुवेंदु बेहद आध्यात्मिक, घरवाले डरते थे बेटा संन्यासी न बन जाए 1970 में पूर्व मेदिनीपुर के कौंतली गांव में जन्मे सुवेंदु का बचपन से ही आस्था की ओर झुकाव है। हर शनिवार रामकृष्ण मिशन जाना उनका तय रूटीन था। वे बचपन में इतने धार्मिक थे कि घरवालों को डर लगने लगा था कहीं बेटा संन्यासी न बन जाए। घर में जमा सिक्के भी चुपचाप मिशन में दान कर आते थे। परिवार को लगता था, कभी भी घर छोड़ सकते हैं, लेकिन सुवेंदु ने दूसरा फैसला लिया...संन्यास नहीं, राजनीति करेंगे और शादी भी नहीं करेंगे। 80 के दशक के अंत में कांथी के प्रभात कुमार कॉलेज से सुवेंदु की छात्र राजनीति शुरू हुई। धीरे-धीरे पूर्व मेदिनीपुर में अपनी अलग पहचान बना ली।

लेफ्टिनेंट जनरल एन.एस. राजा सुब्रमणि होंगे देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ

नईदिल्ली। भारत सरकार ने देश की सैन्य कमान में एक बड़ा बदलाव करते हुए लेफ्टिनेंट जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि (रिटायर) को नया चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) नियुक्त करने का निर्णय लिया है। वे इस पद के साथ-साथ सैन्य मामलों के विभाग के सचिव की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अगले आदेश तक इस महत्वपूर्ण पद पर अपनी सेवाएं देंगे। वर्तमान सीडीएस जनरल अनिल चौहान 30 मई 2026 को अपना कार्यकाल पूरा कर रहे हैं, जिसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि उनकी जगह लेंगे।

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि भारतीय सेना के एक बेहद अनुभवी और जांबाज अधिकारी माने जाते हैं। उनके शानदार करियर को देखते हुए उन्हें परम विशिष्ट सेवा पदक (पीवीएसएम), अति विशिष्ट सेवा पदक (एवीएसएम), सेना पदक (एसएम) और विशिष्ट सेवा पदक (वीएसएम) जैसे प्रतिष्ठित सैन्य सम्मानों से नवाजा जा चुका है। वर्तमान में वे सितंबर 2025 से राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय (एनएससीएस) में सैन्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले वे थल सेना के उप-प्रमुख और सेंट्रल कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ जैसी अहम जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ का पद भारतीय सशस्त्र बलों—थल सेना, नौसेना और वायु सेना—के बीच बेहतर समन्वय और एकीकरण स्थापित करने के लिए बनाया गया सर्वोच्च सैन्य पद है। सीडीएस सरकार के प्रमुख सैन्य सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं। जनरल अनिल चौहान के बाद, लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमणि के कंधों पर भारतीय रक्षा तंत्र को थिएटर कमांड के माध्यम से और अधिक आधुनिक, प्रभावी और एकीकृत बनाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी। उनकी यह नियुक्ति रक्षा क्षेत्र में जारी सुधारों को नई गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

पंजाब के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा के ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। पंजाब सरकार के कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा और उनके करीबियों के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत की जा रही यह तलाशी पंजाब, दिल्ली और एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में जारी है। ईडी की टीम संजीव अरोड़ा के आधिकारिक आवास सहित कुल पांच परिसरों पर छापेमारी कर रही है, जिसमें हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के कार्यालय भी शामिल हैं।

राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र पर निशाना साधा है। उन्होंने इस कार्रवाई को तमाशा बताते हुए कहा कि अगले दो-तीन दिनों तक फर्जी खबरें चलाई जाएंगी और उसके बाद जांच एजेंसियां खाली हाथ लौट जाएंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि पंजाब की सरकार को बदनाम करने और विकास कार्यों को रोकने के लिए इन हथकंडों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, यह पूरी कार्रवाई 100 करोड़ रुपये से अधिक के कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ी है। जांच एजेंसी का आरोप है कि मंत्री की कंपनी के माध्यम से मोबाइल फोन की फर्जी जीएसटी खरीद दिखाई गई और उसके बाद दुबई के रास्ते अवैध धन को वापस भारत लाने (राउंड ट्रिपिंग) का खेल खेला गया। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए चंडीगढ़ और दिल्ली-एनसीआर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस छापेमारी के बाद पंजाब की सियासत गरमा गई है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए इसे अनैतिक गठबंधन करार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की एजेंसियां एक साल में तीसरी बार और एक महीने में दूसरी बार संजीव अरोड़ा के घर पहुंची हैं, जबकि पिछली जांचों में उन्हें कुछ भी हासिल नहीं हुआ। उन्होंने दोटूक लहजे में कहा कि पंजाब गुरुओं और शहीद भगत सिंह की धरती है, जो किसी के आगे नहीं झुकती। औरंगजेब और अंग्रेज भी इस धरती को नहीं झुका पाए थे, तो मोदी की चालें क्या काम करेंगी।

दिल्ली में आतंकी हमले का अलर्ट

-भाजपा मुख्यालय और सरकारी इमारतों की सुरक्षा बढ़ी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में संभावित आतंकी हमले को लेकर इंटेलिजेंस एजेंसियों ने हाई अलर्ट जारी किया है। अलर्ट के बाद भाजपा मुख्यालय और आसपास स्थित सरकारी इमारतों की सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि आतंकवादी आत्मघाती हमला, कार ब्लास्ट, गोलीबारी या आईईडी विस्फोट जैसी वारदात को अंजाम देने की कोशिश कर सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय और आसपास के महत्वपूर्ण सरकारी परिसरों को संभावित निशाना माना जा रहा है। इसके मद्देनजर दिल्ली

पुलिस, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और अन्य सुरक्षा बलों ने इलाके में निगरानी बढ़ा दी है।

सुरक्षा व्यवस्था की गई मजबूत

खतरे की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल और अर्धसैनिक जवानों की तैनाती की गई है। प्रमुख इमारतों और संवेदनशील स्थानों के आसपास बैरिकेडिंग बढ़ा दी गई है तथा आने-जाने वाले वाहनों की रैंडम चेकिंग की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने सीसीटीवी निगरानी को भी और मजबूत किया है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए कंट्रोल रूम से लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। अधिकारियों को किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, लावारिस सामान या लंबे समय तक खड़े वाहनों की तुरंत जांच करने के निर्देश दिए गए हैं।

बम निरोधक दस्ते और खिफर डॉग हाई अलर्ट पर

संभावित खतरे को देखते हुए बम निरोधक दस्तों, स्निफर डॉग यूनिट्स और क्विक रिएक्शन टीमों (क्यूआरटी) को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दिल्ली फायर सर्विस को भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क रहने को कहा गया है।

सूत्रों के अनुसार, विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ काम कर रही हैं ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके। संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है और कई स्थानों पर सुरक्षा जांच को पहले से अधिक सख्त कर दिया गया है।

सुरक्षा एजेंसियों ने नागरिकों से भी सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील की है।

तमिलनाडु में विजय का विजयपथ, कल ले सकते हैं मुख्यमंत्री पद की शपथ

चेन्नई । तमिलनाडु की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिल रहा है। अभिनेता से नेता बने विजय अब प्रदेश की सत्ता संभालने से बस एक कदम दूर नजर आ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार विजय रविवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। शनिवार को विजय ने एक बार फिर तमिलनाडु के राज्यपाल

राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। इस दौरान उनके साथ समर्थन देने वाले दलों के वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे।

तमिलनाडु विधानसभा में सरकार गठन के लिए आवश्यक बहुमत का आंकड़ा 118 है, जबकि विजय के नेतृत्व वाले दल को अब 121 विधायकों का समर्थन प्राप्त हो गया है। इससे प्रदेश में नई सरकार बनने का रास्ता लगभग साफ माना जा रहा है।

234 सदस्यीय विधानसभा में विजय के दल के पास 107 सीटें हैं। इसके अलावा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस सहित वामपंथी और सहयोगी दलों ने भी अपना समर्थन दिया है, जिसके बाद विजय बहुमत के आंकड़े से आगे निकल गए हैं।

बताया जा रहा है कि चुनाव परिणाम आने के बाद विजय बहुमत से कुछ सीटें दूर रह गए थे, लेकिन लगातार राजनीतिक संपर्क और सहयोगी दलों से बातचीत के बाद उन्होंने आवश्यक समर्थन जुटा लिया।

पेट्रोल और डीजल के 15 मई से पहले बढ़ सकते हैं दाम!

युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, भारत में तेल कंपनियां को नुकसान

नई दिल्ली। युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें सातवें आसमान पर हैं। इसके बाद भी सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में घरेलू स्तर पर कोई इजाफा नहीं किया है, लेकिन आने वाले एक हफ्ते में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हो सकती है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। बता दें, ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध की वजह से कच्चे तेल का रेट 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 126 डॉलर प्रति बैरल के पहुंच गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 15 मई से पहले इजाफा होगा। कच्चे तेल की कीमतों में जारी तेजी की वजह से ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को हर एक महीने 30,000 करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है। बता

दें युद्ध की वजह से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज प्रभावित हुआ है। इसी रास्ते से दुनिया का 20 फीसदी तेल गुजरता है। तेल की सप्लाई प्रभावित होने की वजह से दुनिया भर में कच्चे तेल का रेट काफी तेजी से बढ़ा है, जिसकी वजह से कई देशों में पेट्रोल और डीजल के रेट में भारी इजाफा देखने को मिला है। हॉन्ग कॉन्ग में पेट्रोल का रेट 295 रुपए, सिंगापुर में 240, नीदरलैंड्स में 225, इटली में 210 और यूके में 195 रुपए के स्तर पर पहुंच गए। वहीं, भारत में यह 95 रुपए के आस-पास बना हुआ है।

इंडस्ट्री के अनुमान के मुताबिक पेट्रोल पर 24 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 30 रुपए प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है। सरकार की तरफ से तेल कंपनियों को राहत देने के लिए बीते महीने एक्साइज ड्यूटी में कटौती की गई थी। वहीं, अपनी सप्लाई को बेहतर करने के लिए भारत रूस, अमेरिका और अन्य देशों से तेल खरीद रहा है। मौजूदा समय में रिफाइनरी 100 प्रतिशत की क्षमता के साथ ऑपरेट कर रही हैं। देश के नजरिए से यह अच्छी बात है।

मोहब्बत की निशानी ताजमहल के शाही दरवाजे के दरकने लगे पत्थर

आगरा। दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारतों में शामिल ताजमहल करीब 373 साल पुराना हो चुका है। इस स्मारक के शाही दरवाजे के पत्थर अब दरकने लगे हैं। दरवाजे की दीवारों में कई जगह दरारें आ गई हैं। कुछ पत्थर अपनी जगह से खिसक गए हैं। शाही गेट अब आंधी और बारिश भी नहीं झेल पा रहा। पिछले महीने आंधी-बारिश में दो बार गेट के पत्थर टूटकर गिर चुके हैं। इससे पहले भी ताजमहल परिसर के कई हिस्सों में पत्थर और जालियां टूट चुकी हैं। मुख्य मकबरे के पीछे यमुना नदी की तरफ लगी जालीदार रेलिंग भी तेज बारिश और आंधी नहीं झेल पाई। साल 2020 में यह रेलिंग गिर गई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 7 अप्रैल 2026 को आगरा में तेज आंधी और बारिश हुई। इस दौरान ताजमहल के शाही दरवाजे के सफेद और लाल पत्थर निकलकर गिर गए। गनीमत रही कि कोई पर्यटक इसकी चपेट में नहीं आया। 30 अप्रैल 2026 को आगरा में हल्की आंधी और बारिश हुई। इसके बावजूद शाही दरवाजे के सफेद पत्थर के 5 टुकड़े टूटकर नीचे गिर गए। शाही दरवाजा ताजमहल का मुख्य प्रवेश द्वार है। ताजमहल के पश्चिमी और पूर्वी गेट से प्रवेश करने के बाद पर्यटक फोरकोर्ट में पहुंचते हैं। यहां से इसी शाही दरवाजे के जरिए मुख्य मकबरे तक जाते हैं। पहले दक्षिणी गेट से आने वाले पर्यटक भी इसी दरवाजे के सामने पहुंचते थे। हालांकि, साल 2018 से दक्षिणी गेट बंद है। शाही दरवाजा भी उतना ही पुराना माना जाता है, जितना ताजमहल का मुख्य मकबरा।

केरल में सीएम को लेकर कांग्रेस में मचा घमासान, वेणुगोपाल-सतीशन में फंसा पेंच

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में अकेला केरल ही ऐसा है, जहां से कांग्रेस को जीत हासिल हुई है। 140 सीटों वाले राज्य में कांग्रेस 63 सीटें पाकर सबसे बड़ा दल बनी है और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकार बनाने की स्थिति में है। इसके बाद भी पार्टी अंतर्कलह से जूझ रही है और सीएम तय करना अब मुश्किल हो रहा है। बुधवार को पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक और कोषाध्यक्ष अजय माकन तिरुअनंतपुरम पहुंचे थे। उन्होंने यहां विधायक दल की बैठक ली, जिसमें एक प्रस्ताव पारित कर हाईकमान को सीएम चुनने के लिए अधिकृत किया था।

इस दौरान कई चेहरे सामने आए थे, जिनमें राहुल गांधी के करीबी केसी वेणुगोपाल थे तो वहीं अब तक नेता विपक्ष रहे वीडी सतीशन भी बेहद मजबूत माने जा रहे हैं। चेन्निथला का नाम भी चर्चा में था। मामला दिल्ली दरबार पहुंच गया है यहां से जो नाम तय होगा, उसे सभी स्वीकार कर लेंगे। लेकिन इस बीच इतनी रस्साकशी हो रही है कि हाईकमान भी वक्त लेकर फैसला लेना चाह रहा है। अब हालात ऐसे हैं कि केरल से सीनियर नेता रमेश चेन्निथला और प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ को दिल्ली बुलाया गया है। अब इन दोनों के साथ भी हाईकमान मंथन करेगा और तब होगा कि किस नेता को सीएम बनाया जाए।

चर्चा यह भी है कि किसी एक नेता को डिप्टी सीएम भी बनाया जा सकता है ताकि महत्वाकांक्षाएं कुछ हद तक पूरी हो सकें। बुधवार को हुई बैठक में केसी वेणुगोपाल के नाम का समर्थन ज्यादातर विधायकों की ओर से किए जाने की बात सामने आई थी, लेकिन सतीशन भी कमजोर नहीं हैं। यहां तक कि केरल के कई शहरों में उन्हें सीएम बनाए जाने की मांग को लेकर प्रदर्शन हुए हैं।

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार आज, 6 नए मंत्री ले सकते हैं शपथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में रविवार को दूसरी बार मंत्रिमंडल विस्तार होने जा रहा है। राजभवन में दोपहर 3 बजे आयोजित समारोह में 5 से 6 नए मंत्री शपथ ले सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार शाम करीब साढ़े छह बजे राजभवन पहुंचे, जहां उन्होंने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात की।

मुख्यमंत्री योगी के साथ अपर मुख्य सचिव (एसीएस) संजय प्रसाद भी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल को नए मंत्रियों की संभावित सूची सौंप दी है। माना जा रहा है कि इस विस्तार के जरिए सरकार जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश करेगी।

कुछ मंत्रियों की छुट्टी की भी चर्चा

राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा है कि मंत्रिमंडल विस्तार के साथ कुछ मौजूदा मंत्रियों की छुट्टी हो सकती है। यदि ऐसा होता है तो नए शपथ लेने वाले मंत्रियों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल मुख्यमंत्री योगी सहित राज्य मंत्रिपरिषद में कुल 54 मंत्री हैं, जबकि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार अभी छह और मंत्रियों को शामिल किया जा सकता है।

मनोज पांडेय और पूजा पाल का नाम लगभग तय

सूत्रों के मुताबिक, समाजवादी पार्टी से बगावत कर भाजपा के करीब आए विधायक मनोज पांडेय और पूजा पाल का मंत्री बनना लगभग तय माना जा रहा है। इसके अलावा सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए विभिन्न समुदायों के नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह दिए जाने की संभावना है। नाई समाज से विधान परिषद सदस्य रामचंद्र प्रधान, विश्वकर्मा समाज से वाराणसी के भाजपा एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा को भी मंत्री बनाया जा सकता है।

अतिथि शिक्षकों को सता रहा बेरोजगार होने का डर, संघ ने सौंपा ज्ञापन

नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को पूरा किए जाने की लगाई गुहार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सरकारी शिक्षको की कमी को पूरी कर वर्षो से सरकारी स्कूलों में विघार्थियों को शिक्षित करने का काम कर रहे अतिथि शिक्षकों को अब एक बार फिर से बेरोजगार होने का डर सताने लगा है।परीक्षा सम्पन्न होने के बाद अतिथि शिक्षकों के तौर पर स्कूलों में अध्यापन कार्य मे लगे सभी अतिथि शिक्षकों की सेवा समाप्त कर दी गई है।वही एक बार फिर से अतिथि शिक्षकों के लिए आवेदन मंगाए जा रहे है।ऐसे में वर्षो से अतिथि शिक्षक के रूप में कार्य कर रहे शिक्षको के साथ साथ नए शिक्षक भी अतिथि के लिए आवेदन कर रहे है।जिससे पिछले कई वर्षों से अतिथि शिक्षक के रूप में सेवा दे रहे शिक्षको को अब बेरोजगार होने का डर सताने लगा है।जिन्होंने शनिवार को अतिथि शिक्षक संघ के बैनर तले कलेक्ट्रेट में एक ज्ञापन सौंपते हुए, वर्षो से लंबित उनकी विभिन्न सूत्रीय मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है।जिंसमे उन्होंने सेवा से बाहर ना करने, अतिथि शिक्षक भर्ती में प्राथमिकता देने, व विभागीय परीक्षा का आयोजन कर वर्षों से सेवा देने वाले सभी अतिथि को नियमित किए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है।आपको बताए कि 1 जुलाई से 30 अप्रैल तक सेवाएं देने के बाद दो माह के लिए सेवामुक्त कर देने से अतिथि शिक्षको में नाराजगी है। अतिथि शिक्षकों ने बताया कि इन दो माह में वह बेरोजगारी का जीवन जीने मजबूर है। वह चाहते है कि तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिह चौहान द्वारा अतिथि शिक्षकों के लिए गई घोषणा को पूरा किया जाए।

अतिथि शिक्षकों का नियमितीकरण प्रमुख मुद्दा

वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से स्कूली अतिथि शिक्षक प्रदेश सरकार से खासा नाराज है। जिन्होंने प्रदेश सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए अपने विभिन्न मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। जिसकी एक झलक शनिवार को बालाघाट नगर में भी देखने को मिली। जहां वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों पर अपना आक्रोश व्यक्त करते हुए अतिथि शिक्षको ने आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ के बैनर तले कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने अतिथि शिक्षकों की सभी मांगों को तत्काल पूरी किए जाने की गुहार लगाई है।जिंसमे अतिथि शिक्षकों का नियमितीकरण प्रमुख मुद्दा रहा।

सरकार पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

ज्ञापन सौंपने पहुंचे अतिथि शिक्षकों ने सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि आज से करीब ढाई वर्ष पूर्व, 2 सितंबर 2023 को प्रदेश में विधानसभा चुनाव के करीब, तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अतिथि शिक्षक संघ की भोपाल में महापंचायत बुलाई थी। जहां सत्ता हाथ से खिसकती देख अतिथि शिक्षकों के मानदेय में वृद्धि की गई थी। तो वही मानदेय में आगे भी वृद्धि करने, अतिथि शिक्षकों को नियमित करने के लिए पॉलिसी बनाकर उसे लागू करने सहित तरह-तरह के वादे अतिथि शिक्षकों से किए गए थे।वही विधानसभा चुनाव के बाद पुनः सरकार बनते ही उन सभी वादों को पूरा किए जाने का आश्वासन दिया गया था। लेकिन विधानसभा चुनाव के बाद, लोकसभा चुनाव भी संपन्न हो गए हैं, वादे को करीब ढाई साल बीत गया बावजूद इसके भी सरकार अतिथि शिक्षकों पर ध्यान नहीं दे रही है। जबकि विधानसभा और लोकसभा (केंद्र व राज्य) दोनों में बीजेपी की सरकार है बावजूद इसके भी पूर्व में अतिथि शिक्षकों से किए गए वादों और सरकार द्वारा दिए गए आश्वासन को पूरा नहीं किया जा रहा है। ऐसा आरोप लगाते हुए आजाद स्कूल अतिथि शिक्षक संघ ने प्रदेश सरकार के खिलाफ भारी नाराजगी जताई है।

दूसरे राज्यो की तर्ज पर किया जाए नियमितीकरण

छत्तीसगढ़ ,राजस्थान और हरियाणा सहित अन्य राज्यों की तर्ज पर अतिथि शिक्षकों को नियमित करने की प्रमुख मांग अतिथि शिक्षक संघ द्वारा की गई है।कलेक्टर कार्यालय में सौपे गए ज्ञापन में आजाद स्कूल, अतिथि शिक्षक संघ ने अतिथि शिक्षकों ने नीति बनाकर उन्हें नियमित करने ,उनका भविष्य सुरक्षित करने और नियमित शिक्षक कर्मचारियों समान उन्हें वेतन अवकाश सहित अन्य सुविधाएं दिए जाने की मांग की है। उक्त मांग को लेकर ज्ञापन सौंपने पहुंचे अतिथि शिक्षकों ने बताया कि वे करीब 10-15 वर्षों से अतिथि शिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। बावजूद इसके भी उनके भविष्य की चिंता प्रदेश सरकार ने अब तक नहीं की है। जिन्होंने नियमितीकरण सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौपते हुए जल्द से जल्द उनकी मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई है।

इन मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

अतिथि शिक्षक संघ द्वारा वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया जिसमें उन्होंने अतिथि शिक्षक जिस पद पर कार्यरत है उससे रिक्त ना माना जाए, अतिथि शिक्षकों का सेवाकाल 12 महीने किया जाए, वेतन वृद्धि दुगनी की जाए, कार्य अनुभव के आधार पर अतिथि शिक्षकों के विभागीय पात्रता परीक्षा आयोजित की जाए, कार्य अनुभव के आधार पर अतिरिक्त अंक देकर अधिभार 10 वर्षों में 30 अंक बोनस के प्रदान किए जाएं ,विभागीय पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण अंक 33अ रखा जाए और अतिथि शिक्षकों को अन्य राज्यों की तर्ज पर नियमित किया जाए। अतिथि शिक्षकों ने नए शैक्षणिक सत्र के लिए अतिथि शिक्षक के पंजीयन पर रोक लगाए जाने, पूर्व से पंजीकृत आवेदकों की पुनः सत्यापन की अनावश्यक प्रक्रिया को समाप्त करने, सामाजिक सुरक्षा के तहत 10 लाख का बीमा, आकस्मिक क्षति पर 10 लाख की परिवार को आर्थिक सहायता और आयुष्मान योजना का लाभ, ब ?ती महंगाई पर प्रतिवर्ष 10 प्रतिशत की मानदेय वृद्धि, अतिथि शिक्षक के स्थान पर सम्मानजनक पदनाम, ऑनलाईन अटेंडेंस को समाप्त कर रोके गए मानदेय का भुगतान, मई और जून माह का मानदेय प्रदान करने तथा अन्य राज्यों के भांति अतिथि शिक्षकों को ट्रांसफर, प्रमोशन और सीधी भर्ती लागु करने सहित 10 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौंपा गया।

बेरोजगारी जैसा जीवन जीने हो रहे मजबूर- पंकज

जिलाध्यक्ष पंकज डोंगरे ने बताया कि अतिथि शिक्षक अनेक वर्षो से अत्यंत अल्प मानदेय और विपरित परिस्थितियो में भी, वे, पूरी निष्ठा, समर्पण और कर्तव्य परायणता के साथ विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में निरंतर योगदान रहे है, बावजूद इसके हम, अपने ही कार्यस्थल पर असुरक्षा, अनिश्चितता और उपेक्षा का सामना करने को विवश है। हम पिछले 10-15 सालों से जिले सहित प्रदेश के अलग-अलग शासकीय स्कूलो में विषयवार अतिथि शिक्षक पढ़ा रहे है लेकिन, सरकार उनके बारे में कोई विचार नहीं कर रही है। 2 सितंबर 2023 को अतिथि शिक्षकों की तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान द्वारा बुलाई गई महापंचायत में गुरूजी की तर्ज पर विभागीय परीक्षा लेकर उन्हें शालाओ में पदस्थ करने की गई घोषणा की गई थी, जो घोषणा आजतक पूरी नही हो पाई है। उन्होंने बताया कि हर वर्ष 30 अप्रैल को उन्हें कार्यमुक्त कर दिया जाता है, यही नही बल्कि उन्हें समय पर वेतन भी नहीं दिया जाता है, हमारी मांग हैं कि हमारी पूरे साल की सेवा रहे और वर्षावार अंक निर्धारित कर, उन्हें शिक्षा विभाग में कार्य करने का अवसर प्रदान करें। इसके अलावा हमारी कई मांगे है जिसे जल्द से जल्द पूरी करनी चाहिए, लेकिन सरकार हमारे आवेदन निवेदन पर कोई ध्यान नही दे रही है।

आम आदमी पार्टी की आवश्यक बैठक आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आम आदमी पार्टी जिला अध्यक्ष शिव जायसवाल ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की संगठन विस्तार, लोगो को पार्टी की सदस्यता दिलाने और बालाघाट जिले में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए एक बैठक आयोजित की गई है जिससे विशेष रूप से स्टेट कोऑर्डिनेटर रजनीश नायडू, प्रदेश संयुक्त सचिव मनोज पमनानी, प्रदेश उपाध्यक्ष बुद्धिजीवी विंग शरद जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष शिक्षाविंग अमर आर्मर, प्रदेश उपाध्यक्ष मजदूर विंग हीरालाल पांचे जी की उपस्थिति रहेंगे।यह बैठक 10 मई रविवार दोपहर 12 बजे स्थान- बसस्टैंड धर्मशाला, बालाघाट में आयोजित की जाएगी।जिन्होंने विज्ञप्ति के माध्यम से सभी घोषित पदाधिकारियों, सभी समर्पित साथियों से उपस्थित रहने, अपने सक्रिय भागीदारी से पार्टी और संगठन को मजबूती प्रदान करने और पार्टी कार्यों में सहयोग करने की अपील की

नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सुरेश दमाहे पिता पैंढारी लाल दमाहे ग्राम खैरी पोष्ट कुम्हारी तहसील जिला बालाघाट म.प्र. का निवासी हुं। मेरी इकलौती बेटी जिसका नाम संघमित्रा दमाहे है किन्तु मै इस नाम को प्रर्णतः परित्याग करता हुं, और उनके स्थान पर गार्गी दमाहे अगीकार करता हुं। मेरी पुत्री को अब अंगीकार किये गये नाम गार्गी दमाहे से ही जाना पहचाना व पुकारा जायें तथा उसके समस्त अभिलेखो में, विलेखो तथा लेखो में गार्गी दमाहे नाम दर्ज किया जाये।

आवेदक
सुरेश दमाहे
ग्राम खैरी (बालाघाट)

जाहिर नाम स्पेलिंग सुधार आम सूचना

मैं यीशनारायण गोखले (YISHNARAYAN GOKHLE) पिता स्व. धनपत गोखले, उम्र 46 वर्ष, जाति कोष्ठी निवासी ग्राम हट्टा, पोस्ट हट्टा, तहसील व जिला बालाघाट (म.प्र.) का निवासी हूँ। तथा मेरे निर्वाचन पहचान पत्र, पेनकार्ड, ई-संबल कार्ड, समग्र आई.डी. में मेरा नाम यीशनारायण गोखले (YISHNARAYAN GOKHLE) पिता स्व. धनपत गोखले दर्ज है, तथा मेरे आधारकार्ड में मेरा नाम यीशनारायण गोखले (YEESHNARAYAN GOKHLE) लिखा हुआ है, जबकि मेरा सही नाम की स्पेशलिंग यीशनारायण गोखले (YISHNARAYAN GOKHLE) है तथा मेरे समस्त शैक्षणिक दस्तावेजों में भी मेरा नाम यीशनारायण गोखले (YISHNARAYAN GOKHLE) दर्ज है अतः इस प्रकाशन के उपरांत मुझे यीशनारायण गोखले (YEESHNARAYAN GOKHLE) के स्थान पर यीशनारायण गोखले (YISHNARAYAN GOKHLE) के नाम से जाना व पहचाना जावे तथा उक्त दोनों नाम एक ही व्यक्ति के है तथा मेरे आधारकार्ड में मेरा नाम यीशनारायण गोखले (YEESHNARAYAN GOKHLE) दर्ज है जिसके स्थान पर मेरे नाम की सही स्पेशलिंग यीशनारायण गोखले (YISHNARAYAN GOKHLE) पढ़ा व अंकित किया जावे तथा तदनुसार मुझे यीशनारायण गोखले (YISHNARAYAN GOKHLE) के नाम से संबोधित किया जावे।

यीशनारायण गोखले (YISHNARAYAN GOKHLE)
ग्राम हट्टा, पोस्ट हट्टा
तहसील व जिला बालाघाट (म.प्र.)

आम सूचना

सूचित किया जाता है कि श्रीमती हीरागौरी राठौर, पति स्व. श्री कुंदनलाल राठौर, निवासी वार्ड नं. 28, गोंदिया रोड़, तह. व जिला बालाघाट के द्वारा दिनाँक 05.06. 2017 को खसरा नं. 284/2 रकबा 0.567 हे., ख.नं. 262/1 रकबा 0.243 हे., ख.नं. 262/7 रकबा 0.182 हे., ख.नं. 262/5 रकबा 0.198 हे., ख.नं. 262/8 रकबा 0.016 हे. इस प्रकार कुल रकबा 0.639 हे. गोंदिया रोड़ से लगकर रहवासी मकान तथा कवेलू बनाने की टाईल्स फेक्ट्री जो डायवर्टेड भूमि एवं मकान संपत्ति को अपने एक मात्र पुत्र श्री तपन राठौर, पिता स्व. श्री कुंदनलाल राठौर, निवासी वार्ड नं. 28, गोंदिया रोड़, तह. व जिला बालाघाट के पक्ष मे रजिस्टर्ड वसीयतनामा श्रीमान उप पंजीयक महोदय बालाघाट के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर निष्पदित किया गया है, यह रजिस्टर्ड वसीयतनामा उप पंजीयक कार्यालय बालाघाट के द्वारा ई पंजीयन क. MP011672017A3297003 देकर पंजीबद्ध किया गया है। उक्त रजिस्टर्ड वसीयतनामा के आधार पर श्री तपन राठौर, पिता स्व. श्री कुंदनलाल राठौर, निवासी वार्ड नं. 28, गोंदिया रोड़, तह. व जिला बालाघाट का नाम तहसीलदार बालाघाट के आदेशानुसार राजस्व अभिलेखो मे दर्ज है।

यह कि उक्त रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 05.06.2017 ई पंजीयन क. MP011672017A3297003 रख रखाव के अभाव मे गुम हो चुका है।

यह कि श्री तपन राठौर, पिता स्व. श्री कुंदनलाल राठौर, निवासी वार्ड नं. 28, गोंदिया रोड़, तह. व जिला बालाघाट के द्वारा पंजाब नेशनल बैंक शाखा बालाघाट से अपनी अचल संपत्ति को बंधक कर ऋण लिया जा रहा है यदि किसी व्यक्ति या विधिक संस्था को कोई आपत्ति है या वह उक्त अचल संपत्ति पर अपना विधिक अधिकार रखता है तो वह प्रकाशन के सात दिनों के अंदर पंजाब नेशनल बैंक शाखा बालाघाट के अधिकृत अधिवक्ता चित्रेश बहादुर श्रीवास्तव के समक्ष उपस्थित होकर अपनी आपत्तियां अपना दावा दर्ज करा सकता हैं, उक्त अवधि के उपरांत किसी भी प्रकार की कोई भी आपत्ति अमान्य होगी।

चित्रेश बहादुर श्रीवास्तव

एनआर मेमोरियल इंटरनेशनल रैपिड रेटिंग शतरंज स्पर्धा आज

1 लाख रु से अधिक पुरस्कार राशि वाली प्रतियोगिता में देश विदेश के खिलाड़ी होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं बौद्धिक विकास के लिए सतत समर्पित बालाघाट जिला अब क्रीड़ा-जगत में भी एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित करने जा रहा है। तर्क, दूरदर्शिता एवं रणनीतिक कौशल के प्रतीक शतरंज को प्रोत्साहित करने हेतु, जिले में प्रथम बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की रेटिंग प्रतियोगिता का आयोजन 10 मई को किया गया है। यह आयोजन सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड पॉलीटेक्निक, बालाघाट के संरक्षण एवं अनुकरणीय सहयोग से संपन्न होगा।खेल प्रेमी स्व. नागेश्वरराम यादव एवं समाजसेवी स्व. राजकुमार खंडेलवाल की पुण्य स्मृति को चिरस्थायी बनाने हेतु एन आर मेमोरियल रैपिड रेटिंग शतरंज टूर्नामेंट का यह प्रतिष्ठित आयोजन सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड पॉलीटेक्निक गर्रा, बालाघाट में आयोजित होगा। यह आयोजन केवल स्पर्धा नहीं बल्कि युवाओं में विश्लेषणात्मक चिंतन एवं धैर्य के गुणों का संवर्धन करने वाला बौद्धिक अनुष्ठान है।

प्रतियोगिता की अकादमिक गरिमा

एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि के इस एकदिवसीय विद्वत-समागम में विश्व शतरंज महासंघ द्वारा निर्धारित अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के अनुरूप 15+05 टाइम कंट्रोल के 9 राउंड खेले जाएंगे। 10 मई को प्रातः 9:55 उद्घाटन सत्र संपन्न होगा तथा 10 बजे प्रथम चक्र का प्रारंभ होगा। सायं 7 बजे पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के साथ यह बौद्धिक महोत्सव संपन्न होगा।

श्रीहरि होंगे चीफ आर्बिटर

इस प्रतियोगिता की निष्पक्षता एवं तकनीकी शुचिता सुनिश्चित करने हेतु ख्यातिप्राप्त इंटरनेशनल आर्बिटर एन वी आर श्रीहरि मुख्य निर्णायक की भूमिका निभाएंगे।

देश विदेश से आए खिलाड़ी

इस टूर्नामेंट के डायरेक्टर कार्तिक गिरी गोस्वामी एवं ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री ऋषभ खंडेलवाल ने हर्ष व्यक्त कर अवगत कराया कि इस स्पर्धा के ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन प्रखर समाजसेवी एवं खेल संरक्षक श्री ऋषभ वैध हैं। यह प्रतियोगिता राष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक एवं क्रीड़ा जगत में सराही जा रही है। मध्यप्रदेश के बालाघाट,भोपाल,जबलपुर, इन्दौर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, मंडला, सागर, ग्वालियर, झाबुआ, उज्जैन, सतना,नरसिंहपुर, सिवनी एवं पन्ना के खिलाड़ियों के साथ पश्चिम बंगाल,गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान,दिल्ली सहित देश के विभिन्न प्रांतों से दिग्गज शतरंज खिलाड़ी स्पर्धा में भाग ले रहे हैं। यह उल्लेख का विषय है कि डेनमार्क जैसे विकसित राष्ट्र से भी विदेशी प्रतिभागी सहित इस ज्ञान-यज्ञ में करीब 150 खिलाड़ी सम्मिलित हो रहे हैं।

कुल 28 पुरस्कार एवं सम्मान

प्रतियोगिता में शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वाले खिलाडियों के अतिरिक्त, विभिन्न आयु वर्गों एवं रेटिंग श्रेणियों में उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाले प्रथम तीन विजेताओं को विशेष रूप से पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। इस स्पर्धा में कुल 28 पुरस्कार दिए जाएंगे।

ग्रैंड मास्टर श्रीराम झा एवं इंटरनेशनल मास्टर अक्षत खंपरिया की रहेगी उपस्थिति

इस प्रतियोगिता की गरिमा को चरमोत्कर्ष प्रदान करने हेतु भारत का नाम वैश्विक पटल पर आलोकित करने वाले ग्रैंड मास्टर श्रीराम झा एवं इंटरनेशनल मास्टर अक्षत खंपरिया की उपस्थिति अहम होगी। इनके सान्निध्य से नवोदित खिलाड़ियों को अमूल्य मार्गदर्शन एवं प्रेरणा प्राप्त होगी। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से टूर्नामेंट डायरेक्टर कार्तिक गिरी गोस्वामी और ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेट्री ऋषभ खंडेलवाल द्वारा दी गई है।

बालाघाट में नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन

1009 प्रकरणों का हुआ निराकरण, 3 करोड़ 18 लाख से अधिक की अवार्ड राशि पारित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार आज 09 मई 2026 को जिला न्यायालय बालाघाट सहित जिले के समस्त न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के मार्गदर्शन एवं गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी एक्ट) रघुवीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला न्यायाधीश गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला न्यायाधीश दीप नारायण सिंह, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सतीष शर्मा सहित अन्य न्यायिक अधिकारी, बैंक, बीमा एवं पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं पैरालीगल वालंटियर्स उपस्थित रहे। नेशनल लोक अदालत के दौरान जिला न्यायालय परिसर में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन जिला आयुष विभाग के सहयोग से किया गया, जिसमें पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही सुरक्षित बचपन-सुरक्षित भविष्य अभियान के अंतर्गत जागृति योजना 2025 का शुभारंभ भी किया गया। लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए जिलेभर में कुल 24 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया। इनमें जिला न्यायालय बालाघाट में 09, बैहर में 04, कटंगी में 01, लांजी में 01 एवं वारासिवनी में 08 खंडपीठ शामिल रहीं। इन खंडपीठों में आपराधिक शमनीय प्रकरण, बैंक रिकवरी, मोटर दुर्घटना दावा, वैवाहिक विवाद, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, विद्युत एवं जलकर प्रकरण सहित विभिन्न मामलों का निराकरण किया गया। लोक अदालत में कुल 1085 प्रकरण विचारार्थ रखे गए, जिनमें से 1009 प्रकरणों का आपसी सहमति से निराकरण किया गया। प्री-लिटिगेशन के 835 प्रकरणों में से 780 प्रकरणों का निराकरण कर 1 करोड़ 60 लाख 91 हजार 443 रुपये की अवार्ड राशि पारित की गई। वहीं न्यायालयों में लंबित 250 प्रकरणों में से 229 प्रकरणों का निराकरण कर 1 करोड़ 57 लाख 47 हजार 930 रुपये की अवार्ड राशि पारित की गई। इस प्रकार कुल 3 करोड़ 18 लाख 39 हजार 373 रुपये की अवार्ड राशि पारित की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण ने नेशनल लोक अदालत की सफलता में सहयोग प्रदान करने वाले न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस विभाग, समाजसेवियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं आमजन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लोक अदालत न्यायदान की सरल, सुलभ एवं त्वरित व्यवस्था है, जिसे भविष्य में भी इसी प्रकार सफलतापूर्वक संचालित किया जाता रहेगा।

नगर पालिका बालाघाट में नेशनल लोक अदालत का आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नेशनल लोक अदालत के अंतर्गत आज 09 मई को नगर पालिका परिषद बालाघाट एवं नगर पालिका वारासिवनी में कर संबंधी प्रकरणों के निराकरण हेतु विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान संपत्तिकर, भवन-भूमि किराया एवं जलकर से संबंधित मामलों का निराकरण कर राजस्व वसूली की गई। नगर पालिका परिषद बालाघाट में प्रातः 10:30 बजे आयोजित नेशनल लोक अदालत में संपत्तिकर, भवन-भूमि किराया एवं जलकर से संबंधित कुल 774 प्रकरण रखे गए थे। इनमें संपत्तिकर के 172 तथा जलकर के 160 प्रकरणों का निराकरण किया गया। लोक अदालत के माध्यम से कुल 9 लाख 79 हजार 304 रुपये की राशि वसूल की गई। इस अवसर पर मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सूर्य प्रकाश उके, राजस्व निरीक्षक, सभी वार्ड प्रभारी एवं सहायक कर्मचारी उपस्थित रहे। इसी प्रकार माननीय न्यायालय परिसर वारासिवनी में भी प्रातः 10:30 बजे नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। यहां नगर पालिका वारासिवनी के संपत्तिकर, भवन-भूमि किराया एवं जलकर से संबंधित कुल 37 प्रकरण रखे गए थे, जिनमें से 28 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इस दौरान कुल 1 लाख 62 हजार 386 रुपये की राजस्व वसूली की गई। वारासिवनी में आयोजित लोक अदालत में मुख्य नगर पालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, वार्ड प्रभारी एवं सहायक कर्मचारी उपस्थित रहे। नगर पालिका प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय पर करों का भुगतान कर लोक अदालत जैसी सुविधाओं का लाभ उठाएं और अनावश्यक दंड एवं ब्याज से बचें।

तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन कल से

बालाघाट में पहली बार होंगा भव्य आयोजन, प्रेसवार्ता में प्राचार्य ने दी जानकारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पहली बार तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। हेल्थ, वेलनेस एंड स्पोर्ट्स - एसेंशियल फॉर मॉडर्न वर्ल्ड विषय पर आधारित यह सेमिनार 11 मई से 13 मई तक आयोजित होगा। जिसकी तमाम जानकारी शनिवार को पीजी कॉलेज में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में कॉलेज प्राचार्य डॉ अशोक कुमार मरठे द्वारा दी गई ।आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत आयोजित इस सेमिनार में देश-विदेश के विशेषज्ञ, शिक्षाविद, खेल एवं स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विद्वान शामिल होंगे। आयोजन महाविद्यालय के खेल विभाग द्वारा किया जा रहा है।

सेमिनार में कई दिग्गज होंगे शामिल

उन्होंने आगे बताया कि सेमिनार का उद्घाटन समारोह 11 मई सोमवार को सुबह 10 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बालाघाट-सिवनी क्षेत्र की सांसद भारती पारधी उपस्थित रहेंगी। वहीं कुलगुरु डॉ. आई.पी. त्रिपाठी भी कार्यक्रम में शामिल होंगे।विशिष्ट अतिथियों में जनपद पंचायत समिति की अध्यक्ष मीना हरिनखेड़े, उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर के क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक डॉ. पी. आर. चंदेलकर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. डी.एस. शरणागत, जिला मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. परेश उपलप सहित कई विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे।सेमिनार का समापन समारोह 13 मई को दोपहर 3 बजे होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अनुभा मुंजारे एवं आईजी ललित शाक्यवार शामिल होंगे।विशिष्ट अतिथियों में विषय विशेषज्ञ डॉ. अविनाश असनारे तथा डीएफओ अनुव जैन मौजूद रहेंगे।महाविद्यालय प्रबंधन ने जिले के शिक्षाविदों, विद्यार्थियों एवं खेल प्रेमियों से कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की है।उन्होंने आगे बताया कि कालेज विद्यार्थियों के लिए आयोजित इस तीन दिवसीय सेमिनार में कई दिग्गज विशेषज्ञ प्रत्यक्ष रूप से शामिल रहेंगे तो कई दिग्गजो की ऑनलाइन उपस्थिति रहेगी।जो कालेज के विघार्थियों का मार्गदर्शन करेंगे।

आवश्यकता है

होटल कान्हा में काम करने वाले लड़के की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता

9993282223
9425139875

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाफरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

एनसीसी कैडेटों को यातायात नियमों का पाठ

यातायात पुलिस ने किया जागरूक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुलिस अधीक्षक बालाघाट के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी यातायात सूबेदार यीना राहंगडाले के निर्देशन में थाना यातायात बालाघाट द्वारा ग्राम गोंगलई स्थित कन्या छात्रावास परिसर में आयोजित एनसीसी कैम्प में यातायात जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 एनसीसी कैडेटों को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना यातायात बालाघाट के उपनिरीक्षक कैलाश उइके, प्रधान आरक्षक विनोद सिंह राठौर एवं आरक्षक देवेन्द्र मेश्राम ने कैडेटों को सड़क पर सुरक्षित वाहन चलाने के महत्वपूर्ण नियमों की

जानकारी दी। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट के उपयोग, आवश्यक दस्तावेज साथ रखने, यातायात संकेतों का पालन करने तथा नियमों के उल्लंघन पर लगने वाले समन शुल्क के संबंध में विस्तार से बताया। इसके साथ ही सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों एवं उनसे बचाव के उपायों पर भी विशेष चर्चा की गई। छात्र-छात्राओं को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया।यातायात पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग में उपयोग किए जाने वाले आधुनिक उपकरणों जैसे बॉडीवॉर्न कैमरा, पीओएस मशीन एवं ब्रीथ एनालाइजर का प्रदर्शन कर कैडेटों को उनकी उपयोगिता से भी अवगत कराया गया। इस अवसर पर एनसीसी कैम्प कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल वी.के. गुप्ता, कैम्प एडजुटेंट कैप्टन हेमंत कुमार मंडाले, ट्रेनिंग ऑफिसर कैप्टन आर.एस. कुशराम, लेफ्टिनेंट गजानंद कटरे, कैम्प जेटीओ सूबेदार तारसेम सिंह एवं सीएचएम किरण कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर पालिका बालाघाट में सीएमओ के तबादलों का सिलसिला जारी

चार साल के कार्यकाल में कई प्रभारी और अस्थायी सीएमओ बदले, बी.डी. कतरोलिया डूडा अटैच, सूर्यप्रकाश उइके को मिला अतिरिक्त प्रभार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बालाघाट नगर पालिका परिषद में अधिकारियों के लगातार हो रहे तबादले और प्रभार परिवर्तन एक बार फिर चर्चा का विषय बन गए हैं। वर्तमान परिषद के लगभग चार वर्ष के कार्यकाल में दर्जनों प्रभारी एवं अस्थायी मुख्य नगर पालिका अधिकारी पदस्थ होकर स्थानांतरित हो चुके हैं। किसी अधिकारी ने स्वेच्छा से स्थानांतरण लिया, तो कुछ अधिकारियों को उनकी कार्यशैली और प्रशासनिक परिस्थितियों के चलते हटाया गया। हाल ही में मुख्य नगर पालिका अधिकारी निशांत श्रीवास्तव के स्थानांतरण का मामला अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि अब बी.डी. कतरोलिया को भी बालाघाट नगर पालिका से हटाकर कलेक्टर कार्यालय स्थित डूडा शाखा में अटैच कर दिया गया है। जारी आदेश में उनके हटाए जाने का कोई स्पष्ट कारण उल्लेखित नहीं किया गया है और इसे केवल प्रशासनिक व्यवस्था बताया गया है। हालांकि इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि बी.डी. कतरोलिया की सेवानिवृत्ति में महज दो माह का समय शेष है, ऐसे में उन्हें नगर पालिका से हटाकर डूडा में अटैच किए जाने को लेकर विभिन्न तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। वहीं प्रशासन द्वारा एक बार फिर सूर्यप्रकाश उइके को वारासिवनी के साथ-साथ बालाघाट नगर पालिका का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। नगर पालिका परिषद के इस कार्यकाल में लगातार बदलते अधिकारियों को लेकर अब आमजन और राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लगभग एक वर्ष का कार्यकाल अभी परिषद का शेष है, ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले समय में नगर पालिका में और कितने अधिकारियों की आमद और विदाई होती है।

बालाघाट नगर पालिका बीते लगभग चार वर्षों से अपने विकास कार्यों से ज्यादा मुख्य नगरपालिका

अधिकारियों के लगातार बदलते प्रभार और स्थानांतरण को लेकर चर्चा में बनी हुई है। हालात यह रहे कि इस पूरे कार्यकाल में परिषद को स्थायी और लंबे समय तक काम करने वाला पूर्णकालिक मुख्य नगरपालिका अधिकारी तक नहीं मिल पाया। लगातार अधिकारियों के बदलने और प्रभारी व्यवस्था के सहारे नगरपालिका चलने से प्रशासनिक स्थिरता पर भी सवाल खड़े होते रहे हैं। जब वर्तमान परिषद का गठन हुआ था, उस समय सतीश मटसेनिया मुख्य नगरपालिका अधिकारी के रूप में पदस्थ थे। शुरुआत में उम्मीद की जा रही थी कि उनके नेतृत्व में परिषद का कार्यकाल स्थिरता के साथ आगे बढ़ेगा, लेकिन अचानक उन्होंने स्वयं के व्यय पर अपना स्थानांतरण करवा लिया। उनके स्थानांतरण के बाद बालाघाट नगर पालिका को लंबे समय तक स्थायी मुख्य नगरपालिका अधिकारी नहीं मिल सका और इसके बाद से नगरपालिका प्रभारी अधिकारियों के भरोसे ही चलती रही। व्यवस्थाओं को संभालने के लिए सबसे पहले देवेंद्र मर्सकोले को प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी बनाया गया, लेकिन उनका कार्यकाल भी ज्यादा लंबा नहीं चल सका। उनके बाद प्रशासनिक व्यवस्थाओं को बनाए रखने के उद्देश्य से तहसीलदार नितिन चौधरी को प्रभारी सीएमओ के रूप में नगर पालिका में बैठाया गया, किंतु वह भी अधिक समय तक यहां नहीं टिक सके और कुछ समय बाद उन्होंने भी इस जिम्मेदारी से दूरी बना ली। इसके बाद नगरपालिका की कमान रेखलाल राहागडाले को सौंपी गई। उम्मीद की जा रही थी कि वे परिषद की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से आगे बढ़ाएंगे, लेकिन उनका कार्यकाल भी चर्चा और असंतोष के बीच ही गुजर गया। आरोप लगते रहे कि उन्होंने अधिकतर समय छुट्टियों में ही बिताया और नगरपालिका की व्यवस्थाएं अपेक्षित गति से नहीं चल सकीं। बाद में उनकी सेवानिवृत्ति हो गई। इसी बीच बालाघाट नगरपालिका को स्थायी रूप से संभालने के लिए निशांत कुमार श्रीवास्तव को मुख्य नगरपालिका अधिकारी बनाकर भेजा गया था। उनकी कार्यशैली को सख्त, अनुशासित और प्रशासनिक दृष्टि से मजबूत माना जा रहा था। शुरुआती दिनों में उन्होंने कई व्यवस्थाओं में सुधार के प्रयास भी किए, लेकिन कुछ ही महीनों में वे विवादों में घिर गए। राजनीतिक और प्रशासनिक दबावों के बीच वे भी ज्यादा समय तक यहां नहीं टिक सके और अंततः उनका भी स्थानांतरण कर दिया गया। इसके बाद अपनी सेवा के अंतिम दौर में बी.डी. कतरोलिया को बालाघाट नगर पालिका का मुख्य नगरपालिका अधिकारी बनाया गया। माना जा रहा था कि उनका अनुभव परिषद को स्थिरता देगा, लेकिन सेवानिवृत्ति से करीब दो महीने पहले ही उन्हें नगरपालिका से हटाकर बालाघाट डूडा कार्यालय में अटैच कर दिया गया। सूत्रों की मानें तो हाल ही में नगरीय निकायों की जांच के लिए आई टीम की कार्रवाई के बाद यह निर्णय लिया गया। हालांकि आधिकारिक तौर पर इस संबंध में कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। अब वर्तमान में कामकाज चलाने के लिए बालाघाट नगरपालिका में पहले स्वच्छता प्रभारी रह चुके सूर्य प्रकाश उइके को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वे इन दिनों वारासिवनी नगर परिषद में प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं और वहीं से बालाघाट नगरपालिका का अतिरिक्त कार्यभार संभाल रहे हैं। हालांकि यह पहली बार नहीं है जब अतिरिक्त प्रभार के भरोसे नगरपालिका चलाई जा रही हो। बीते चार वर्षों में दिशा डेहरिया, वाचस्पति त्रिपाठी, कमलेश विजेवार, बी.एल. लिल्हारे और मलाजखंड के मुख्य नगरपालिका अधिकारी दिनेश वाघमारे सहित कई अधिकारियों को समय-समय पर बालाघाट नगरपालिका का अतिरिक्त प्रभार दिया जाता रहा है। इस दौरान दर्जनों अधिकारी यहां आए और गए, लेकिन परिषद को स्थायी प्रशासनिक नेतृत्व नहीं मिल पाया। लगातार हो रहे स्थानांतरण, प्रभारी अधिकारियों की नियुक्ति और प्रशासनिक अस्थिरता के कारण बालाघाट नगर पालिका परिषद पूरे कार्यकाल में चर्चा का विषय बनी रही है। अब देखना यह होगा कि आगामी समय में सूर्यप्रकाश उइके ही इस अतिरिक्त प्रभार के साथ परिषद का काम संभालते रहेंगे या फिर शासन बालाघाट नगरपालिका को कोई पूर्णकालिक और स्थायी मुख्य नगरपालिका अधिकारी उपलब्ध कराएगा।

बूढ़ी शराब दुकान हटाने की मांग तेज, महिलाओं के आंदोलन में अब बच्चे भी हुए शामिल

शराबबंदी के पोस्टर लेकर निकाली रैली, आबकारी अमले और महिलाओं के बीच हुई तीखी बहस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट क्षेत्र स्थित बूढ़ी शराब दुकान को हटाए जाने की मांग को लेकर महिलाओं का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन लगातार जारी है। कई दिनों से चल रहे इस आंदोलन में अब छोटे बच्चे भी शामिल होने लगे हैं, जिससे आंदोलन को नया रूप मिलता दिखाई दे रहा है। शाम होते ही बच्चे अपने हाथों में शराबबंदी और शराब दुकान हटाने संबंधी पोस्टर लेकर दुकान के आसपास रैली निकालते हैं। इस दौरान बच्चे लोगों से शराब का सेवन नहीं करने की अपील करते नजर आते हैं। आंदोलनकारी महिलाओं का कहना है कि शराब दुकान के कारण क्षेत्र का माहौल प्रभावित हो रहा है और परिवारों पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। वहीं 9 मई की देर शाम आबकारी विभाग का अमला एक बार फिर लाइसेंसधारी दुकानदारों के साथ मौके पर पहुंचा। उल्लेखनीय है कि बीते दिनों भाजपा नेत्री एवं आयोग सदस्य मौसम बिसेन द्वारा दुकानदारों को दो से तीन दिन के भीतर दुकान हटाने की चेतावनी दी गई थी। इधर लाइसेंसधारी पक्ष ने भी प्रदर्शनकारी महिलाओं के बीच साफ कर दिया कि शराब दुकान यथावत संचालित होती रहेगी। इस दौरान मौके पर मौजूद आबकारी विभाग और पुलिस अमले के सामने महिलाओं और अधिकारियों के बीच तीखी बहस भी हुई। स्थिति को देखते हुए आबकारी विभाग के अधिकारियों ने महिलाओं को शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की समझाइश दी तथा दुकान में शराब खरीदने आने वाले लोगों को रोकने से मना किया।

बालाघाट के बूढ़ी क्षेत्र में संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर महिलाओं

का आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। बीते लगभग 25 से 30 दिनों से क्षेत्र की महिलाएं शराब दुकान के सामने अनिश्चितकालीन धरना देकर प्रदर्शन कर रही हैं। लगातार चल रहे इस आंदोलन में महिलाएं अलग-अलग तरीकों से विरोध दर्ज करा रही हैं। कभी गांधीगिरी के माध्यम से तो कभी क्षेत्र की साफ-सफाई कर महिलाएं प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान अपनी मांग की ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रही हैं। महिलाओं का कहना है कि शराब दुकान के कारण क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है और यहां आए दिन असामाजिक गतिविधियां देखने को मिलती हैं। उनका आरोप है कि शराब पीने वालों के कारण क्षेत्र की महिलाओं, बच्चों और आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी वजह से वे लगातार दुकान को वहां से हटाने की मांग कर रही हैं। इसी आंदोलन के तहत 9 मई की शाम स्कूली बच्चों ने भी महिलाओं के समर्थन में हाथों में शराबबंदी के पोस्टर लेकर शराब दुकान के सामने रैली निकाली। बच्चों ने लोगों से शराब का सेवन न करने की अपील की और नारेबाजी करते हुए क्षेत्र में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। बच्चों की इस सहभागिता के बाद आंदोलन को लेकर क्षेत्र में और चर्चा तेज हो गई। देर शाम आंदोलन स्थल पर आबकारी विभाग के पुलिसकर्मी और शराब दुकान से जुड़े लाइसेंसधारी कर्मचारी भी पहुंचे। यहां उन्होंने प्रदर्शन कर रही महिलाओं से शांतिपूर्वक आंदोलन करने की अपील की। आबकारी पुलिसकर्मियों ने महिलाओं से कहा कि वे किसी भी व्यक्ति को जबरदस्ती दुकान से शराब खरीदने से न रोकें और कानून व्यवस्था बनाए रखें। हालांकि महिलाओं ने साफ तौर पर कहा कि वे अपने आंदोलन के दौरान शराब खरीदने आने वाले लोगों को समझाने और रोकने का प्रयास करती रहेंगी तथा दुकान को हटाने की मांग से पीछे नहीं हटेंगी। महिलाओं का कहना है कि जब तक दुकान को वहां से नहीं हटाया जाएगा, उनका आंदोलन लगातार जारी रहेगा। इस पूरे मामले में कुछ दिन पहले आयोग सदस्य मौसम बिसेन का बयान भी चर्चा में आया था। उन्होंने बातचीत के दौरान शराब दुकान के कर्मचारियों को चेतावनी भरे अंदाज में कहा था कि वे स्वेच्छा से दुकान को वहां से हटा लें, अन्यथा प्रशासन कार्रवाई करेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि आने वाले कुछ दिनों में दुकान को वहां से हटाया जा सकता है। वहीं अब महिलाओं के प्रदर्शन में पहुंचे लाइसेंसधारी कर्मचारियों ने भी स्पष्ट कर दिया है कि शराब दुकान को वहां से हटाया नहीं जाएगा और दुकान पूर्ववत उसी स्थान पर संचालित होती रहेगी। ऐसे में एक ओर जहां आंदोलनकारी महिलाएं दुकान हटाने की मांग पर अड़ी हुई हैं, वहीं दूसरी ओर दुकान से जुड़े कर्मचारी और लाइसेंसधारी भी अपने पक्ष पर कायम दिखाई दे रहे हैं। लगातार जारी प्रदर्शन और दोनों पक्षों के अलग-अलग बयानों के बीच अब यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। फिलहाल आबकारी विभाग ने महिलाओं से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की है, लेकिन आंदोलन खत्म होने के कोई संकेत नजर नहीं आ रहे हैं। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस पूरे मामले में क्या निर्णय लेता है और महिलाओं की मांग पर शराब दुकान को हटाने को लेकर कोई कार्रवाई होती है या नहीं।

तीन माह से मानदेय नहीं मिलने पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं में नाराजगी

नारी शक्ति सम्मान के दावों पर उठे सवाल, समय पर भुगतान की मांग तेज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रदेश में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर सरकार द्वारा लगातार बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कार्य करने वाली महिला कर्मचारियों की स्थिति आज भी चिंताजनक बनी हुई है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाओं को पिछले तीन माह से मानदेय/वेतन का भुगतान नहीं होने से उनमें भारी नाराजगी व्याप्त है। इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति में महिला कर्मचारियों ने सरकार और संबंधित विभागों पर उपेक्षा का आरोप लगाया है।विज्ञप्ति में कहा गया है कि केंद्र और राज्य सरकारें एक ओर महिलाओं को नारी शक्ति का प्रतीक बताकर योजनाओं और घोषणाओं के माध्यम से राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास करती हैं, वहीं दूसरी ओर आंगनबाड़ी जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में कार्यरत महिलाओं को समय पर मानदेय तक उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। महिला कर्मचारियों का कहना है कि वे लगातार मेहनत और जिम्मेदारी के साथ अपने कार्यों का निर्वहन कर रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।महिला कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बाद भी विभागीय स्तर पर भुगतान को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं गांव-गांव जाकर पोषण, टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं और बच्चों की देखरेख सहित अनेक योजनाओं को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, लेकिन उनके श्रम का उचित सम्मान नहीं हो रहा है।

मांग पूरी ना होने पर करेंगे आंदोलन

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि लगातार बढ़ती महंगाई के बीच तीन माह तक मानदेय नहीं मिलने से परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। कई महिला कर्मचारियों के सामने बच्चों की पढ़ाई, घरेलू खर्च और सामाजिक दायित्व निभाने में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं। आगामी विवाह और अन्य पारिवारिक आयोजनों के चलते आर्थिक संकट और गहरा गया है। महिला कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही लंबित मानदेय का भुगतान नहीं किया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए मजबूर होंगी। उन्होंने शासन-प्रशासन से मांग की है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के सम्मान और अधिकारों को ध्यान में रखते हुए तत्काल भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें आर्थिक और मानसिक परेशानियों से राहत मिल सके।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के बस स्टैंड समीप बैहर रोड पर शुक्रवार देर रात हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल रिवेश पिता मोहनलाल कटरे 56 वर्ष ग्राम मंझारा भरवेली निवासी बताये गये है। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मंझारा थाना भरवेली निवासी रिवेश कटरे खेती-किसानी का कार्य करते हैं। बताया गया कि 8 मई की रात लगभग 11:45 बजे रिवेश कटरे मोटरसाइकिल में बालाघाट से अपने गांव मंझारा लौट रहे थे। इसी दौरान बस स्टैंड के पास बैहर रोड स्थित दर्द गो मेडिकल के समीप सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक पिकअप वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में रिवेश कटरे सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर मौजूद नासिर खान ने मानवता का परिचय देते हुए घायल को तत्काल मोटरसाइकिल से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया। जहां उनका उपचार किया गया। मामले की जानकारी कोतवाली पुलिस को दे दी गई है।

पुरानी रंजिश में दो युवकों पर लाठी से हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम पाला में पुरानी रंजिश को लेकर दो युवकों के साथ लाठी से मारपीट का मामला सामने आया है। हमले में दोनों युवक घायल हो गए। दोनों युवक मोहित कावरे और राहुल कावरे ग्राम मुर्री निवासी है। जिनका इलाज किरनापुर अस्पताल में किया गया। पुलिस ने आरोपी विक्की फाये के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम मुर्री निवासी मोहित कावरे खेती-किसानी का काम करते हैं। 8 मई की शाम मोहित अपने साथी राहुल कावरे के साथ ग्राम मोरवाही में दोस्त श्रीराम चंदेले और भरत सूर्यवंशी से मिलने गए थे। देर शाम दोनों वहां से घर लौट रहे थे। रास्ते में ग्राम पाला स्थित हरिओम लॉन में राहुल के परिचित की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। दोनों शादी में शामिल होने रुक गए। रात करीब 9 बजे खाना खाने के बाद जब वे लॉन से बाहर निकल रहे थे तभी ग्राम मुर्री निवासी विक्की फाये से उनका सामना हुआ। बताया जा रहा है कि विक्की की मोहित कावरे से पुरानी रंजिश थी। मोहित को देखते ही विक्की ने अश्लील गालियां देना शुरू कर दिया। राहुल कावरे ने जब गाली देने से मना किया तो विक्की लकड़ी लेकर आ गया और राहुल के सिर पर वार कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे मोहित पर भी विक्की ने लकड़ी से हमला कर दिया। मारपीट में मोहित और राहुल दोनों घायल हो गए। आरोप है कि हमले के बाद विक्की ने दोनों को दोबारा मिलने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद परिजन दोनो घायलों युवक को लेकर किरनापुर थाने पहुंचे। किरनापुर पुलिस ने तत्काल दोनों घायलों का इलाज स्थानीय अस्पताल में कराया। मोहित कावरे की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी विक्की फाये के खिलाफ अश्लील गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में अपराध दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समनापुर स्टेशन पर 24 घंटे में अतिरिक्त लूप लाइन का सफल कमीशनिंग कार्य

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की गति शक्ति यूनिट (जिएसयु), नागपुर ने रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के क्षेत्र में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज करते हुए समनापुर रेलवे स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन का कार्य, रिकॉर्ड समय में सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह उपलब्धि तकनीकी दक्षता, उत्कृष्ट समन्वय और समयबद्ध कार्य निष्पादन का बेहतरीन उदाहरण मानी जा रही है।परियोजना के अंतर्गत प्री एनआई कार्यों के दौरान दो महत्वपूर्ण पॉइंट्स एवं क्रॉसिंग का इंसर्शन मात्र 4.5 घंटे के एकल ट्रैफिक ब्लॉक में सफलतापूर्वक पूरा किया गया, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसके बाद एनआई कार्य भी केवल 12 घंटे में संपन्न कर लिया गया। इस प्रकार प्री एनआई एंव एनआई सहित संपूर्ण कार्य महज 24 घंटे में पूरा करते हुए अतिरिक्त लूप लाइन को सफलतापूर्वक चालू कर दिया गया।

ट्रेनों के संचालन की क्षमता में होगी वृद्धि

बताया गया कि नई अतिरिक्त लूप लाइन शुरू होने से गोंदिया-जबलपुर सेक्शन में ट्रेनों के संचालन की क्षमता में वृद्धि होगी। इसके साथ ही अतिरिक्त ट्रेनों के परिचालन में सुविधा मिलेगी तथा यात्री ट्रेनों की समयपालन में महत्वपूर्ण सुधार होगा, जिससे यात्रियों को सीधा लाभ प्राप्त होगा।इस चुनौतीपूर्ण कार्य की सफलता में जिएसयु नागपुर, नागपुर मंडल तथा सिग्नल एवं दूरसंचार परियोजना से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों का 24×7 समर्पित योगदान रहा। सभी टीमों ने बेहतर समन्वय और टीमवर्क का परिचय देते हुए इस कार्य को सुरक्षित, गुणवत्तापूर्ण और रिकॉर्ड समय में पूरा किया।यह

उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक, नागपुर एवं मुख्य परियोजना प्रबंधक, जिएसयु के मार्गदर्शन और नेतृत्व में संभव हो सकी। उनके कुशल निर्देशन में पूरी टीम ने समयबद्ध और सुरक्षित निष्पादन सुनिश्चित किया।जिएसयु नागपुर की यह सफलता भारतीय रेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने तथा यात्रियों को बेहतर और सुगम सेवाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

आस-पास की खबरें

बकोड़ा से खारी पहुंच मार्ग का खस्ताहाल

आवागमन में हो रही परेशानी, निर्माण करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर ग्राम पंचायत बकोड़ा से खारी पहुंच मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसु बहा रहा है। सड़क के खस्ताहाल हो जाने के कारण इस मार्ग से आने-जाने वालों को खासा परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि लंबे समय से इस मार्ग का पक्का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की जा रही है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में रोष व्याप्त है।

जबकि इस मार्ग के दोनों साईड में बेलगांव, बकोड़ा एवं खारी के किसानों की खेती है। साथ ही खारी के किसान इसी मार्ग से कृषि उपज मंडी में उपज विक्रय करने आते है। लेकिन कच्चा मार्ग होने एवं जगह-जगह गड्ढा बन जाने के कारण लोगों को आने-जाने में बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही स्कूली बच्चों एवं राहगीर भी इसी मार्ग से आवागमन करते है और सबसे अधिक परेशानी बरसात के दिनों में होती है। इन दिनों में पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। करीब 3 किमी दूरी की इस सड़क का पक्का निर्माण हो जाता है तो खारी के लोग बकोड़ा से सीधे जुड़ सकते है और कम दुरी तय करनी पड़ेगी। वर्तमान में सड़क खराब होने के कारण उन्हे अधिक दुरी तय कर आवागमन करना पड़ रहा है। लेकिन जिम्मेदार इस सड़क की समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है जिससे सभी में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने शासन-प्रशासन से बकोड़ा से खारी पहुंच मार्ग का जल्द पक्का निर्माण करवाने की मांग की है ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

कॉलेज चलो अभियान के तहत जिला स्तरीय प्रवेश मेला आयोजित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शनिवार को कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रवेश मेले का आयोजन किया गया। यह प्रवेश मेला 09 मई को महाविद्यालय के कक्ष क्रमांक 02 में आयोजित हुआ, जिसमें जिलेभर से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे, जिला नोडल अधिकारी एनईपी-2020 डॉ. नवाब कुरैशी, डॉ. तेजेन्द्र शिव, नोडल अधिकारी प्रवेश कार्य डॉ. प्रवीण कुमार कौशले, नोडल अधिकारी कॉलेज चलो अभियान डॉ. योगेश कुमार विजयवार, डॉ. प्रमोद कुमार मेश्राम एवं डॉ. मिथिलेश्वरी चोरमारे सहित अन्य सदस्यों और वॉक-इन-इंटरव्यू टीमों ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान किया।मेले में जिले के सभी विकासखंडों से आए लगभग 209 विद्यार्थियों ने सहभागिता की।विद्यार्थियों को प्रवेश प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई।इसमें मेजर एवं माइनर विषयों के चयन, एमडीसी विषय, वोकेशनल कोर्स, प्रोजेक्ट, इंटर्नशिप एवं अप्रेंटिसशिप से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को विस्तार से समझाया गया।इसके साथ ही विद्यार्थियों को मध्यप्रदेश शासन एवं सेंट्रल सेक्टर छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी भी दी गई। महाविद्यालय में उपलब्ध छात्रावास, पुस्तकालय, वाचनालय, स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन प्रकोष्ठ, खेलकूद गतिविधियों तथा इंडोर एवं आउटडोर जिम जैसी सुविधाओं से भी अवगत कराया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरित करना तथा नई शिक्षा नीति 2020 के तहत उपलब्ध अवसरों की जानकारी देना रहा।

स्थानांतरण के बाद भी सचिव बलिराम पटले का चिचगांव से नहीं छूट रहा मोह, जिला पंचायत सीईओं के आदेशों की कर रहे अवहेलना

बड़गांव में नहीं संभाला कार्यभार, चिचगांव में पदस्थ सचिव को प्रभार देने में कर रहे आनाकानी, विकास कार्य ठप

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चिचगांव में पदस्थ सचिव बलिराम पटले की कार्यप्रणाली इन दिनों चर्चा और विवादों का विषय बनी हुई है। जिला पंचायत द्वारा स्थानांतरण आदेश जारी होने के बावजूद सचिव बलिराम पटले पुराने पद पर जमे हुए हैं। लेकिन चिचगांव पंचायत से भी अनुपस्थित है जिससे पंचायत की प्रशासनिक व्यवस्था ठप हो गई है। साथ ही चिचगांव पंचायत के नवीन (पदस्थ) सचिव जितेन्द्र लानगे को भी प्रभार नही दे रहे है। वहीं बलिराम पटले को चिचगांव से हटाकर बड़गांव का सचिव नियुक्त किया गया लेकिन वे उक्त पंचायत का भी प्रभार लेने नही जा रहे है। जिस कारण से जनपद पंचायत लालबर्रा के द्वारा श्री पटले को नोटिस भी जारी किया गया है। वहीं सचिव बलिराम पटले के द्वारा चिचगांव के नवीन सचिव को प्रभार नही देने एवं बड़गांव का प्रभार नही लेने के कारण दोनों ग्राम पंचायत के विकास कार्य भी पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। चिचगांव के सरपंच गोविंद पटले ने प्रशासन से सचिव बलिराम पटले पर वैधानिक कार्यवाही कर नवीन सचिव को जल्द पंचायत का प्रभार दिलवाने की मांग की है ताकि पंचायत के विकास कार्य जो अवरूध्द है। उसे सुचारू रूप से प्रारंभ कर ग्राम के विकास कार्यों के साथ ही ग्रामीणजनों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवा सके।

क्या है पूरा मामला?

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पंचायत द्वारा बीते दिनों प्रशासनिक फेरबदल करते हुए चिचगांव सचिव बलिराम पटले का स्थानांतरण ग्राम पंचायत बड़गांव (लोहारा) कर दिया गया था। आदेश के तहत उन्हें तत्काल प्रभाव से चिचगांव का संपूर्ण प्रभार नवीन सचिव जितेन्द्र लानगे को सौंपने के निर्देश दिये गये थे। साथ ही उन्हें बड़गांव में वित्तीय प्रभार सहित अपनी उपस्थिति दर्ज करानी थी। लेकिन वे जिला पंचायत सीईओं के आदेशों का अवहेलना कर रहे है। वहीं चिचगांव पंचायत से उन्हे कार्य मुक्त कर दिया गया है और 17 अप्रैल 2026 से बिना सूचना अनुपस्थित है। वहीं चिचगांव पंचायत से कार्य मुक्त होने के बाद आज तक ग्राम पंचायत बड़गांव में अपनी उपस्थिति नही दिया है। जिससे दोनों पंचायत के विकास कार्य प्रभावित हो रहे है। वहीं सचिव बलिराम पटले से दूरभाष पर चिचगांव का प्रभार सचिव जितेन्द्र लानगे को नही देने एवं बड़गांव पंचायत का प्रभार नही लेने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

जिम्मेदारी से भाग रहे सचिव

हैरानी की बात यह है कि स्थानांतरण आदेश जारी हुए कई दिन बीत चुके हैं, लेकिन बलिराम पटले ने अब तक न तो चिचगांव का प्रभार जितेन्द्र लानगे को सौंपा है और न ही उन्होंने बड़गांव पंचायत में अपनी आमद दी है। उनकी इस लापरवाही के कारण दोनों पंचायतों के महत्वपूर्ण शासकीय कार्य और ग्रामीणों की समस्याएं लंबित पड़ी हैं। वहीं सचिव की इस अनुशासनहीनता को देखते हुए जनपद पंचायत सीईओं के द्वारा उन्हें नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण भी मांगा जा चुका है। सूत्र बताते हैं कि तय समय सीमा बीत जाने के बाद भी सचिव पटले ने प्रशासन को कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया है। उच्चाधिकारियों के आदेशों की इस तरह अवहेलना करना उनकी स्वेंच्छाचारिता को दर्शाता है।

ग्रामीणों में आक्रोश, कार्यवाही की मांग

सचिव की अनुपस्थिति और प्रभार के लेन-देन में हो रही देरी के कारण ग्रामीणों को जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, पेंशन योजना और निर्माण कार्यों के भुगतान जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि एक ओर शासन सुशासन की बात करता है, वहीं दूसरी ओर ऐसे कर्मचारी सरकारी आदेशों को मजाक बना रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला पंचायत सीईओ और वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि सचिव बलिराम पटले के विरूध्द कार्यवाही की जाये ताकि व्यवस्था सुचारू हो सके।

पंचायत के कार्य हो रहे प्रभावित - गोविंद

दूरभाष पर चर्चा में चिचगांव सरपंच गोविंद पटले ने बताया कि पंचायत में पदस्थ सचिव बलिराम पटले समय पर कार्यालय में उपस्थित नही होते थे एवं उनकी कार्यशैली भी ठीक नही होने के कारण योजनाओं का क्रियान्वयन करने एवं ग्रामीणों को शासन की योजना का लाभ में विलंब हो रहा था। जिसकी शिकायत पर उन्हे कार्य में सुधार करने ग्रामीण व पंचायत के प्रतिनिधियों ने कही तो उन्होने स्वयं पंचायत से हटने जनपद में आवेदन किया था। जिसके बाद उनका स्थानांतरण बड़गांव पंचायत में हुआ है एवं चिचगांव से कार्यमुक्त हो चुके है और उनके स्थान पर जितेन्द्र लानगे को पंचायत में पदस्थ किया गया है। लेकिन नये सचिव श्री लानगे को प्रभार नही दे रहे है। श्री पटले ने बताया कि नये सचिव को प्रभार नही मिलने से पंचायत के कार्य प्रभावित हो रहे है और सचिव बलिराम पटले जिला पंचायत सीईओं के आदेश की अवहेलना कर रहे है। प्रशासन से मांग है कि उन पर वैधानिक कार्यवाही कर नये सचिव जितेन्द्र लानगे को संपूर्ण प्रभार दिलवाये ताकि पंचायत के विकास कार्य हो सके।

सचिव को नोटिस जारी किया गया है - चंदरसिंह

दूरभाष पर चर्चा में सीईओं चंदरसिंह मंडलोई ने बताया कि सचिव बलिराम पटले को गत दिवस चिचगांव पंचायत से कार्यमुक्त कर बड़गांव पंचायत का प्रभार लेने के आदेश जारी कर दिये गये है एवं चिचगांव पंचायत का प्रभार टेंगनीखुर्द के सचिव जितेन्द्र लानगे को सौंपा गया है। आगे बताया कि आपके माध्यम से संज्ञान में आ रहा है कि सचिव बलिराम पटले ने चिचगांव पंचायत का प्रभार श्री लानगे को नही सौंपा है, जिसकी जांच की जायेगी एवं बड़गांव पंचायत का प्रभार लेने में विलंब करने पर श्री पटले को नोटिस जारी किया गया है।

पंचायत सचिव संगठन की जिला स्तरीय बैठक संपन्न

नियुक्ति दिनांक से सेवा गणना की मांग सहित अन्य बिन्दुओं पर की गई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत के सभाकक्ष में शनिवार को पंचायत सचिव संगठन की जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। यह बैठक सचिव संगठन जिलाध्यक्ष राजेन्द्र बांगरे सहित अन्य पदाधिकारियों एवं सचिवों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में सचिवों की सेवा अवधि की गणना की मांग पर विशेष जोर दिया गया। वहीं संगठन ने बैठक में पुरजोर तरीके से मांग दोहराई कि सचिवों के सेवाकाल की गणना उनके प्रथम नियुक्ति दिनांक से की जानी चाहिए। इस संबंध में माननीय न्यायालय में दायर याचिका की वर्तमान स्थिति और कानूनी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। सचिवों का मानना है कि इस मांग के पूर्ण होने से उनके रिटायरमेंट लाभ और अन्य सेवा लाभों में बड़ा सकारात्मक बदलाव आयेगा। वहीं बैठक के अंत में जिला अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यदि समय रहते मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो संगठन प्रदेश स्तर पर अपनी आवाज उठायेगा। संगठन का उद्देश्य केवल मांगें रखना नहीं, बल्कि हर एक सचिव को उसके जायज अधिकार दिलाना है। वहीं बैठक को संबोधित करते हुए पंचायत सचिव संगठन जिलाध्यक्ष राजेन्द्र बांगरे ने कहा कि हमारा संगठन सदैव सचिवों के हितों के लिए प्रतिबध्द रहा है। प्रदेश स्तर पर हमारी लंबित मांगों को शासन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के लिए हमें एकजुट होना होगा। इस अवसर पर पंचायत सचिव संगठन जिलाध्यक्ष राजेन्द्र बांगरे, ब्लाक उपाध्यक्ष जितेन्द्र लानगे, जगराम राउत, डीजनलाल दशरिये, अनिरूध्द लांजेवार, नंदकिशोर बिसेन, खरगलाल टेंभरे, राजेश मेश्राम, सुरजलाल शिव, सुरेन्द्रकुमार भंडारकर, श्रीमती आशा माने, श्रीमती लिमेश्वरी कटरे, श्रीमती रितु लानगे, कमलेश चौहान, कपिल अमुले, केशव मोहबे, शंकरलाल माले, जितेन्द्र गनवीर, डोमनलाल सोनवाने, मूलचंद बिसेन, हुकुमचंद रहांगडाले, युवराज पटले, जगदीश शांडिल्य, नूरेन्द्र बघेल सहित अन्य पंचायत सचिव उपस्थित रहे।

क्षेत्र का विकास करना पहली प्राथमिकता है-अनुभा

विधायक अनुभा मुंजारे ने रामजीटोला में पानी टंकी का भूमिपूजन एवं लालबर्रा में हाई मास्क व स्ट्रीट लाईट एवं सभामंच का किया लोकार्पण

पद्मेश न्यूज।लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी में विकास की गति को विस्तार देते हुए क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने विभिन्न निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। शनिवार को शाम 6 बजे आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में विधायक ने स्पष्ट किया कि जनता की सेवा और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य एवं सरपंच अनीस खान की अध्यक्षता एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम रामजीटोला में लाखों रूपयों की लागत से बनने वाली नवीन पानी टंकी निर्माण के लिए मुख्य अतिथि के हस्ते विधि-विधान से पूजा अर्चना कर आधारशीला रखी गई। जिसके बाद लालबर्रा के हाई स्कूल मार्ग पर हाई मास्क व स्ट्रीट लाईट एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों हेतु नवनिर्मित सभामंच का लोकार्पण कर जनता को समर्पित किया है। वहीं विधायक श्रीमती मुंजारे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पांढरवानी पंचायत के सरपंच के द्वारा जो विकास कार्य किये जा रहे है उसकी सराहना करते हुए कहा कि रामजीटोला में पानी टंकी का निर्माण हो जाने से पानी की समस्या दुर हो जायेगी और लालबर्रा के हाई स्कूल मार्ग पर हाई मास्क एवं स्ट्रीट लाईट लग जाने से नगर की सुन्दरता बढ़ गई है। साथ ही यह भी कहा कि हर पंचायत में आवश्यकतानुसार बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करवाना हमारा लक्ष्य है। हम राजनीति में जनता की मांगों को पूरा करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए आये हैं और क्षेत्र का विकास करना पहली प्राथमिकता है। सरपंच अनीस खान ने अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि शनिवार को रामजीटोला में लाखों रूपयों की लागत से बनने वाली पानी टंकी के निर्माण कार्य के लिए विधायक महोदया के हस्ते भूमिपूजन एवं लालबर्रा के हाई स्कूल मार्ग पर हाई मास्क व स्ट्रीट लाईट एवं मंडी काम्पलेक्स के पीछे नवनिर्मित सभामंच का लोकार्पण किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि पंचायत में अनेक विकास कार्य पूर्व में किये गये है और अन्य विकास कार्य जारी है। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष मनीराम भोयर, विधायक प्रतिनिधि शैलेष केकती, सुमित स्वामी, झनकारसिंह उइके, मुस्कान कटारे, जैनूल, श्री सोनी, नितिन साखला, अनिल उइके, भूपेन्द्र कुमरे सहित अन्य ग्रामीणजन व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

कान्हा टाइगर रिजर्व में जंगली भैंसा पुनर्स्थापना कार्यक्रम का द्वितीय चरण सफल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश में विलुप्त हो चुकी जंगली भैंसा प्रजाति के पुनर्स्थापना अभियान के अंतर्गत कान्हा टाइगर रिजर्व में जंगली भैंसा पुनर्स्थापना कार्यक्रम का द्वितीय चरण सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कान्हा टाइगर रिजर्व के सुपखार परिक्षेत्र में आज 09 मई को चार जंगली भैंसों के दल को विशेष रूप से निर्मित बाड़े में सुरक्षित रूप से मुक्त किया गया।

इस अवसर पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्रीमती समिता राजोरा एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्री एल. कृष्णमूर्ति ने जंगली भैंसों को बाड़े में निर्मुक्त किया। कार्यक्रम में क्षेत्र संचालक कान्हा टाइगर रिजर्व रविंद्र मणि त्रिपाठी, उप संचालक (कोर) प्रकाश वर्मा, उप संचालक बफर सुश्री अमिथा के.बी., समस्त सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी एवं स्थानीय वन अमला उपस्थित रहा।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश के वन क्षेत्रों से जंगली भैंसा लगभग 150 वर्ष पूर्व विलुप्त हो चुके थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा से मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा जंगली भैंसा पुनर्स्थापना की विशेष योजना पर कार्य किया जा रहा है। इसके तहत कान्हा टाइगर रिजर्व के सुपखार क्षेत्र में, जहां पूर्व में जंगली भैंसों की उपस्थिति के प्रमाण मिले हैं, असम के काजीरंगा टाइगर रिजर्व से जंगली भैंसों को लाकर पुनर्स्थापित किया जा रहा है।

परियोजना के प्रथम चरण में 28 अप्रैल 2026 को चार जंगली भैंसों को सुपखार स्थित बाड़े में मुख्यमंत्री डा मोहन यादव द्वारा मुक्त किया गया था। द्वितीय चरण में चार और जंगली भैंसों के सफल आगमन के साथ अब तक कुल 8 जंगली भैंसे पुनर्स्थापित किए जा चुके हैं, जिनमें 2 नर एवं 6 मादा शामिल हैं। वन विभाग ने आगामी तीन वर्षों में कुल 50 जंगली भैंसों को पुन: स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

काजीरंगा टाइगर रिजर्व से कान्हा टाइगर रिजर्व तक लगभग 2220 किलोमीटर की दूरी विशेष वन्यजीव परिवहन वाहनों से सड़क मार्ग द्वारा तय की गई। इस दौरान दो वन्यजीव चिकित्सकों की टीम द्वारा लगातार स्वास्थ्य परीक्षण एवं निगरानी की गई। साथ ही एक सहायक संचालक एवं एक परिक्षेत्र अधिकारी ने पूरे अभियान का नेतृत्व किया। लगभग 72 घंटे की सतत यात्रा के बाद जंगली भैंसों को सुरक्षित रूप से कान्हा पहुंचाया गया।

यह पुनर्स्थापना कार्यक्रम मध्यप्रदेश में जैव विविधता संरक्षण एवं विलुप्तप्राय वन्यजीव प्रजातियों के पुनर्वास की दिशा में एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

वारासिवनी में सत्र २०२६ नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन

8 खण्डपीठों में 66 प्रकरणों का निराकरण कर 8060356 रूपयों की समझौता राशि प्राप्त की

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्रणेश कुमार प्राण व न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार को तहसील न्यायालय वारासिवनी में श्रीमती कविता इवनाती विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के नेतृत्व में वर्ष २०२६ की द्वितीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रात:१०.३० बजे व्यवहार न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, व विभिन्न विभागों के अधिकारीगण एवं अन्य कर्मचारीगण साथ ही पक्षकारों की उपस्थिति में विशेष न्यायाधीश पास्को एक्ट एवं अध्यक्ष, तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी श्रीमती कविता इवनाती के करकमलों के द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर पुष्प सुमन एवं प्रसाद अर्पित कर उद्घाटन किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत में, व्यवहार न्यायालय में कुल ८ खण्डपीठों का गठन किया गया, गठित खण्डपीठ जिसमें से खण्डपीठ क्रमांक १७ के पीठासीन अधिकारी जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संजयराज ठाकुर की खण्डपीठ से मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति संबंधी प्रकरणों के १ मामलों का निराकरण किया जाकर ४००००० रूपये के अवार्ड पारित किये गए। हिन्दू विवाह से संबंधित २ मामलों का निराकरण किया गया एवं निष्पादनवाद संबंधी २ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर ८०९००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल ५ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल ८४९००० रूपये के अवार्ड पारित किया जाकर समझौता राशि प्राप्त किये गए। खण्डपीठ क्रमांक १८ के पीठासीन अधिकारी जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्रीमती कविता इवनाती की खण्डपीठ से मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति संबंधी प्रकरणों के ३ मामलों का निराकरण किया जाकर ३३००००० रूपये के अवार्ड पारित किये गए। हिन्दू विवाह से संबंधित २ मामलों का निराकरण

किया गया एवं परक्राम्य लिखत अधिनियम से संबंधित २ मामलों का निराकरण किया जाकर ४००००० इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल ७ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल ३७००००० रूपये के अवार्ड पारित किये गए। खण्डपीठ क्रमांक १९ के पीठासीन अधिकारी कमलेश मीणा प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश की खण्डपीठ से आपराधिक शमनीय प्रकृति के ३ प्रकरण के साथ २३२००० रूपये की समझौता राशि एवं मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति से संबंधित ४ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर १४९०००० रूपये की अवार्ड राशि प्राप्त की गई। विद्युत संबंधी विवादों में ९ मामलों का निराकरण किया जाकर १४७८२६ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। हिन्दू विवाह से संबंधित २ मामलों का निराकरण किया गया। सिविल प्रकृति के १ मामले का निराकरण किया गया एवं अन्य प्रकृति के ३ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर ३२०००० रू. की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल २२ मामलों का निराकरण किया जाकर २१८९८२६ रूपये समझौता राशि के रूप में प्राप्त किये गए। खण्डपीठ क्रमांक २० के पीठासीन अधिकारी श्रीमती दिव्या सिंह, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, की खण्डपीठ में हिन्दू विवाह से संबंधित १ मामला एवं अन्य सिविल प्रकृति का १ प्रकरण निराकृत किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल २ प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक २१ के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी ऋषभ डॉनल सिंह के न्यायालय के द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति का ३ प्रकरण निराकृत किये गए एवं परक्रमाम्य लिखत अधिनियम के २ प्रकरण निराकृत हुए एवं १३६००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त हुई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल ५ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल १३६००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक २२ के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी, सुश्री अंकिता जैन के न्यायालय में आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के ८ प्रकरण का निराकरण किया गया, एवं धारा-१३८ के १ मामले का निराकरण किया गया। धारा १२५ के ३ मामले निराकृत हुये इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल १२ प्रकरणों का निराकरण किया गया। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक २३ के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रट प्रथम श्रेणी सुश्री नेहा बाथरी के न्यायलय में आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के २ प्रकरण का निराकरण किया गया एवं धारा १३८ के १ मामले का निराकरण किया जाकर ६००००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। घरेलू हिंसा से संबंधित ७ प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं सिविल प्रकृति के २ प्रकरण निराकृत किया जाकर ५३६००० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। अन्य सिविल प्रकृति का १ मामला निराकृत किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल १२ प्रकरणों का निराकरण किया जाकर ११३६००० रूपये की अवार्ड राशि प्राप्त की गई। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक २४ के पीठासीन अधिकारी, न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी नयन जैन के न्यायालय द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के ११ प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं धारा १३८ से संबंधित १ प्रकरण का निराकरण किया जाकर ४९५३० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। अन्य सिविल प्रकृति का १ मामला निराकृत हुआ। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल १३ प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं कुल ४९५३० रूपये की समझौता राशि प्राप्त हुई। कुल ८ खण्डपीठों में कुल ६६ प्रकरणों का निराकरण होकर ८०६०३५६ रूपयों की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार प्री-लिटिगेशन के प्रकरणों में बैंक के ऋण संबंधी मामलों में १७ का निराकरण किया जाकर १०६७७०० रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। प्रिलिटिगेशन प्रकरण में विद्युत अधिनियम के ६१ प्रकरण निराकृत हुये एवं कुल २३८४७९२ रू. की समझौता राशि की वसूली की गई। प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में नगर पालिका के द्वारा जलकर, सम्पत्तिकर एवं नजूल के कुल २८ प्रकरणों में समझौता होकर १६२३८६ लोक अदालत के माध्यम से प्राप्त की गई, इस प्रकार प्रीलिटिगेशन के कुल प्रकरणों में रूपये वसूल किये गए। इस प्रकार प्रीलिटिगेशन के कुल ४५ प्रकरणों में १२३००८६ रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई।

बिटोडी में गहराया जल संकट निजी ट्यूबवेल खनन से शासकीय बोर कोलेप्स

करीब १ किमी दूर से पानी लाने को मजबूर ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जनपद पंचायत खैरलांजी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बिटोडी इन दिनों भीषण जल संकट के दौर से गुजर रही है। पिछले करीब २० दिनों से गांव की नल जल योजना पूरी तरह ठप पड़ गई है,जिससे ग्रामीणों का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। हालात इतने खराब हैं कि गांव के करीब ६५ प्रतिशत हिस्से में पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंच पा रही है।

निजी लापरवाही बनी सरकारी संकट का कारण

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह पूरी समस्या एक निजी ट्यूबवेल खनन के कारण उत्पन्न हुई है। ग्रामीण चमरूलाल द्वारा अपने निजी स्थान पर ट्यूबवेल का खनन कराया जा रहा था जिसकी वजह से पास ही स्थित नल जल योजना का मुख्य शासकीय बोर कोलेप्स यानि धंस गया। शासकीय बोर खराब होने से पूरी पंचायत की पाइपलाइन सूखी पड़ी है। प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वर्तमान में चमरू लाल के ट्यूबवेल का अधिग्रहण तो कर लिया है। लेकिन तकनीकी दिक्कतों के कारण यह व्यवस्था ऊंट के मुंह में जीरे के समान साबित हो रही है। बिटोडी गांव की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि वहां मीठे पानी के जल स्रोत अत्यंत सीमित हैं। पूरे गांव में केवल पंचायत चौक स्थित हैंडपंप और नल जल योजना ही मीठे पानी के मुख्य साधन हैं। वर्तमान संकट के कारण पंचायत ने चौक पर सार्वजनिक नल तो लगा दिए हैं लेकिन दूर दराज के मोहल्लों में रहने वाले लोग सुबह से ही बर्तन लेकर १-१ किलोमीटर का पैदल सफर तय कर पानी भरने को मजबूर हैं। खारे पानी की समस्या के कारण ग्रामीण अन्य जल स्रोतों का उपयोग पीने के लिए नहीं कर पा रहे हैं। भीषण गर्मी और गिरते जल स्तर को देखते हुए जिले में बोरवेल खनन पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ऐसे में पंचायत के हाथ बंधे हुए हैं पंचायत प्रशासन के द्वारा जिला कलेक्टर को विशेष अनुमति के लिए आवेदन भेजा गया है। बीते तीन सप्ताह से पानी के लिए जद्दोजहद कर रहे ग्रामीणों में अब प्रशासन के प्रति रोष पनप रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि एक व्यक्ति की निजी लापरवाही की सजा पूरा गांव भुगत रहा है।

ग्राम की नल जल योजना कुछ दिनों से बंद पड़ी हुई है- तेजराम नगपुरे

पूर्व सरपंच तेजराम नगपुरे ने बताया कि ग्राम की नल जल योजना कुछ दिनों से बंद पड़ी हुई है। बोरवेल धस गया है पंचायत के द्वारा इस पर कुछ नहीं करने से हमारे द्वारा समस्त अधिकारियों को इसकी शिकायत की गई है। यह बहुत बड़ी समस्या है ६०० घर की बस्ती है सभी जगह खारा पानी है दूसरे तरफ मीठा पानी है जिस कारण से लोगों को पानी नहीं मिल रहा है। वर्ष २००६ में जब मैं सरपंच बना था पानी टंकी का निर्माण करवाया था तब से यह मीठा पानी लोगों को मिल रहा था परंतु पहली बार यह समस्या उत्पन्न हुई है। भीषण गर्मी का दौर चल रहा है पानी की हर किसी को जरूरत है जल्द से जल्द इसका सुधार होना चाहिए क्योंकि वर्तमान में लोग पानी के लिए भटक रहे हैं।

पानी की समस्या बनी हुई है मीठा पानी पूरे गांव में नहीं है सरपंच ने नल लगाए है- महेश पंचभैया

ग्रामीण महेश पंचभैया ने बताया कि नल जल की समस्या ऐसी है कि बोर से पानी आ रहा है परंतु वह पर्याप्त नहीं है। हमारे कन्हारटोला एवं ग्राम के विभिन्न चौक और मुख्य बस्ती में पर्याप्त पानी किसी को नहीं मिल रहा है। काफी समस्या बनी हुई है मीठा पानी पूरे गांव में नहीं है सरपंच ने नल लगाए हैं वहां पर लोगों की भीड़ लग रही है। १ किलोमीटर तक के लोग पानी लेने आते हैं इस संबंध में सरपंच से बात हुई है वह प्रयास भी कर रहे हैं। चार दिन में पूरा काम हो जाएगा कहते हैं पर हम यही चाहते हैं कि यह समस्या का जल्द निराकरण हो लोगों को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

प्रशासन बोर करने की अनुमति दे तो ग्राम में पानी की समस्या का समाधान हो जायेगा-कैलाश नगपुरे

सरपंच प्रतिनिधि कैलाश नगपुरे ने बताया कि ४ वर्ष पहले गड्ढे से पानी निकालते थे तो हमारी पत्नी जब सरपंच बनी तो उसे व्यवस्था में हमने सुधार किया है। अभी १७ अप्रैल को चमरू लाल ने अपने घर में बोर किया जिस कारण शासकीय बोर कोलेप्स हो गया। इसकी शिकायत हमने सभी अधिकारियों को की थी अधिकारियों के द्वारा निरीक्षण कर जांच भी की गई है। चमरू लाल ने बिना अनुमति का बोर किया था जो पंचायत को दे दिया गया है और उन्होंने शपथ पत्र भी लिख कर दिया है। उसमें मोटर डालकर लोगों को पानी देने का प्रयास कर रहे हैं पांच नल कनेक्शन निकाल दिए हैं फिर भी आधी समस्या का समाधान हो पाया है। शासन प्रशासन से मांग है कि वह हमें अनुमति दे ताकि बोर की मोटर को नीचे डालकर सुचारू पानी वितरण किया जा सके।

ग्राम में बिक रही कच्ची शराब को बंद करवाने ग्रामीणों ने विधायक पटेल को सौंपा ज्ञापन

पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर कच्ची शराब बेचने वालो पर कार्यवाही करने कहा है- विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम एकोड़ी के पुसुटोला और डंडूटोला में कच्ची शराब बेची जा रही है। इस पर ना ही पुलिस कार्यवाही कर रही है और ना ही आबकारी विभाग कार्यवाही कर रहा है। कुछ दिनों पूर्व पुलिस के द्वारा गांव गांव अभियान चलाकर अवैध शराब विक्रेताओं के खिलाफ कार्यवाही की थी। लेकिन कुछ दिन चली खानापूर्ति के बाद यह कार्यवाही अब ठंडे बस्ते में चली गई। वहीं शासन प्रशासन से परेशान ग्रामीणों ने गांव में निवासरत सभी के प्रयासों से गांव को शराब मुक्त करने का प्रयास कर रहे है। मगर ग्राम में मना करने के बावजूद कच्ची शराब बेचा जा रहा है। ग्राम में बिक रही शराब को बंद करवाने को लेकर ग्राम पुसुटोला के सैकड़ों ग्रामीण विधायक विवेक पटेल के जनसंपर्क कार्यालय पहुंचे और शराब बेचने वालो पर कार्यवाही करने की मांग की है।

विधायक विवेक पटेल ने कहा कि ग्राम में शराब बिकने के कारण गांव का माहौल खराब हो रहा है युवा पीढ़ी नशे की ओर जा रही है। गांव में शराब बिकने के चलते महिलाओं और बच्चों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है कुछ ग्राम में महिलाओं के एक जुट होने के कारण शराब बिकना बंद हो गई है। ग्राम पुसुटोला के सैकड़ों ग्रामीणों ने ग्राम के एक व्यक्ति की शिकायत की है कि उसके द्वारा अवैध कच्ची पक्की शराब बेची जा रही है। उसे शराब बेचने मना करने पर ग्रामीणों के कुछ लोगों द्वारा झूठी रिपोर्ट करवा दी है। मैने पुलिस अधिकारियों से चर्चा कर झूठी रिपोर्ट करवाने और शराब बेचने वालो पर कार्यवाही को कहा है।

नौकरी के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी अब जेल की सलाखों के पीछे

धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के दो आरोपी प्रीतम डहरवाल और रविशंकर कबीरे गये जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी का झांसा देकर लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह के विरुद्ध वारासिवनी पुलिस ने अपनी जांच पूरी करते हुए बड़ी सफलता अर्जित की है। मामले के दोनों मुख्य आरोपियों को पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने रिमांड के दौरान आरोपियों के पास से ठगी की गई राशि और महत्वपूर्ण दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

यह था पूरा मामला

वारासिवनी के वार्ड नंबर १ निवासी प्रीतम पिता शीतल प्रसाद डहरवाल ४६ वर्ष जो शंकर साव पटेल शासकीय महाविद्यालय में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी था। इसने महाविद्यालय में अपनी पैठ का गलत फायदा उठाया। जब कॉलेज में आउटसोर्सिंग के माध्यम से भर्ती प्रक्रिया शुरू हुई तो प्रीतम ने युवाओं को नौकरी लगवाने का लालच देकर लाखों रुपये वसूलना शुरू कर दिया। इस कार्य में उसका साथ रविशंकर कबीरे ३१ वर्ष निवासी ग्राम सिहारी थाना लांजी ने दिया।

पुलिस रिमांड में हुई महत्वपूर्ण बरामदगी

विवेचना अधिकारी और उनकी टीम ने आरोपियों को रिमांड पर लेकर सघन पूछताछ की। इस दौरान पुलिस को आरोपियों के पास से पीड़ितों से ठगी गई राशि के रुपये बरामद किए गए हैं। नौकरी के नाम पर इस्तेमाल किए गए विभिन्न फर्जी दस्तावेज और प्रमाण पत्र भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिए हैं जो न्यायालय में ठोस साक्ष्य बनेंगे।

कानूनी कार्यवाही और जेल दाखिला

पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर अपराध क्रमांक १८१/२६ दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता की धारा ३१८,४ और ३,५ के तहत कार्यवाही की है। प्रीतम डहरवाल को १ मई को और रविशंकर कबीरे को ४ मई को गिरफ्तार किया गया था। रिमांड के दौरान साक्ष्यों की बरामदगी के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

ठगी के शिकार अन्य युवाओं से अपील

पुलिस को अंदेशा है कि आरोपियों ने और भी कई युवाओं को अपनी जालसाजी का शिकार बनाया होगा। पुलिस प्रशासन ने अपील की है कि यदि कोई अन्य व्यक्ति भी इस ठगी का शिकार हुआ है तो वह प्रमाणों के साथ थाना वारासिवनी में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। इस त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र के युवाओं में विश्वास जागा है और फर्जी नौकरी दिलाने वाले गिरोहों के बीच हड़कंप मच गया है।

आजादी का मोल तो जान लिया, पर नागरिक होने का फर्ज कब सीखेंगे?

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में 10 मई की तारीख महज एक घटना नहीं, बल्कि एक हमारी चेतना के उदय का प्रतीक है। संयोग देखिए कि वर्ष 1857 के उस रविवार और आज के रविवार में एक अद्भुत समानता है - वही तारीख और वही दिन। लेकिन इस समानता के बीच समय का एक लंबा फासला है, जो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि जिस आजादी की नींव मेरठ की उन गलियों में रखी गई थी, उसे एक नागरिक के तौर पर हमने कितना समझा है। 10 मई 1857 की उस शाम मेरठ छावनी में जब भारतीय सैनिकों ने विद्रोह का बिगुल फूंका, तो वह केवल एक सैन्य बगावत नहीं थी। वह बरसों से दबे हुए उस गुस्से की आवाज थी, जो ब्रिटिश शासन के जुल्म और बेइज्जती के खिलाफ पनप रहा था। अक्सर कहा जाता है कि बगावत चर्बी वाले कारतूसों की वजह से हुई, लेकिन असल में यह लड़ाई अपनी मिट्टी और अपनी पहचान को बचाने की थी। सोचिए, उस दौर में न तो आज की तरह मोबाइल फोन थे और न ही इंटरनेट। उन सैनिकों के पास लड़ने के लिए न तो बहुत आधुनिक हथियार थे और न ही सुख-सुविधाएं। इसके बावजूद उन्होंने रोटी और कमल जैसे साधारण प्रतीकों के जरिए पूरे देश को जोड़ दिया। यह जुड़ाव इतना मजबूत था कि आज की इस सूचना क्रांति के दौर में भी वह एक मिसाल है। मेरठ से दिल्ली की ओर बढ़ने वाले उन क्रांतिकारियों के बीच धर्म, जाति या इलाके की कोई दीवार नहीं थी। उस वक्त उनके सामने सिर्फ एक ही लक्ष्य था - देश को गुलामी की जंजीरों से बाहर निकालना। हिंदू, मुस्लिम, सिख और ईसाई सैनिकों ने आपसी मतभेद भुलाकर कंधे से कंधा मिलाया और दिल्ली के तख्त को अपना नेतृत्व सौंपा। भारतीय एकता के उस सुनहरे दौर को आज के विखंडित होते समाज मे फिर से याद करने की बहुत जरूरत है। लेकिन जब हम आज के हालात में उस महान क्रांति को देखते हैं, तो कई कड़वी सच्चाईयां सामने आती हैं। आजादी मिले साढ़े सात दशक बीत चुके हैं, पर क्या हम वाकई एक जागरूक और चेतना संपन्न नागरिक बन पाए हैं? आज हमारे पास संविधान से मिले अधिकार तो हैं, परंतु हम उनके लिए लड़ना नहीं जानते और जब उन्हीं अधिकारों के साथ जुड़ी अपनी जिम्मेदारियों को निभाने की बात आती है, तो हम अक्सर मुंह फेर लेते हैं। आज के समय की सबसे बड़ी विडंबना यही है कि हम आजादी का मतलब सिर्फ बाधाओं से मुक्ति या अपनी मनमर्जी करना समझ बैठे हैं। हमें लगता है कि आजादी का मतलब है कि हमारे ऊपर कोई रोक-टोक न हो, जबकि असली आजादी खुद पर नियंत्रण रखने और अपने उत्तरदायित्वों को निभाने में है। सार्वजनिक जगहों पर गंदगी फैलाना, ट्रैफिक के नियमों को मजाक समझना और आपस में बढ़ती कड़वाहट - ये सब इस बात का प्रमाण हैं कि हमें अपने हक तो याद हैं, लेकिन हम अपने कर्तव्यों के मामले में बिल्कुल मौन हैं। हमें यह समझना होगा कि 10 मई की वह क्रांति केवल अंग्रेजों को देश से बाहर निकालने के लिए नहीं थी, बल्कि एक ऐसे स्वाभिमानी राष्ट्र के निर्माण के लिए थी जहाँ हर इंसान की इज्जत हो। तो खुद से पूछना चाहिए कि आज बतौर नागरिक हमारी वो इज्जत है, जिसके लिए हमारे पुरखे लड़े। क्या हम उन शहीदों के सपनों जैसा समाज बना पा रहे हैं? 10 मई का यह ऐतिहासिक दिन हमें केवल पुराने गौरव को याद करने का मौका नहीं देता, बल्कि हमें आगाह भी करता है। यह याद दिलाता है कि आजादी खैरात में मिली कोई चीज नहीं है, बल्कि यह एक साधना है जिसे हर नागरिक को अपने अच्छे आचरण से बचाकर रखना पड़ता है। अगर हम वाकई उन क्रांतिकारियों को सम्मान देना चाहते हैं, तो हमें अपनी आजादी को अनुशासन के साथ जीना होगा। जिस दिन हम अपनी नागरिक जिम्मेदारियों को अपने अधिकारों के बराबर खड़ा कर देंगे, उसी दिन 1857 की वह क्रांति सही मायने में सफल मानी जाएगी।

पृथ्वी की इस धरा पर माँ ईश्वर अल्लाह का रूप -मातृत्व प्रेम, त्याग और मानव सभ्यता की सबसे अनमोल धरोहर

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के आरंभ से लेकरआज के आधुनिक वैज्ञानिक युग तक यदि किसी रिश्ते को सबसे अधिक पवित्र,निस्वार्थ,अद्वितीय और ईश्वर तुल्य माना गया है,तो वह रिश्ता माँ और संतान का है।पृथ्वी पर विद्यमान करोड़ों जीवों और अनगिनत प्रजातियों में यदि कोई भावना सबसे अधिक स्वाभाविक, गहरी और आत्मिक है, तो वह मातृत्व है। एक माँ केवल जन्म देने वाली स्त्री नहीं होती, बल्कि वह वह शक्ति होती है जो अपने बच्चे के लिए स्वयं को पूर्णत: समर्पित कर देती है। संसार का हर रिश्ता किसी न किसी अपेक्षा पर आधारित हो सकता है, किंतु माँ का प्रेम ऐसा अमृत है जिसमें केवल त्याग, ममता,करुणा,संरक्षण और आशीर्वाद होता है। यही कारण है कि भारतीय संस्कृति में माँ को भगवान से भी ऊपर स्थान दिया गया है और कहा गया मातृ देवो भव: अर्थात् माँ देवता के समान है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मैं अगर अपनी ब्रह्मलीन माँ के साथ में अपनी सच्चाई बताऊं तो 20 नवंबर 2020, धनतेरस के दिन से मैं अपनी मां के प्यार से वंचित हो गया हूं क्योंकि इसी दिन मेरी आंखों के सामने मेरी माँ को साइलेंट अटैक आया था और मेरे नजरों के सामने, मेरे से बात करते हुए, मैन दुनियां से ओझल होते हुए अपनी आंखों से देखा था वह पल मैं जिंदगी में कभी नहीं भूल पाऊंगा और हमेशा सोचता हूं, चिट्ठी ना कोई संदेश ना जाने कौनसा देश जहां तुम चले गए, आज मैं कहता हूं कि माँ दिवस 10 मई 2026 को हे माँ ! तुम्हारे साथ माँ दिवस मनाना है, आओ इस लोक में या बुला लो परलोक में, इसीलिए ही कहता हूं जिनके पास माँ है वह जीवन में भाग्यशाली जीव है।जब कोई व्यक्ति अपने बचपन की स्मृतियों में लौटता है, तो उसे सबसे पहले माँ की गोद, उसकी थपकी, उसकी लोरी और उसका स्नेह याद आता है। बचपन में गिरने पर जो हाथ सबसे पहले सहारा देता है, वह माँ का होता है। भूख लगने से पहले जो चिंता करती है,वह माँ होती है। बच्चे की आंखों के आंसू देखकर जिसका हृदय कांप उठता है, वह माँ होती है। यही कारण है कि संसार का हर व्यक्ति अपने जीवन में चाहे जितनी भी ऊँचाइयाँ प्राप्त कर ले, लेकिन उसकी आत्मा के सबसे कोमल हिस्से में उसकी माँ बसती है। जिस व्यक्ति के जीवन में माँ का साया मौजूद है, वास्तव में वह इस पृथ्वी का सबसे भाग्यशाली व्यक्ति है, क्योंकि माँ की उपस्थिति केवल एक संबंध नहीं बल्कि ईश्वर की जीवंत व सटीक अनुभूति होती है। साथियों बात अगर हम मां के गहरे असीम प्यार को हम करीबी से महसूस कर सकते हैं इसको प्रैक्टिकल देखने की करें तो जिनके घर में छोटे दूध मुहें बच्चे हैं, तो हम देखेंगे की उस मां का अपने बच्चों पर कितना केयर रहता है।अपना पूरा समय वह बच्चों केलालन पोषण में लगा देती है, क्योंकि वह मां बच्चे के रोनें या नहीं सोने पर सारी रात आंखों में काटे डालकर जैसे तैसे बिता देता है। यह मैं इसलिए कह रहा हूं क्योंकि हमारे घर में अभी दो छोटे बच्चे हैं, कुमार और रुहान जिनकी परवरिश उनकी माएं कर रही है, तो एक मां और एक बच्चे की परवरिश की गहराई का एहसास मुझे होता है। मेरा मानना है कि जो मानवीय जीव अपनी मां का अपमान करते हैं उसे दुख देते हैं, घर से निकाल देते हैं या माँ की शान में कोई कृत्य करते हैं, तो उनसे बड़ा पापी इस पृथ्वी पर कोई नहीं है उनसे बड़ा कोई दुराचारी नहीं है, उनको इस योनि में उनके इस कृत्य का हजार गुणा फल जरुर मिलेगा ऐसा मेरा विश्वास है। मेरा मानना है कि हर व्यक्ति ने अपनी मां का सम्मान करते हुए मां दिवस 10 मई 2026 को पूरा दिन मां के साथ बिताना चाहिए,उसकी छत्रछाया में उसके चरणों में बैठकर उनसे वार्तालाप करना, खेलना हंसमुख मजाक कर उन्हें खुशी देना चाहिए,फिर बस माँ को और क्या चाहिए।अगर उसकी औलाद उनकोखुशियां देती है तो मां के मुख से ऐसी दुआएं निकलती है जो उन बच्चों का यह लोक तो क्या परलोक भी सवेरा हो जाता है। अपने बारे में मुझे ऐसा पूरा विश्वास है कि 10 मई 2026 को अदृश्य रूप से ही सही मेरी मां जरूर आएगी, क्योंकि मैंने मन से कह दिया है माँ तुम्हारे साथ मैं माँ दिवस मनाना चाहता हूं आ जाओ इस लोक में या फिर बुला लो परलोक में। चूंकि मां की गोद एक शरण स्थान है, जहां हमें सुकून मिलता है, सभी दुखों का इलाज होता है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे माँ धरती पर भगवान का रूप होती है माँ का स्थान हमारे जीवन में अद्वितीय होता है।साथियों बात अगर हम माँ के प्रेम की महानता को समझने की करें तो उसके लिए केवल मनुष्य समाज को देखना पर्याप्त नहीं है। यदि हम प्रकृति और जीव -जंतुओं के संसार का अवलोकन करें तो पाएंगे कि मातृत्व हर जीव की मूल प्रवृत्ति है। गाय अपने बछड़े के लिए चिंतित रहती है, पक्षी अपने बच्चों को पंखों के नीचे छिपाकर सुरक्षा देते हैं, बिल्ली अपने बच्चों को मुंह में उठाकर सुरक्षित स्थान तक ले जाती है और एक कुतिया अपने पिल्लों की रक्षा के लिए किसी भी खतरे से भिड़ जाती है। यदि कोई व्यक्ति किसी पशु के बच्चे को नुकसान पहुँचाने की कोशिश करे, तो उसकी माँ तुरंत आक्रमण कर देती है। यह केवल स्वभाव नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा दिया गया वह दिव्य भाव है जिसे मातृत्व कहा जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि माँ का प्रेम केवल इंसानों तक सीमित नहीं है, बल्कि समस्त सृष्टि में व्याप्त है।मानव जीवन में माँ का महत्व इसलिए भी सबसे अधिक है क्योंकि वह अपने बच्चे के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर देती है। एक माँ अपने बच्चे को नौ महीने तक अपने गर्भ में रखती है, असहनीय पीड़ा सहकर उसे जन्म देती है और उसके बाद अपना हर सुख त्यागकर उसकी परवरिश करती है। बच्चे की एक मुस्कान उसके सारे दुःख भुला देती है। बच्चा रातभर रोता रहे तो माँ अपनी नींद भूल जाती है। वह स्वयं भूखी रह सकती है, लेकिन अपने बच्चे को भूखा नहीं देख सकती। यही त्याग मातृत्व को ईश्वर के सबसे निकट ले जाता है। साथियों आज की आधुनिक दुनिया में जहां भौतिकता और स्वार्थ बढ़ता जा रहा है, वहाँ माँ का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है। तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस दौर में भी कोई मशीन माँ का स्थान नहीं ले सकती। दुनिया का सबसे महंगा उपहार भी माँ की गोद जैसी शांति नहीं दे सकता। एक माँ अपने बच्चों के लिए केवल पालनकर्ता नहीं होती, बल्कि वह उनकी पहली गुरु, पहली चिकित्सक, पहली मित्र और पहली मार्गदर्शक होती है। बच्चे के चरित्र निर्माण में माँ की सबसे बड़ी भूमिका होती है। वह अपने संस्कारों से समाज और राष्ट्र का भविष्य तैयार करती है। साथियों समाज में जब कभी नैतिक मूल्यों के पतन की चर्चा होती है, तो उसका एक बड़ा कारण परिवारों में मातृत्व और पारिवारिक संस्कारों का सटीक कमजोर होना भी माना जाता है। जिस समाज में माँ का सम्मान होता है, वह समाज उन्नत और संस्कारित होता है। लेकिन दुर्भाग्य से आधुनिक समय में कई स्थानों पर वृद्ध माताओं के साथ दुर्व्यवहार, उपेक्षा और अपमान की घटनाएँ भी सामने आती हैं। कुछ लोग अपनी ही माँ को बोझ समझने लगते हैं, उन्हें वृद्धाश्रम भेज देते हैं या मानसिक पीड़ा देते हैं। यह केवल सामाजिक पतन नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं का सबसे बड़ा अपराध है। जो व्यक्ति अपनी माँ का सम्मान नहीं कर सकता, वह वास्तव में किसी भी रिश्ते का सम्मान नहीं कर सकता। भारतीय संस्कृति सदैव यह संदेश देती रही है कि माँ के चरणों में स्वर्ग बसता है। माँ की सेवा केवल कर्तव्य नहीं बल्कि जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है। साथियों माँ के आशीर्वाद की शक्ति को दुनिया की हर संस्कृति ने स्वीकार किया है। भारत में माँ दुर्गा, माँ सरस्वती और माँ लक्ष्मी के रूप में नारी शक्ति की पूजा की जाती है। ईसाई परंपरा में मदर मैरी को करुणा और पवित्रता का प्रतीक माना गया है। इस्लाम में कहा गया है कि जन्नत माँ के कदमों के नीचे है। दुनिया की लगभग हर सभ्यता और धर्म ने माँ को सर्वोच्च सम्मान दिया है। यह दर्शाता है कि मातृत्व किसी एक समाज या संस्कृति की अवधारणा नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानवता का साझा सत्य है। साथियों मदर्स डे अर्थात मातृ दिवस इसी मातृत्व के सम्मान का वैश्विक प्रतीक है। हर वर्ष मई महीने के दूसरे रविवार को दुनिया के अनेक देशों में मदर्स डे मनाया जाता है। हालांकि माँ के लिए केवल एक दिन पर्याप्त नहीं हो सकता, क्योंकि माँ का महत्व वर्ष के 365 दिनों में हर क्षण बना रहता है। फिर भी यह दिन हमें अवसर देता है कि हम अपनी माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करें, उनके त्याग को याद करें और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे हमारे जीवन में कितनी महत्वपूर्ण हैं। साथियों मदर्स डे केवल उपहार देने का दिन नहीं है। यह दिन माँ के प्रति अपने प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता को व्यक्त करने का अवसर है। बहुत से लोग इस दिन अपनी माँ के साथ समय बिताते हैं, उन्हें भोजन पर ले जाते हैं, उपहार देते हैं या उन्हें धन्यवाद कहते हैं। लेकिन वास्तव में माँ को सबसे अधिक खुशी अपने बच्चों का प्रेम और सम्मान देखकर मिलती है। यदि कोई संतान अपनी माँ के साथ बैठकर कुछ पल हँस ले, उनसे बातें कर ले, उनका हाथ पकड़ ले और यह कह दे कि आप मेरे जीवन की सबसे बड़ी शक्ति हैं, तो वही माँ के लिए सबसे बड़ा उपहार होता है।

साथियों आज की व्यस्त जीवनशैली में लोग अपने परिवार के लिए समय निकालना भूलते जा रहे हैं। बच्चे करियर और सफलता की दौड़ में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि कई बार अपनी माँ की भावनाओं को समझ नहीं पाते। जबकि माँ का जीवन अपने बच्चों के इर्द-गिर्द ही घूमता है। वह वृद्ध हो जाए, कमजोर हो जाए, लेकिन उसके मन में अपने बच्चों के लिए चिंता कभी कम नहीं होती। इसलिए यह आवश्यक है कि हम केवल मदर्स डे पर ही नहीं बल्कि हर दिन अपनी माँ का सम्मान करें, उनका ख्याल रखें और उन्हें यह महसूस कराएँ कि वे अकेली नहीं हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती

पश्चिम बंगाल में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार हिंसा, हत्याओं, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने केवल राज्य की शांति को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत किया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, किंतु जब यह उत्सव हिंसा, भय और प्रतिशोध में बदल जाए तो यह केवल राजनीतिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत बन जाता है। बंगाल की ताजा हिंसक घटनाएं इसी चिंता को सामने लाती हैं। चुनाव के दौरान छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ था। लेकिन परिणामों की घोषणा के बाद जिस प्रकार राजनीतिक दलों के समर्थक एक-दूसरे के खिलाफ आक्रामक हुए, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब वैचारिक संघर्ष न रहकर प्रतिशोध और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती पें, कई लोगों की हत्याएं और विशेष रूप से सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक गंभीर बना दिया। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह क्यों बची रहनी चाहिए?

यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और वसुधैव कुटुम्बकम का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है। वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण-ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है।

दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देशों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया-दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है। सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है। यह प्रश्न गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि आखिर राजनीतिक दल हिंसा का सहारा क्यों लेते हैं? जबकि इतिहास गवाह है कि हिंसा कभी स्थायी समाधान नहीं देती। हिंसा केवल भय, अविश्वास और प्रतिशोध को जन्म देती है। जो दल हिंसा को हथियार बनाते हैं, वे अंतत: जनता की नजरों में अपना नैतिक अधिकार खो देते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, तोड़ना नहीं। आज भारत एक नए वैश्विक दौर में प्रवेश कर रहा है। दुनिया भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति, तकनीकी महाशक्ति और लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में देख रही है। वर्ष 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि एक ऐसे सभ्य और नैतिक राष्ट्र का निर्माण भी होना चाहिए जहां राजनीति का आधार अहिंसा, संवाद और संवेदनशीलता हो। यदि राजनीतिक दल नफरत, सांप्रदायिकता और हिंसा को अपना हथियार बनाए रखेंगे, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना रही है। गौतम बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य बताया, गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्य को चुनौती दी। यह वही भारत है जिसने दुनिया को यह सिखाया कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम और सह-अस्तित्व है। लेकिन आज राजनीतिक स्वार्थों और गैर-राजनीतिक आपराधिक तत्वों के कारण देश की छवि प्रभावित हो रही है। अपराधी मानसिकता के लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। वे दल बदलते रहते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल शक्ति और स्वार्थ की पूर्ति होता है। बंगाल की ताजा घटनाओं में भी ऐसे तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। समाधान केवल प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन में निहित है। सबसे पहले सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक रूप से हिंसा की निंदा करनी चाहिए और अपने कार्यकर्ताओं को संयम बरतने का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र प्रतिद्वंद्विता का नहीं, सह-अस्तित्व का नाम है। दूसरा, कानून व्यवस्था को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनानी होगी। किसी भी दल से जुड़े उपद्रवियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखकर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बढ़ानी होगी। तीसरा, राजनीति के अपराधीकरण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे लोगों को राजनीतिक दलों में प्रवेश ही न मिले जिनकी पृष्ठभूमि हिंसक और आपराधिक रही हो। राजनीतिक दलों को अपने भीतर नैतिक अनुशासन विकसित करना होगा। चौथा, समाज में लोकतांत्रिक शिक्षा और संवेदनशीलता का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। जब तक समाज स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक राजनीतिक हिंसा का अंत कठिन होगा।

बंगाल की ताजा हिंसा केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी है। यदि हमने समय रहते राजनीति को स्वस्थ मूल्यों की ओर नहीं मोड़ा, तो नफरत और हिंसा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती रहेंगी। आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी आत्मा को पहचाने। यह देश युद्ध और प्रतिशोध की नहीं, बल्कि शांति, सह-अस्तित्व और विश्वबंधुत्व की भूमि है। वसुधैव कुटुम्बकम केवल एक नारा नहीं, बल्कि भारत की सभ्यता का मूल दर्शन है। यदि राजनीति इस दर्शन से विमुख होगी, तो लोकतंत्र केवल सत्ता संघर्ष बनकर रह जाएगा। पश्चिम बंगाल को अब हिंसा और प्रतिशोध की राजनीति से बाहर निकलकर विकास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक समरसता की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। यही लोकतंत्र की गरिमा है, यही जनता की अपेक्षा है और यही विकसित भारत का मार्ग भी।

- ललित गर्ग

संस्कारों की जननी शिक्षा और समकालीन परिवर्तन की आवश्यकता

- कांतिलाल मांडोत

मानव जीवन का वास्तविक उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जित करना नहीं, बल्कि उस ज्ञान को जीवन में उतारकर स्वयं को एक श्रेष्ठ मनुष्य बनाना है। शिक्षा और संस्कार का संबंध इसी सत्य को प्रकट करता है। शिक्षा व्यक्ति को योग्य बनाती है, जबकि संस्कार उसे महान बनाते हैं। आज के समय में यह स्पष्ट दिखाई देता है कि शिक्षा का विस्तार तो हुआ है, परन्तु संस्कारों का क्षय भी उसी गति से बढ़ा है। यही कारण है कि समाज में विद्वान व्यक्तियों की कमी नहीं है, पर सुसंस्कृत व्यक्तियों की कमी अवश्य महसूस होती है। इस परिस्थिति में शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है।

संस्कार और शिक्षा के बीच का अंतर समझना आवश्यक है। शिक्षा एक बाहरी प्रक्रिया है, जो पुस्तकों, विद्यालयों और परीक्षाओं के माध्यम से प्राप्त

होती है, जबकि संस्कार आंतरिक प्रक्रिया है, जो परिवार, वातावरण और अनुभवों से विकसित होती है। एक व्यक्ति उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकता है, पर यदि उसमें विनम्रता, करुणा, सत्यनिष्ठा और कर्तव्यपरायणता जैसे गुण नहीं हैं, तो उसकी शिक्षा अधूरी मानी जाएगी। दूसरी ओर, एक अशिक्षित व्यक्ति भी अपने श्रेष्ठ संस्कारों के कारण समाज में सम्मानित स्थान प्राप्त कर सकता है।

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह केवल ज्ञान और कौशल पर केंद्रित हो गई है। विद्यालयों में बच्चों को परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए तैयार किया जाता है, न कि एक अच्छा नागरिक बनने के लिए। नैतिक शिक्षा, मानवता, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे विषय धीरे-धीरे शिक्षा से दूर होते जा रहे हैं। बच्चों पर पुस्तकों का भार इतना अधिक है कि उनके पास जीवन के मूल्यों को समझने का समय ही नहीं बचता। परिणामस्वरूप, वे प्रतिस्पर्धा में तो आगे बढ़ते हैं, पर जीवन के मूल उद्देश्य से भटक जाते हैं।

संस्कारों की नींव बचपन में ही रखी जाती है, और इसमें माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। विशेष रूप से माता का प्रभाव बच्चे के जीवन पर गहरा होता है। बचपन में जो आदतें और विचार बच्चे के मन में स्थापित होते हैं, वही आगे चलकर उसके व्यक्तित्व का आधार बनते हैं। इसलिए यदि प्रारंभिक अवस्था में ही बच्चों को अच्छे संस्कार दिए जाएं, तो वे जीवनभर उनका पालन करते हैं। परन्तु आज की व्यस्त जीवनशैली में माता-पिता बच्चों के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पाते, जिससे संस्कारों का अभाव बढ़ता जा रहा है।

विद्यालयों का दायित्व केवल शिक्षा देना नहीं, बल्कि संस्कारों का विकास करना भी है। शिक्षक केवल ज्ञान के प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक भी होते हैं। यदि शिक्षक अपने आचरण से बच्चों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करें, तो बच्चों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ता है। दुर्भाग्यवश, आज शिक्षा एक व्यवसाय बनती जा रही है, जहां शिक्षक और छात्र दोनों ही केवल परिणामों पर ध्यान देते हैं, न कि प्रक्रिया पर। इस प्रवृत्ति को बदलना अत्यंत आवश्यक है।

सरकार को शिक्षा में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। सबसे पहले, शिक्षा नीति में नैतिक और मूल्य आधारित शिक्षा को अनिवार्य बनाया जाना चाहिए। विद्यालयों में केवल सैद्धांतिक ज्ञान के बजाय जीवन कौशल, नैतिक शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम में ऐसे विषय शामिल किए जाएं, जो बच्चों को जीवन के वास्तविक पहलुओं से जोड़ें।

दूसरे, शिक्षकों के प्रशिक्षण में सुधार किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल विषय ज्ञान ही नहीं, बल्कि बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए भी प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। उन्हें यह सिखाया जाए कि वे बच्चों में अच्छे संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं। एक प्रेरणादायक शिक्षक ही एक सशक्त समाज का निर्माण कर सकता है।

तीसरे, शिक्षा प्रणाली को परीक्षा-केंद्रित होने से बचाना चाहिए। वर्तमान में बच्चों की योग्यता का आकलन केवल अंकों के आधार पर किया जाता है, जो उचित नहीं है। इसके स्थान पर समग्र मूल्यांकन प्रणाली अपनाई जानी चाहिए, जिसमें बच्चों के व्यवहार, नैतिकता और सामाजिक योगदान को भी महत्व दिया जाए।

चौथे, विद्यालयों में सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। खेल, कला, संगीत और सामाजिक सेवा जैसी गतिविधियाँ बच्चों के व्यक्तित्व को संतुलित बनाती हैं और उनमें सहयोग, अनुशासन और संवेदनशीलता जैसे गुण विकसित करती हैं। शिक्षा का उद्देश्य केवल मस्तिष्क का विकास नहीं, बल्कि हृदय का विकास भी होना चाहिए।

पांचवें, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षा सभी के लिए सुलभ और समान हो। आर्थिक असमानता के कारण कई बच्चे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। यदि सभी बच्चों को समान अवसर मिलेंगे, तो समाज में संतुलन और समरसता स्थापित होगी।

इसके अतिरिक्त, परिवार और समाज को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। माता-पिता को बच्चों के साथ समय बिताना चाहिए और उन्हें जीवन के मूल्यों से परिचित कराना चाहिए। समाज को भी ऐसे वातावरण का निर्माण करना चाहिए, जहां अच्छे संस्कारों को प्रोत्साहन मिले।

आज के बच्चे ही भविष्य के नागरिक हैं। यदि उनमें अच्छे संस्कार विकसित किए जाएं, तो वे एक सशक्त और नैतिक समाज का निर्माण कर सकते हैं। शिक्षा को केवल रोजगार का माध्यम न बनाकर, जीवन निर्माण का साधन बनाना होगा। इसके लिए सरकार, विद्यालय, शिक्षक और अभिभावक सभी को मिलकर प्रयास करना होगा।

अंतत: यही कहा जा सकता है कि शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। बिना संस्कार के शिक्षा अधूरी है और बिना शिक्षा के संस्कारों का विकास सीमित हो सकता है। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा को संस्कारों की जननी के रूप में पुन: स्थापित किया जाए। जब शिक्षा में नैतिकता, मानवता और जीवन मूल्यों का समावेश होगा, तभी एक आदर्श समाज का निर्माण संभव होगा।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते शनिवार को अनाज मंडी में चना बढ़त पर रहा। उड़द व मूंग में मजबूती रही। खाद्य तेलों में बाजार मजबूती के देखे गये। तिलहनों में सोयाबीन बढ़त पर रहा। किराना जिंसों में जीरा सुर्ख रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार लेवाली के चलते शनिवार को अनाज मंडी में चना बाजार बढ़त पर रहे। चना बढ़िया मालों में 5700-5750 रू. प्रति क्विंटल पर रहा। उड़द व मूंग में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में बाजार मुनाफे पर रहे। सोयाबीन में बढ़त रही। उधर, किराना जिंसों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4190-4250, खोपरा गोला 380-430, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-260, ऊंझा हल्का 265-275, बेस्ट 280-290, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बादान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (बनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाड़ा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारोली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2200-2250, (160) 2500-2550, (200) 2500-2550, (250) 2750-2800

तेल- सींगदाना 1580-1600, मुम्बई 1620, राजकोट तेलिया 2500, सोया साल्वेंट 1395-1400, सोया रिफाइंड 1465-1470, कपास्या 1435, धूलिया 1440, कड़ी 1440,

रात की धारणा- गुजरात तुज 1575, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1500,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7300-7500, रायड़ा 6300-6500, सोयाबीन 6500-6700, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5750, एवरेज 5500-5600, विशाल 5650-5700, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबुली चना डॉलर 7600-8700, काबुली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7600-7800, मूंग पुराना बोल्ड 8500-8800, एवरेज 7000-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-7100, एवरेज 6800-6900, हल्की 6600-6700, महाराष्ट्र सफेद 7100-7200, महाराष्ट्र लाल 7200-7400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडियम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2525, लोकवन एवरेज 2550-2600, बेस्ट 2700-3000, मालवराज 2450-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 2000-2025, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 340 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 250000, चाँदी (99) 249500, टंच 249000, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 151700,

एयर इंडिया घाटे वाले मार्गों पर कम करेगी उड़ानें

नई दिल्ली। एजेंसी। एयर इंडिया अपने कुछ मार्गों पर उड़ानों की संख्या कम करने या सेवाएं निलंबित करने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि हवाई क्षेत्र से जुड़ी बाधाओं और बढ़ती परिचालन लागत के कारण कई उड़ानें अब लाभदायक नहीं रह गई हैं या घाटे में चल रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र बंद होने, पश्चिम एशिया में संघर्ष और विमान ईंधन की कीमतों में तेज वृद्धि ने लंबी उड़ान अवधि के साथ मिलकर एयरलाइन की परिचालन लागत को काफी बढ़ा दिया है। इन प्रतिकूल परिस्थितियों के चलते कई अंतरराष्ट्रीय मार्ग अब लाभकारी नहीं रह गए हैं, जिससे उन पर संचालन घटाना आवश्यक हो गया है। कुछ मामलों में उड़ानों की आवृत्ति कम की जाएगी, जबकि अन्य पर सेवाएं पूरी तरह से रोकनी पड़ सकती हैं। लागत कम करने के प्रयासों के तहत एयरलाइन ने कर्मचारियों के लिए वार्षिक वेतनवृद्धि को कुछ समय के लिए स्थगित करने की घोषणा की है।

कच्चे तेल और भू-राजनीति ने तय की भारतीय शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार के लिए यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर की सवारी जैसा रहा। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और घरेलू चुनावी रुझानों ने बाजार की दिशा तय की। शुरुआती उत्साह, मध्य-सप्ताह की जोरदार तेजी और फिर अंत में मुनाफावसूली तथा बढ़ते तनाव के चलते आई गिरावट के बावजूद, प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने सप्ताह का समापन मामूली बढ़त के साथ किया, जो निवेशकों की सतर्कता और लचीलेपन दोनों को दर्शाता है। तेल और चुनावी रुझानों का असर सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में शानदार शुरुआत देखने को मिली। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी और अमेरिका-ईरान तनाव में कमी के शुरुआती संकेतों ने निवेशकों का उत्साह बढ़ाया। इसके साथ ही पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणामों के शुरुआती रुझानों से

मिले सकारात्मक संकेतों ने बाजार को और गति दी। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 800 अंकों से अधिक उछल गया और निफ्टी 24,240 के स्तर को पार कर गया। दिन के अंत में हालांकि आईटी और बैंक शेयरों में कुछ गिरावट दर्ज हुई, पर बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जहां सेंसेक्स 355.90 अंक बढ़कर 77,269.40 पर और निफ्टी 121.75 अंक चढ़कर 24,119.30 पर पहुंच गया। दूसरे दिन मुनाफावसूली और सतर्कता का रुख सोमवार की तेजी के बाद मंगलवार को बाजार में कमजोरी का रुख रहा। शुरुआती कारोबार में ही भारी मुनाफावसूली हावी रही, जिससे निवेशक सतर्कतापूर्ण रुख अपनाते दिखे। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 361.62 अंक गिरकर 76,907.78 के स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 134.90 अंकों की गिरावट के साथ 23,980.60 पर पहुंच गया। दिन का कारोबार खत्म होने पर, सेंसेक्स 251.61 अंक गिरकर 77,017.79 पर और निफ्टी 86.50 अंक गिरकर 24,032.80 पर बंद हुआ। वैश्विक संकेतों से मिली ताकत बुधवार का दिन निवेशकों के लिए बेहद शानदार साबित हुआ।

गूगल भारत में एआई और ड्रोन विनिर्माण में करेगा बड़ा निवेश-वैष्णव

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें बताया गया कि अमेरिकी प्रौद्योगिकी दिग्गज गूगल भारत में अपने कृत्रिम मेधा (एआई) बुनियादी ढांचे के विस्तार और सर्वर व ड्रोन के विनिर्माण में बड़े निवेश की संभावना तलाश रही है। यह कदम भारत को वैश्विक एआई हब बनाने की दिशा में एक अहम कड़ी है। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गूगल अधिकारियों के साथ बैठक के बाद सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि गूगल भारत में एआई बुनियादी ढांचे के साथ-साथ सर्वर और ड्रोन के विनिर्माण में निवेश के अवसर तलाश रही है। यह घोषणा विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में गूगल द्वारा अप्रैल में 15 अरब अमेरिकी डॉलर के एआई केंद्र की आधारशिला रखने के बाद हुई है। कंपनी भारत में पहले से ही सक्रिय है; वह फॉक्सकॉन और डिक्सन जैसी कंपनियों के साथ मिलकर अपने पिक्सल स्मार्टफोन का उत्पादन करती है। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2023 में एचपी के साथ साझेदारी में चेन्नई के पास क्रोमबुक्स का उत्पादन भी शुरू किया गया था। पिछले महीने, गूगल ने विशाखापत्तनम के तारलुवाड़ा में अपने क्लाउड इंडिया एआई डेटा सेंटर की भी आधारशिला रखी थी। यह मेगा परियोजना अदाणी कॉनेक्स और एयरटेल नेक्स्ट्रा के साथ साझेदारी में विकसित की जा रही है, जिसमें एक गीगावॉट क्षमता वाला हाइपरस्केल एआई डेटा सेंटर शामिल होगा। यह भारत में गूगल की बढ़ती उपस्थिति और निवेश प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

8वें वेतन आयोग से केंद्रीय कर्मचारियों का न्यूनतम बेसिक हो सकता है 69,000 रुपए

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है। 8वें वेतन आयोग की कवायद तेज हो गई है और आयोग की टीम ने देशभर में अपनी बैठकें लगभग पूरी कर ली हैं। इन बैठकों में कर्मचारियों की समस्याओं और उनकी मांगों को गहराई से समझा गया है। अब तक की चर्चाओं में जो सबसे अहम मांग उभरकर आई है, वह है फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाकर 3.83 करना और न्यूनतम मूल वेतन को मौजूदा 18,000 रुपये से सीधे 69,000 रुपये तक पहुंचाना। यदि आयोग इन मांगों को स्वीकार करते हुए अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपता है और ये लागू होती हैं, तो केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन में अभूतपूर्व वृद्धि देखने को मिलेगी। जानकारी के मुताबिक 8वें वेतन आयोग की टीम ने दिल्ली, पुणे और उत्तराखंड जैसे प्रमुख राज्यों में कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत बैठकें की हैं। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य कर्मचारियों के वेतन ढांचे में सुधार और उनकी वास्तविक आर्थिक जरूरतों को समझना था। इन संवादों के बाद अब आयोग अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप देने में जुटा है, जिसे जल्द ही केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा। अगर फिटमेंट फैक्टर 3.83 लागू होता है, तो कर्मचारियों की सैलरी में चौंकाने वाला इजाफा होगा। उदाहरण के लिए, वर्तमान में न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये है, जो 3.83 फिटमेंट फैक्टर के साथ बढ़कर सीधा 69,000 रुपये हो जाएगा। यह वृद्धि सभी स्तरों के कर्मचारियों पर लागू होगी। संभावित वेतन वृद्धि के कुछ उदाहरण- लेवल 1 (चपरासी, अटेंडेंट) का वेतन 18,000 रुपये से बढ़कर 69,000 रुपये हो सकता है, मिड लेवल पर लेवल 7 के कर्मचारी का वेतन 44,900 रुपये से बढ़कर 1.72 लाख रुपये तक पहुंच सकता है, उच्च स्तर के अधिकारियों, जैसे कि लेवल 13, का वेतन 1.23 लाख रुपये से बढ़कर 4.71 लाख रुपये और शीर्ष स्तर (लेवल 18) पर 2.50 लाख रुपये से बढ़कर 9.57 लाख रुपये तक हो सकता है।

मेष- मेष राशि के जातकों के लिए मई महीने की शुरुआत से लेकर मध्य का समय थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। इस दौरान मेष राशि के जातकों को अपने करियर और कारोबार के सिलसिले में काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है। कार्यों में मनचाहे फल न मिलने के कारण मन थोड़ा खिन्न रहेगा। माह के दूसरे सप्ताह में आपको सेहत के साथ अपने संबंधों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी।

वृषभ- वृषभ राशि के जातकों के लिए मई का महीना मिलेजुले फल देने वाला रहेगा। मई महीने की शुरुआत में आपको सौभाग्य का साथ अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पाएगा और इस दौरान सोचे हुए कार्यों को पूरा करने में दिक्कतें आ सकती है। इस दौरान नोकरीपेशा वर्ग को कार्यक्षेत्र में कामकाज की अधिकता रहेगी।

मिथुन- मिथुन राशि के जातकों के लिए मई का महीना शुभता और सौभाग्य को लिए है। इस महीने आप अपने करियर और कारोबार में अच्छी प्रगति एवं लाभ प्राप्त करेंगे। इस महीने आपका उत्साह एवं पराक्रम बढ़ा-चढ़ा रहेगा। आपके भीतर सकारात्मक विचारों की अधिकता रहेगी। परिणाम स्वरूप आप अपने काम को बेहतर तरीके से, समयबद्धतरीके से करने में कामयाब रहेंगे।

कर्क- कर्क राशि के जातकों के मई महीने के उत्तरार्ध का थोड़ा समय यदि दरकिनार कर दिया जाए तो पूरा महीना अत्यंत ही शुभ और लाभप्रद रहने वाला है। इस महीने में आपको माह की शुरुआत से ही कार्यों में शुभ फलों की प्राप्ति होगी। जैसे-जैसे महीना व्यतीत होगा, वैसे-वैसे तमाम तरह की समस्याओं का समाधान निकलेगा और आपको राहत की प्राप्ति होगी।

सिंह- सिंह राशि के जातकों के लिए मई महीने की शुरुआत शुभ और लाभप्रद कही जाएगी। इस दौरान आपको किसी बहुप्रतीक्षित शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। किसी बड़ी समस्या का समाधान निकल आने पर आप राहत महसूस करेंगे। मई महीने के पहले सप्ताह में आपको भाग्य का अपेक्षित सहयोग प्राप्त होगा। जिसके कारण आपके भीतर उत्साह और पराक्रम में वृद्धि होगी और आप अपने कार्य को पूरे मनोयोग के साथ करेंगे।

कन्या- कन्या राशि के जातकों के लिए मई महीने के दूसरे सप्ताह का थोड़ा समय यदि छोड़ दिया जाए तो पूरा महीना शुभ, सुखद और लाभप्रद कहा जाएगा। इस माह नौकरीपेशा लोगों के लिए करियर में तरक्की के बड़े अवसर प्राप्त होंगे। यदि आप अपनी नौकरी में बदलाव के लिए प्रयासरत हैं तो आपको अच्छे संस्थान से आफर आ सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए माह के पूर्वार्ध का समय अनुकूल कहा जाएगा।

तुला- तुला राशि के जातकों के लिए मई का महीना औसत फलदायी कहा जाएगा। इस माह आपको करियर और कारोबार से जुड़े फैसले बड़ी सूझबूझ से लेने होंगे। माह की शुरुआत हालांकि कामकाज की दृष्टि से शुभ साबित होगी। इस दौरान आपको परिश्रम का पूरा फल प्राप्त होगा, लेकिन सेहत और संबंध की दृष्टि से यह समय आपके लिए थोड़ा प्रतिकूल रह सकता है।

वृश्चिक- वृश्चिक राशि के जातकों के लिए मई का महीना काफी उतार-चढ़ाव लिए भरा रहने वाला है। इस माह सावधानी हटी दुर्घटना घटी का स्लोगन आपको हमेशा याद रखना है। नौकरीपेशा व्यक्ति हों या फिर व्यवसाय से जुड़े लोग, उन्हें अपने काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही या आलस्य से बचना होगा। मई महीने की शुरुआत में न सिर्फ कामकाज से जुड़ी दिक्कतें बल्कि परिवार के किसी बुजुर्ग सदस्य की खराब सेहत से मन चिंतित रहेगा।

धनु- धनु राशि के जातकों के लिए मई का महीना जीवन के नए अवसरों के द्वार खोलने वाला रहेगा। इस माह आपको भले ही कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़े लेकिन चीजें अंततः आपके पक्ष में आएंगी। आपको इस माह अपने करियर कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए कई बड़े अवसर प्राप्त होंगे। माह की शुरुआत में बेरोजगार लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। इस दौरान पारिवारिक मामले सुलझेंगे।

मकर- मकर राशि के जातकों के लिए मई का महीना मिश्रित फलदायी कहा जाएगा। इस माह आपको करियर कारोबार को लेकर कुछ परेशानियों से जूझना पड़ सकता हैं। मई महीने की शुरुआत में आपके विरोधी सक्रिय रहेंगे और आपके कामकाज में अड़ंगे डालने का प्रयास कर सकते हैं। कामकाज में आने वाली मुश्किलें और स्वजनों का साथ न मिल पाने के कारण आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।

कुंभ- कुंभ राशि के जातकों के लिए यह माह थोड़ा परिवर्तनकारी प्रतीत हो रहा है। आपको इस माह करियर कारोबार में बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों का अचानक से ट्रांस्फर या फिर जिम्मेदारियों में बदलाव संभव है। करियर कारोबार से जुड़े बदलाव कुछ चीजों को लेकर सही तो कुछ चीजों को लेकर प्रतिकूल साबित हो सकते हैं।

मीन- मीन राशि के जातकों के लिए यह महीना उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। इस माह की शुरुआत भले ही करियर कारोबार की दृष्टि से शुभता और सौभाग्य लिए हुए दिखाई पड़े लेकिन परिस्थितियां आपके लिए पूरी तरह से अनुकूल होने में समय लगेगा। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में अपने काम काज में सफलता पाने के लिए तमाम तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो इस दौरान भूलकर भी जोखिम भरे निवेश न करें।

शब्दजाल- 8254

शब्द जाल में सर्वाधिक जनसंख्या वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए, नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं।

चीन, भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया, ब्राजील, पाकिस्तान, बांगलादेश, रूस, नाइजीरिया, जापान.

ची	अ	मे	रि	का	पा	तू	फा	व	प	क
न	खु	क	प	इं	डो	ने	शि	या	इ	क
अ	दा	जा	ला	र	ग	स	द	ह	प	का
जी	ग	ल	पा	ब	दू	स	पा	ह	लि	ल
त	ना	अ	सी	न	जा	ला	कि	या	प	दे
आ	इ	इ	मो	व	प	वा	स्ता	ह	यु	बा
ग	जी	ल	ह	व	प	रि	न	व	प	ज
र	रि	भा	र	त	प	स	रा	ल	वि	ला
क	या	वा	तें	व	न	ज	जी	शा	जू	दे
र	ज	ल	प	व	सिं	ब्रा	ज़ी	अ	प	श
बां	स	ल	प	ठ	स	स	त्ता	प	क	र

शब्दजाल - 8253 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7198

ऊपर से नीचे:-

बायें से दायें:-

फिल्म वर्ग पहेली- 7197

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2026 वर्ष का 130 वा दिन। दिशाशूल पश्चिम ऋतु ग्रीष्म। विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948 मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) पक्ष कृष्ण तिथि अष्टमी 15.07 बजे को समाप्त। नक्षत्र धनिष्ठा 00.50 बजे रात्र को समाप्त।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक	
चर	07.23 से 08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक		चर	08.41 से 10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक		रोग	10.14 से 11.46 बजे तक	
काल	11.46 से 01.14 बजे तक		काल	11.46 से 01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सहयोग की भावना

महामना मदनमोहन मालवीय को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए धन की आवश्यकता थी। इसलिए वह समाज के संपन्न लोगों से मिलकर उनसे इस सत्कार्य में सहयोग की प्रार्थना करते थे। मालवीय जी के एक मित्र उन्हें इसके लिए एक बड़े व्यापारी के घर ले गए। आवाज देने पर सेठ जी ने बैठक का दरवाजा खोला और दोनों अतिथियों को बैठाया। उस वक्त शाम हो जाने के कारण अंधेरा छाने लगा था। बैठक में बिजली नहीं थी, इसलिए सेठ जी ने अपने छोटे बेटे को लालटेन जलाने को कहा। बेटा लालटेन और दियासलाई लेकर आया। उसने माचिस की एक तीली जलाई, परंतु लालटेन तक आते-आते बुझ गई। इस तरह उसने तीन तीलियां बर्बाद कर दीं। इस पर सेठ जी ने लड़के से नाराज होकर कहा, 'तुमने माचिस की तीन तीलियां बर्बाद कर दीं, कितने लापरवाह हो।' यह कहकर सेठ जी जब अंदर गए तो मालवीय जी ने अपने मित्र की ओर देखा, मानो कह रहे हों कि इस सेठ से कुछ पाने की आशा मत करो क्योंकि यह तो इतना कंजूस है कि माचिस की तीन तीलियां नष्ट हो जाने पर लड़के को डांटता है। संकेत में मित्र ने मालवीय जी से सहमति जताई और दोनों बैठक से बाहर निकले। इतने में सेठ जी आ गए। वह चकित होकर बोले, 'अरे! आप चल क्यों दिए? बैठिए, काम तो बताइए।' मालवीय जी के मित्र ने आने का प्रयोजन बताया। सेठ जी ने पचीस हजार रुपये निकालकर दे दिए। मालवीय जी ने सेठ जी से कहा, 'अभी आपने लड़के को माचिस की तीलियां नष्ट होने की वजह से डांटा, जबकि उनका मूल्य नहीं के बराबर है। लेकिन हमें आपने तुरंत पचीस हजार रुपये दे दिए?' सेठ जी हंसकर बोले, 'लापरवाही से छोटी से छोटी वस्तु को भी नष्ट नहीं करना चाहिए। लेकिन किसी शुभ कार्य में हजारों रुपये सहर्ष दे देने चाहिए।' दोनों बातें अपनी जगह ठीक हैं। इनमें कोई विरोध नहीं।'

सुडोकु नवताल- 7507 (★★★★★ कठिनतम)

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सुडोकु नवताल - 7506 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	6	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8722

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज,पताका-2
4. वहम,संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली,रिक्त-2
9. स्कूल,अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय,बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना,महीन करना-3
20. उष्ण,गर्म-3
22. वामन,विष्णु अवतार-3
24. परत,तह-2
26. खेती-2
27. अधर,होठ-2
28. ताऊ की पत्नी,बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर,अप्सरा-2
5. सूक्ति,वाणी,शब्द-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार,सितारा-2
10. रोचक,सुंदर,मनोहारी-5
11. शीतलता,मुठभेड़-2
13. सतरंगा,शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक,एकमात्र-3
15. हवस,कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर,विष-3
21. आनंदित,मनमौजी-2
22. मुनि,साधु-2
23. अच्छाई,सदाचार-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा,कीट-2

शब्द पहेली - 8721 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

कलेक्टर मृणाल मीना ने अधिकारियों की ली समीक्षा बैठक

कम प्रगति वाले कर्मचारियों लगाई फटकार

पद्मेश न्यूज। लांजी। जनपद पंचायत लांजी सभाकक्ष में शुक्रवार को कलेक्टर मृणाल मीना ने सभी विभागों के खंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लांजी में आयोजित बैठक में विधायक राजकुमार करहि भी शामिल हुए। जनपद पंचायत सभागार में आयोजित बैठकों में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जी.एस. धुर्वे, डी.पी. बर्मन, लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार, लांजी जनपद सीईओ अंकित सिंघई सहित सभी विभागों के जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में विधायक राजकुमार करहि ने अधिकारियों से आम जनता के साथ बेहतर व्यवहार रखने और शिकायतों से बचने की बात कही। उन्होंने ग्राम स्तर पर तैनात कर्मचारियों को सेवा भाव से कार्य करने के निर्देश दिए तथा प्रत्येक तीन माह में समीक्षा बैठक आयोजित करने की आवश्यकता जताई। साथ ही विधायक निधि एवं अन्य योजनाओं से स्वीकृत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने एएनएम, सीएमओ और अन्य कर्मचारियों की उपस्थिति ꠰सार्थक एप꠰ के माध्यम से दर्ज करने तथा उसी आधार पर वेतन आहरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को कार्यस्थल से ही लॉग-इन और लॉग-आउट करना होगा, जिससे समय और स्थान की जानकारी दर्ज हो सके। बैठक में सभी एएनएम एवं सीएचओ को गर्भवती माताओं का अनमोल पोर्टल पर पंजीयन कर चार बार एएनसी जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एएनसी पंजीयन में कम प्रगति पाए जाने पर लांजी विकासखंड के संबंधित एएनएम एवं सीएचओ को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं उपचार तथा 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के शाला पूर्व शिक्षा पंजीयन की समीक्षा करते हुए कम प्रगति वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को सात दिवस में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। सेम श्रेणी के कुपोषित बच्चों को एमोक्सिसिलिन दवा एवं फूड बास्केट उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। राजस्व विभाग की समीक्षा में फार्मर रजिस्ट्री कार्य में लापरवाही पाए जाने पर लांजी के पटवारी देवेंद्र शरणागत, कुलदीप नगपुरे, संजय कुमार पटले और रुखमणी बैगा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही एक सप्ताह में शत-प्रतिशत किसानों की फार्मर आईडी बनाने को कहा गया। पटवारियों को लैपटॉप अपडेट करने, खसरा बंटांकन और नक्शा तरमीम का कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा के दौरान लांजी की नक्सल प्रभावित ग्राम पंचायतों में रोजगार उपलब्ध कराने में लापरवाही पाए जाने पर घोटी, सर्रा, जुनेवानी, अंधियाटोला, नेवरवाही, कलपाथरी और चिचोली के ग्राम रोजगार सहायकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। पशु चिकित्सा विभाग की समीक्षा में क्षीरधारा योजना, कामधेनु योजना, एफएमडी टीकाकरण और नर पशुओं के बधियाकरण कार्य में कम प्रगति पाए जाने पर पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी यशवंत लिल्हारे, आकांक्षा करहि, सौरभ उईके और महेंद्र आसटकर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। उद्यानिकी विभाग की समीक्षा के दौरान अमेड़ा नर्सरी में मखाना खेती को बढ़ावा देने में अपेक्षित प्रयास नहीं करने पर संबंधित उद्यान विस्तार अधिकारी की एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए गए। बैठक में नल-जल योजनाओं और बिजली आपूर्ति की भी समीक्षा की गई। उप संचालक कृषि को निर्देश दिए गए कि धान कटाई करने वाले हार्वेस्टर में फसल अवशेष रोकने वाले आवश्यक अटैचमेंट अनिवार्य रूप से लगाए जाएं। वहीं लांजी एसडीएम को बिना अटैचमेंट वाले हार्वेस्टरों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

लांजी में नेशनल लोक अदालत- 32 प्रकरणों का निराकरण

साढ़े पांच लाख रुपये के अवार्ड पारित

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के मार्गदर्शन में शनिवार 9 मई 2026 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। व्यवहार न्यायालय कनिष्ठ खंड लांजी में आयोजित इस लोक अदालत में कुल 32 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण कर 5,89,492 रुपये (पांच लाख उनासी हजार चार सौ बानवे) के अवार्ड पारित किए गए। मुख्य न्यायाधिपति, मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर की अध्यक्षता में प्रातः 10 बजे वर्चुअल मोड के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का उद्घाटन हुआ। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला न्यायालय बालाघाट के प्रधान जिला न्यायाधीश व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण एवं न्यायाधीश व सचिव सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

तहसील न्यायालय लांजी में शानदार परिणाम

तहसील न्यायालय लांजी की खंडपीठ संख्या 16 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी प्रीतम शाह द्वारा कुल 79 राजीनामा योग्य प्रकरण रेफर किए गए थे। इनमें लड़ाई-झगड़े, मारपीट, भरण-पोषण, वाहन दुर्घटना क्षतिपूर्ति, पारिवारिक विवाद, वैवाहिक विवाद और चेक बाउंस जैसे मामले शामिल थे। इनमें से 8 प्रकरणों का सफल निराकरण कर 3,50,000 रुपये (तीन लाख पचास हजार) के अवार्ड पारित किए गए।

बैंक व विभागीय प्रीलिटिगेशन मामलों में भी जबरदस्त सफलता

बैंक, नगरपालिका, फाइनेंस कंपनियों और बीएसएनएल विभाग के 1085 प्रीलिटिगेशन प्रकरण रखे गए। इनमें से 24 प्रकरणों का निराकरण करते हुए 2,39,492 रुपये (दो लाख उनतालीस हजार चार सौ बानवे) के अवार्ड पारित किए गए।

कार्यक्रम में उपस्थिति

लोक अदालत के दौरान अधिवक्तागण, बैंक कर्मचारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, न्यायालयीन कर्मचारी, पक्षकार तथा तहसील विधिक सेवा समिति लांजी के पैरालीगल वॉलेंटियर बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मोहझरी में शादी की बारात में मारपीट

दो भाइयों को कड़े से सिर पर मारकर पहुंचाई चोट

पद्मेश न्यूज। लांजी। शादी की बारात में नाचते-कूदते समय छोटी सी बात पर चार युवकों ने दो भाइयों को बुरी तरह पीटा। हमलावरों ने हाथ में कड़ा पहन रखा था, जिससे दोनों भाइयों के सिर और माथे पर गहरी चोटें आईं। आरोपियों ने मारते-मारते जान से मारने की धमकी भी दी। मामले की रिपोर्ट थाना लांजी में दर्ज कर पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है। घटना 8 मई 2026 की रात करीब 10 बजे ग्राम मोहझरी की है। प्रार्थी ऋषभ कामड़े (23) पुत्र संतोष कामड़े, निवासी मोहझरी ने थाने में रिपोर्ट लिखाई कि गांव की बारात में शामिल था, बारात में नाच-कूद चल रहा था। ऋषभ कामड़े और उनका छोटा भाई सौरभ कामड़े भी अन्य युवकों के साथ नाच रहे थे। इसी दौरान प्रांजल जोशी ने ऋषभ को धक्का मार दिया। ऋषभ ने भी जवाब में धक्का मारा, जिस पर दोनों में थोड़ी देर विवाद हुआ, लेकिन गांव वालों ने शांत करा दिया। कुछ देर बाद जब दोनों भाई शादी के पंडाल में खाना खाने जा रहे थे, तभी प्रांजल जोशी आवेश में आकर उनके सामने आ खड़ा हुआ। उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब ऋषभ ने गालियां देने से मना किया तो प्रांजल जोशी ने उन पर हमला बोल दिया। हाथ में कड़ा पहने होने के कारण उसके मुक्कों से ऋषभ के सिर और माथे पर चोटें लग गईं।

भाई बचाने आया तो उस पर भी टूट पड़े

जब छोटा भाई सौरभ बीच बचाव करने पहुंचा, तो प्रांजल का दोस्त समीर रावते ने उसे भी हाथ-मुक्कों से मारना शुरू कर दिया। समीर के हाथ में भी कड़ा था, जिससे सौरभ के सिर पर भी गहरी चोट आई। इसी बीच प्रांजल के अन्य दोस्त दीपक अवसरे और सौरभ रावते भी दौड़कर आ गए। चारों युवकों ने मिलकर दोनों भाइयों को बुरी तरह पीटा। मारपीट करते हुए वे लगातार अश्लील गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 156/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 296(बी), 115(2), 351(3) और 3(5) के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसली, तीन युवक घायल

पद्मेश न्यूज। लांजी। वनांचल क्षेत्र के ग्राम केराटोला के समीप शनिवार 9 मई को एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गई, जिससे उस पर सवार तीन युवक गिरकर घायल हो गए। घटना सुबह लगभग 11.30 बजे की बताई जा रही है। दुर्घटना के बाद आसपास मौजूद राहगीरों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस को सूचना दी, जिसके बाद घायलों को सिविल अस्पताल लांजी लाकर भर्ती कराया गया। अस्पताल में तीनों का उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार घायल युवक ईंट बनाने का काम करते हैं। तीन-चार दिनों से मौसम खराब होने के कारण उनका काम बंद था। इसके चलते वे लांजी से अपने गांव दमोह की ओर एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि तीनों शराब के नशे में थे, जिसके कारण ग्राम केराटोला के पास मोटरसाइकिल चालक का नियंत्रण वाहन से हट गया और बाइक सड़क पर फिसल गई। घटना में घायल युवकों की पहचान नरेंद्र कुमार खुसरे, निवासी केंझटोला बिरसा, नान्हू मेरावी, निवासी दमोह, और साहिल धुर्वे, निवासी छापरटोला दमोह के रूप में हुई है। बताया गया है कि गिरने के बाद तीनों को गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उन्हें तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल सिविल अस्पताल लांजी में चिकित्सकों की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि तेज रफ्तार और नशे की हालत में वाहन चलाना इस दुर्घटना की प्रमुख वजह रही।

डीजे बंद कराने पर लकड़ी के डंडे से सिर फोड़ा, जान से मारने की दी धमकी

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम मोहझरी में शादी के कार्यक्रम से घर लौट रहे युवक को दो भाइयों ने जान से मारने की कोशिश की। डीजे बंद कराने पर गुस्साए दोनों भाइयों ने गाली-गलौज के बाद लकड़ी के डंडे से युवक के सिर पर इतना जोरदार वार किया कि सिर फट गया और खून बहने लगा। दोस्त बचाने पहुंचा तो उसे भी पीटा। आखिर में जान से मारने की धमकी देते हुए दोनों भाई चले गए।

घटना 9 मई की रात करीब 2 बजे की

प्रार्थी देवेश रावते पिता ओमकार रावते उम्र 30 वर्ष निवासी मोहझरी ने पुलिस में जानकारी देते हुए बताया कि वह प्राइवेट कंपनी में सर्वेयर का काम करता है। गांव में रमेश आठोड़े के घर शादी थी, जिसमें वह भी शामिल था। खाना खाते समय गांव के दीप उरकुड़े और उसके भाई कान्हा उरकुड़े डीजे पर नाचते हुए आपस में वाद-विवाद करने लगे। देवेश ने उन्हें समझाया और डीजे बंद करवा दिया, जिससे माहौल शांत हो गया। खाना खाकर वह अपने दोस्त अमन नाकतोड़े के साथ घर लौट रहा था। ग्राम की सेलर मशीन के पास पहुंचते ही दोनों भाई अचानक आ गए। अश्लील गालियां देते हुए कहा कि तूने डीजे बंद कराया था। जब देवेश ने उन्हें गालियां देने से मना किया तो दीप उरकुड़े ने हाथ में रखे लकड़ी के डंडे से देवेश के सिर पर जानलेवा वार कर दिया। वार इतना भीषण था कि सिर फट गया और खून बहने लगा। देवेश का दोस्त अमन बचाव के लिए आगे बढ़ा तो दोनों भाइयों ने उसे भी हाथों-मुक्कों से बुरी तरह मारा-पीटा। जाते-जाते दोनों ने देवेश को खुलेआम धमकी दी- दोबारा झगड़ा किया तो जान से खत्म कर देंगे। पुलिस ने सूचना के आधार पर अपराध क्रमांक 157/26 के तहत धारा 296(बी), 115(2), 351(3), 109(1) और 3(5) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया है।

वारी स्थित मां पांडरी पाठ मंदिर में 13 मई को होगा पंडित शिवम जी महाराज का भव्य आगमन

पद्मेश न्यूज। लांजी। धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए प्रसिद्ध लांजी क्षेत्र में वर्षभर विभिन्न धार्मिक आयोजन होते रहते हैं। इसी कड़ी में क्षेत्र के ग्राम वारी स्थित मां पांडरी पाठ मंदिर में 13 मई को भव्य धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। इस अवसर पर पंडित शिवम जी महाराज का मंदिर परिसर में भव्य आगमन होगा, जिसे लेकर श्रद्धालुओं और ग्रामीणों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। मंदिर समिति एवं आयोजकों द्वारा जय श्री राम और जय मां पांडरी के उद्घोष के साथ क्षेत्रभर में आमंत्रण दिया जा रहा है। आयोजन को लेकर विशेष तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है तथा भक्तों के स्वागत के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। बताया गया है कि मां पांडरी पाठ मंदिर क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पूजा-अर्चना करते हैं। विशेष बात यह है कि जिले में सर्वाधिक मनोकामना ज्योति कलश इसी मंदिर में स्थापित किए जाते हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि मां पांडरी के दरबार में सच्चे मन से मांगी गई मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कार्यक्रम के दौरान भक्तों को पंडित शिवम जी महाराज के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। आयोजन समिति ने क्षेत्र सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है।

कलेक्टर मीना ने वारी जलाशय का किया निरीक्षण

मत्स्य पालन को बढ़ावा देने अधिक संख्या में केज कल्चर लगाने के दिए निर्देश

पद्मेश न्यूज। लांजी। कलेक्टर मृणाल मीना ने शनिवार 09 मई को लांजी प्रवास के दौरान वारी जलाशय का निरीक्षण कर वहां संचालित मत्स्य पालन गतिविधियों एवं केज कल्चर व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मत्स्योद्योग विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पहले वारी जलाशय में अधिक संख्या में केज कल्चर स्थापित करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि वारी जलाशय में मत्स्य पालन की अपार संभावनाएं हैं। यदि बड़े स्तर पर केज कल्चर विकसित किए जाते हैं तो इससे स्थानीय लोगों को रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इच्छुक लोगों से आवेदन प्राप्त कर उन्हें इस योजना से जोड़ने की प्रक्रिया शीघ्र प्रारंभ की जाए। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, लांजी एसडीएम कमलचंद सिंहसार, सहायक संचालक मत्स्योद्योग सुश्री पूजा रोडगे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एनसीआरबी द्वारा जारी रिपोर्ट में एमपी की स्थिति चिंताजनक

एसटी के खिलाफ अपराध में देशभर में एमपी टॉप पर

- दहेज हत्या, पॉक्सो एक्ट के मामलो में प्रदेश टॉप-3 राज्यों में शामिल - किडनेपिंग और हत्या में चौथे नंबर पर

भोपाल। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी 'क्राइम इन इंडिया 2024' रिपोर्ट में एमपी की स्थिति चिंताजनक बताई गई है। प्रदेश जहां अनुसूचित जनजाति (एसटी) के खिलाफ अपराध के मामलों में देशभर में पहले नंबर पर है। वहीं दहेज हत्या और बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में भी प्रदेश टॉप-3 राज्यों में शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार अपहरण के मामलों में एमपी चौथे स्थान पर है। यहां हर दिन करीब 32 किडनेपिंग के मामले सामने आ रहे हैं। प्रदेश में हर तीन घंटे में दुष्कर्म का एक प्रकरण दर्ज हो रहा है। एनसीआरबी ने यह रिपोर्ट 6 मई को जारी की। इसमें 2024 में देशभर में हुए अपराधों के आंकड़े दिए गए हैं। यह रिपोर्ट सितंबर 2025 में आनी चाहिए थी, लेकिन इस बार मई 2026 में जारी की गई। रिपोर्ट में देरी की वजह आपराधिक आंकड़ों के सत्यापन और डेटा मिलान को बताया गया है।

- एसटी के खिलाफ अपराधो में पहले और एसी के मामलो में दूसरे नंबर पर

रिपोर्ट के अनुसार अनुसूचित जनजाति (एसट) वर्ग के खिलाफ अपराध के मामलों में मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर रहा। राज्य में एसटी वर्ग के खिलाफ 3,165 मामले दर्ज किए गए। अनुसूचित जाति (एसटी) वर्ग के खिलाफ अपराध के 7,765 मामलों के साथ एमपी देश में दूसरे स्थान पर रहा।

- दहेज हत्या में प्रदेश तीसरे नंबर पर

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2024 में प्रदेश में दहेज हत्या के 450 मामले दर्ज हुए। इनमें 232 मामले आईपीसी और 218 मामले बीएनएस की धाराओं के तहत दर्ज किए गए। दहेज हत्या के मामलों में एमपी तीसरे स्थान पर रहा। 2,038 मामलों के साथ उत्तर प्रदेश पहले और बिहार दूसरे स्थान पर रहा।

- अपहरण और हत्या के मामलों में चौथा स्थान

हत्या और अपहरण दोनों मामलों में मध्य प्रदेश देश में चौथे स्थान पर रहा। राज्य में हत्या के मामलों में लगातार कमी दर्ज की गई है। साल 2022 में हत्या जहां के 1,978 मामले सामने आए थे, वहीं 2023 में घटकर 1,832 रह गए। 2024 में 1,813 मामले दर्ज किए गए। वहीं किडनेपिंग के मामलों में प्रदेश में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई। 2022 में 10,409 मामले दर्ज हुए थे, जो 2023 में बढ़कर 11,768 हो गए। 2024 में यह आंकड़ा 11,847 तक पहुंच गया। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और राजस्थान के बाद मध्य प्रदेश चौथे स्थान पर रहा।

- महिला अपराध में एमपी चार सालो से पांचवें स्थान पर

मध्य प्रदेश महिला अपराध मे लगातार चौथे साल पांचवें स्थान पर रहा। यहां महिलाओं के खिलाफ 32,832 मामले दर्ज हुए। 2022 में 32,765 केस दर्ज किए गए थे, जो 2023 में घटकर 32,342 हुए। 2024 में राज्य में हर दिन औसतन 90 से ज्यादा महिलाओं से जुड़े अपराध दर्ज हुए।

- बच्चो के खिलाफ अपराधो में कमी आई

रिपोर्ट में राहत भरे आंकड़े भी सामने आये है। बच्चों के खिलाफ अपराध के मामलों में मध्य प्रदेश पिछले साल देश में पहले स्थान पर था, लेकिन इस बार राज्य तीसरे स्थान पर खिसक गया। एनसीआरबी के मुताबिक 2024 में बच्चों के खिलाफ अपराध के 21,908 मामले दर्ज किए गए। वहीं 2024 में एमपी में पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेन्स) के 3721 मामले दर्ज किए गए। इसमें मध्यप्रदेश चौथे नंबर पर रहा। तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 5320 केस दर्ज हुए। महाराष्ट्र में 4829 मामले सामने आए। उत्तरप्रदेश में 3671 केस दर्ज हुए।

कान्हा में 'जंगली भैंस' की वापसी से हो रहा प्रदेश का वन्य वैभव समृद्ध

'जंगली भैंस' पुनर्स्थापना कार्यक्रम के द्वितीय चरण का हुआ सफल संचालन

भोपाल । मध्यप्रदेश के वन्य जीव संरक्षण इतिहास में कान्हा टाइगर रिजर्व में 'जंगली भैंस' पुनर्स्थापना कार्यक्रम के द्वितीय चरण के सफल संचालन से नया अध्याय जुड़ गया। लगभग एक शताब्दी पूर्व प्रदेश के वनों से विलुप्त हो चुकी 'जंगली भैंस' प्रजाति की वापसी अब साकार हो रही है। कान्हा टाइगर रिजर्व, मंडला के सुपखार परिक्षेत्र में शुक्रवार को प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) श्रीमती समिता राजोरा एवं अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति ने 4 और जंगली भैंसों को विशेष रूप से निर्मित बाड़े में सफलतापूर्वक मुक्त किया। इस अवसर पर संचालक कान्हा टाइगर रिजर्व रविंद्र मणि त्रिपाठी, उप संचालक (कोर) प्रकाश वर्मा, उप संचालक (बफर) सुश्री अमिथा के.बी., समस्त सहायक संचालक, परिक्षेत्र अधिकारी एवं स्थानीय वन अमला उपस्थित रहा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में वन विभाग जैव विविधता संरक्षण और विलुप्तप्राय प्रजातियों के पुनर्वास के लिये विशेष अभियान चला रहा है। इसी के अंतर्गत असम के प्रसिद्ध काजीरंगा टाइगर रिजर्व से 'जंगली भैंस' को कान्हा के सुपखार क्षेत्र में पुनर्स्थापित किया जा रहा है। सुपखार वह क्षेत्र है, जहां ऐतिहासिक रूप से जंगली भैंसों की उपस्थिति होने के प्रमाण प्राप्त हुए हैं।

परियोजना के प्रथम चरण में 28 अप्रैल 2026 को 4 'जंगली भैंस' (1 नर और 3 मादा) को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुपखार स्थित विशेष बाड़े में मुक्त किया था। दूसरे चरण में 4 और जंगली भैंसों के आगमन के साथ कान्हा में इनकी संख्या बढ़कर 8 हो गई है। आगामी चरणों में भी परियोजना को और विस्तार दिया जाएगा। इससे प्रदेश में जंगली भैंसों की स्थायी और स्वस्थ आबादी विकसित होगी।

काजीरंगा टाइगर रिजर्व से कान्हा टाइगर रिजर्व तक लगभग 2,220 किलोमीटर की लंबी दूरी विशेष वन्यजीव परिवहन वाहनों से तय की गई। यात्रा के दौरान दो विशेषज्ञ वन्यजीव चिकित्सकों की टीम लगातार स्वास्थ्य परीक्षण और निगरानी करती रही। सहायक संचालक एवं परिक्षेत्र अधिकारी ने पूरे अभियान का नेतृत्व किया। यह अभियान लगभग 72 घंटे तक चला।

'जंगली भैंस' भारतीय वन्यजीव धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, साथ ही यह वन पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन में भी अहम भूमिका निभाता है। 'जंगली भैंस' की वापसी से कान्हा क्षेत्र की जैव विविधता और अधिक समृद्ध होगी और परियोजना देश में वन्यजीव पुनर्स्थापना के सफल मॉडल के रूप में स्थापित हो सकेगी।

मध्यप्रदेश, बाघ, चीता और गिद्ध संरक्षण जैसे अभियानों के लिए पहचान बना चुका है। 'जंगली भैंस' पुनर्स्थापना अभियान से वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि की ओर अग्रसर है।

देश का पहला 'रेयर अर्थ एवं टाइटेनियम थीम पार्क' भोपाल में

भोपाल। भोपाल के आचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में देश के पहले 'रेयर अर्थ एवं टाइटेनियम थीम पार्क' का उद्घाटन शनिवार को किया गया। इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) ने विकसित यह पार्क रक्षा, अंतरिक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और हरित ऊर्जा (ईवी) के लिए आवश्यक दुर्लभ खनिजों के स्वदेशी उत्पादन और रिसाइकिलिंग के लिए अनुसंधान को उद्योगों से जोड़ने वाला एक बड़ा केंद्र होगा। यह पार्क अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड (आईआरईएल) की ओर से स्थापित किया गया है। जो पूरी तरह एक लेबोरेट्री प्रोडक्ट की अवधारण पर काम करेगा। इस थीम पार्क का उद्देश्य देश में होने वाली साईंटफिक रिसर्च और इनोवेशन को सीधे उद्योगों तक पहुंचाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस रेयर अर्थ एवं टाइटेनियम थीम पार्क को इस तरह विकसित किया गया है कि इसमें भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र द्वारा विकसित तकनीकों और उनकी उपयोगिता को प्रदर्शित किया जाएगा। इस थीम पार्क का उद्देश्य रक्षा, अंतरिक्ष, इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वच्छ ऊर्जा जैसे प्रमुख क्षेत्रों के लिए जरुरी खनिजों का स्वदेशी उत्पादन करना। यहां लैंथनम, सेरियम और नियोडिमियम जैसी धातुओं के उत्पादन और पुरानी चुंबकों से रेयर अर्थ पुनर्चक्रण की सुविधाएं होंगी। बता दें यह भारत को रेयर अर्थ सामग्री के क्षेत्र में चीन पर निर्भरता कम करने में मदद करेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक दुर्लभ मृदा एवं टाइटेनियम क्षेत्रों में अत्याधुनिक तकनीकों एवं नवाचार उत्पादों का विकास एवं प्रदर्शन इसमें होगा। उच्च गुणवत्ता वाले औद्योगिक मानकों की स्थापना, जिससे तकनीकों की दक्षता, विश्वसनीयता एवं विस्तार को मदद मिलेगी।

अब आरआई, पटवारी, सुपरवाइजर भी रोक सकेंगे बाल विवाह

सरकार ने बनाया बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी

भोपाल। प्रदेश में बाल विवाह रोकने के लिए कलेक्टर एसडीएम की तरह अब राजस्व निरीक्षक, पटवारी और महिला बाल विकास की सुपरवाइजर को अपने क्षेत्र में कलेक्टर जैसे पॉवर मिल गए हैं। राज्य सरकार ने इन सभी को बाल विवाह के मामलों में सतर्क रहने और सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। महिला और बाल विकास विभाग ने इसके लिए गजट नोटिफिकेशन करके पटवारी, राजस्व निरीक्षक और सुपरवाइजर समेत अन्य अधिकारियों को कार्रवाई के लिए सक्षम प्राधिकारी घोषित किया है।

प्रदेश सरकार ने बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राज्य में राजधानी से लेकर ग्राम स्तर तक बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों की नियुक्ति संबंधी अधिसूचना जारी की है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार जिला स्तर पर कलेक्टर, अतिरिक्त कलेक्टर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी होंगे। वहीं अनुविभागीय स्तर पर एसडीएम, तहसील स्तर पर तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार को इसके लिए सक्षम अधिकारी घोषित किया गया है।

कलेक्टर, एसडीएम की तरह दिए पॉवर

विभाग ने कहा है कि इसके अलावा ब्लॉक स्तर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सेक्टर स्तर पर राजस्व विभाग के निरीक्षक तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के पर्यवेक्षकों को सक्षम अधिकारी बनाया गया है। इसके अलावा ग्राम स्तर पर पटवारी को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी बनाया गया है।

इसके अलावा शहरी इलाकों में नगर निगम, नगर पालिका परिषद और नगर परिषद क्षेत्रों में भी ऐसी ही व्यवस्था तय की गई है। नगर निगम क्षेत्र में जोनल अधिकारी, राजस्व अधिकारी, सहायक राजस्व अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, नगरपालिका क्षेत्र में मुख्य नगरपालिका अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक, स्वच्छता निरीक्षक और नगर परिषद क्षेत्र में मुख्य नगर परिषद अधिकारी, राजस्व निरीक्षक, राजस्व उपनिरीक्षक और स्वच्छता निरीक्षक को इसके लिए अधिकृत किया गया है।

पश्चिम बंगाल में सुशासन, सुरक्षा और विकास के नवयुग का हुआ शुभारंभ- मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के साथ ही सुशासन, सुरक्षा और विकास के एक नवयुग का आरंभ हो गया है। पश्चिम बंगाल अब सच्चे अर्थों में आमार सोनार बांग्ला बनेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी के नेतृत्व में यह राज्य अब अपने पुराने गौरव और वैभव को प्राप्त कर समग्र विकास, निवेश, सुशासन एवं जनकल्याण के नए-नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कोलकाता के ब्रिग्रेड परेड ग्राउंड में पश्चिम बंगाल की नवगठित राज्य सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, अन्य वरिष्ठ केन्द्रीय मंत्रीगण, एनडीए शासित विभिन्न राज्यों के विभिन्न मुख्यमंत्री एवं अतिविशिष्ट जनों की गरिमामय उपस्थिति में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में सुवेन्दु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल आर.एन. रवि ने सुवेन्दु अधिकारी को मुख्यमंत्री पद एवं नई सरकार के 5 अन्य मंत्रीगण को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पश्चिम बंगाल के नवनियुक्त मुख्यमंत्री सुवेन्दु अधिकारी को लोक कल्याण के इस नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पश्चिम बंगाल के विकास के लिए समर्पित मैदानी कार्यकर्ताओं एवं राज्य की जागरूक जनता को भी इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं हैं।

'23 जून 2025 से ये सस्पेंड चल रहे हैं, इन्हें बहाल कर दो'

90ए ब्रिज मामले में इंजीनियरों की बहाली को लेकर मंत्री ने नोटशीट पर लिखी टीप

भोपाल,। भोपाल के जिस 90 डिग्री एंगल वाले रेलवे ओवरब्रिज ने देशभर में मध्य प्रदेश की किरकिरी कराई थी अब उस मामले में सस्पेंड सभी 7 इंजीनियरों को बहाल कर दिया गया है। इनमें दो चीफ इंजीनियर भी शामिल हैं। खास बात यह है कि पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने बहाली वाली नोटशीट पर अपनी टीप भी लिखी है। इसमें लिखा कि '23 जून 2025 से ये सस्पेंड चल रहे हैं, इन्हें बहाल कर दो।' पूर्व में सस्पेंड होने के बाद दोनों तत्कालीन प्रभारी चीफ इंजीनियर ईएनसी ऑफिस में अटैच किए गए थे। बाकी इंजीनियर भोपाल में मैदानी ऑफिस में अटैच थे। बहाल होने के बाद सभी इंजीनियरों को ईएनसी ऑफिस में पदस्थ किया जाएगा।

मीडिया रिपोर्ट में विभागीय सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सस्पेंड 7 इंजीनियरों को पहले आरोप पत्र जारी हुए हैं। सभी ने जवाब पेश कर दिए हैं। इसमें डिजाइन विंग से जुड़े इंजीनियरों ने गलती नहीं मानी है, लिहाजा जवाब का परीक्षण करने के बाद उन्हें बिना किसी कार्यवाही के बहाल किया गया है। चीफ इंजीनियर संजय खांडे। डिजाइन के गलत अनुमोदन के मामले में कार्रवाई की गई। उपयंत्री उमाशंकर मिश्रा। बिना रेलवे की सहमति के ड्राइंग का अनुमोदन काम कराया। प्रभारी एसडीओ रवि शुक्ला इनके द्वारा भी कार्य कराने में गलती की गई है। प्रभारी ईई शबाना रज्जाक और सहायक यंत्री शानुल सक्सेना। इन्होंने रेलवे से सहमति बिना जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग का अनुमान किया था। चीफ इंजीलियर जीपी वर्मा आरओबी के निर्माण में त्रुटिपूर्ण कार्यवाही कराई।

प्रभारी ईई जावेद शकील जिस तरह से काम काम को लेकर भूमिका अदा करना थी, नहीं की।

सेवानिवृत्त प्रभारी अधीक्षण यंत्री एमपी सिंह सेवा में रहते इन्होंने डिजाइन का अनुमोदन किया। विभागीय जांच के आदेश के बाद अब अधिकारी की नियु?क्ति होगी। जो बयान साक्ष्य और जवाब का परीक्षण करेगा। इसमें 4 से 5 माह का वक्त लग सकता है। बहाली के आदेश में यह भी साफ किया गया है कि ?पीडब्ल्यूडी के ब्रिज डिवीजन में तत्कालीन प्रभारी ?चीफ इंजीनियर जीपी वर्मा, तत्कालीन एसडीओ रवि शुक्ला और तत्कालीन उपयंत्री ?उमाशंकर मिश्रा के बारे में साफ किया गया है कि ? उनकी पदस्थापना के साथ विभागीय जांच भी ?चलेगी। बाकी पर कोई विभागीय जांच नहीं होगी।

बता दें मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के ऐशबाग इलाके में बने 90 डिग्री मोड़ वाले रेलवे ओवरब्रिज का टर्निंग वाला हिस्सा फिर से बन रहा है। पीडब्ल्यूडी रेलवे के साथ मिलकर ब्रिज को रीडिजाइन कर रहा है। हालांकि, यह अब तक शुरू नहीं हो सका है। इस कारण हजारों लोग हर रोज परेशान झेल रहे हैं। मामला सामने आने के बाद पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने ही नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया से जांच करवाई थी। एनएचएआई ने ब्रिज को लेकर अपनी रिपोर्ट तैयार की थी, जिसमें 35-40 किमी प्रति घंटा से अधिक गति से गाड़ी नहीं चलाने का सुझाव दिया गया है। इससे अधिक स्पीड में गाड़ी चली तो हादसा होने का खतरा है।

पीडब्ल्यूडी का रेस्ट हाउस-सर्किट हाउस आरक्षण को लेकर नया आदेश

कलेक्टर-एसडीएम से अधिकार छीने, कहा-इन अफसरों ने कर रखा था अधिकारों पर अतिक्रमण

भोपाल । मध्यप्रदेश में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के रेस्ट हाउस और सर्किट हाउस के कक्षों के आरक्षण को लेकर नया आदेश जारी किया गया है। विभाग ने कलेक्टर और एसडीएम द्वारा आरक्षण प्रक्रिया में हस्तक्षेप पर आपत्ति जताते हुए इसे विभागीय अधिकारों पर अतिक्रमण माना है। इसके बाद आरक्षण संबंधी अधिकारों को लेकर नई व्यवस्था लागू की गई है। लोक निर्माण विभाग मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि राज्य शासन के अधीन आने वाले विश्राम भवनों और विश्राम गृहों के कक्षों के आरक्षण का अधिकार तय अधिकारियों के पास ही रहेगा। शासन ने यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया है।

आदेश के अनुसार राजधानी भोपाल स्थित विश्राम भवनों के आरक्षण का अधिकार राज्य सरकार के सत्कार अधिकारी को दिया गया है। वहीं भोपाल के सर्किट हाउस के कक्षों के आरक्षण की जिम्मेदारी कलेक्टर को सौंपी गई है।

इसके अलावा राजधानी के सभी रेस्ट हाउसों के आरक्षण का अधिकार लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता कार्यालय के मुख्य अभियंता के पास रहेगा। वहीं जिला मुख्यालय, तहसील स्तर और उससे नीचे स्थित विश्राम गृहों के आरक्षण का अधिकार संबंधित जिले के कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग को सौंपा गया है।

लोक निर्माण विभाग ने अपने आदेश में कहा है कि अन्य सभी पूर्व शर्तें यथावत लागू रहेंगी। विभाग का मानना है कि आरक्षण प्रक्रिया तय नियमों के तहत ही संचालित की जानी चाहिए, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था में स्पष्टता बनी रहे।

कांग्रेस किसानों के लिए लाठी भी खाएगी और अगर जेल भी जाना पड़ा तो 100 बार तैयार - उमंग सिंघार

मुबारक हो मेरे प्रदेश के किसानों...भाजपा सरकार आपसे डर गई है

भोपाल। विगत 7 मई को कांग्रेस द्वारा प्रदेश भर में किसानों की समस्याओं को लेकर किए गए प्रदर्शन और चक्काजाम में शामिल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ सरकार द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने को नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने सरकार का डर बताया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर लिखा है कि मुबारक हो मेरे प्रदेश के किसानों...भाजपा सरकार आपसे डर गई है। उन्होंने लिखा है कि कांग्रेस किसानों के लिए लाठी भी खाएगी और अगर जेल भी जाना पड़ा तो उमंग सिंघार 100 बार तैयार है। सिंघार ने लिखा है खलघाट सहित पूरे प्रदेश में किसानों के हक़ की आवाज़ उठी तो भाजपा ने समाधान नहीं, एफआईआर का रास्ता चुना।

मेरे नाम सहित कांग्रेस के कई विधायकों और सैंकड़ों नेताओं पर मुकदमे दर्ज कर दिए गए। क्या किसानों के लिए एमएसपी मांगना अपराध है?

क्या फसल बीमा, खाद-बीज और बिजली की बात करना गुनाह है?

सुन ले मोहन सरकार - कांग्रेस किसानों के लिए लाठी भी खाएगी और अगर जेल भी जाना पड़ा तो उमंग सिंघार 100 बार तैयार है

डर आपकी एफआईआर में दिख रहा है, किसानों की आवाज़ में नहीं।

अन्नदाता की लड़ाई अब और मजबूती से लड़ी जाएगी।

उन्होंने अंत में लिखा है जय किसान - जय किसान

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने बैतूल जिला कार्यालय में जिला बैठक एवं कोर कमेटी की बैठक को किया संबोधित

देश की जनता भाजपा पर भरोसा करती है, इस भरोसे को हमें बनाए रखना है

भोपाल/ बैतूल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को बैतूल जिला कार्यालय में जिला बैठक एवं कोर कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि विचारधारा के प्रति निष्ठा हमारे संगठन की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की जनता का भाजपा पर निरंतर भरोसा बढ़ा है। हम सभी कार्यकर्ताओं को जनता के इस भरोसे को इसी तरह बनाए रखने के लिए लगातार सेवोन्मुखी कार्य करना है। पार्टी कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण सतत चलने वाली प्रक्रिया है। संगठन की सफलता से कार्यकर्ताओं का सम्मान बढ़ता है। सतत संपर्क और संवाद के साथ संगठन के कार्यों के लिए समय देना हम सभी कार्यकर्ताओं का दायित्व है। बैठक को केंद्रीय मंत्री दुर्गादास उइके, मध्यप्रदेश शासन के मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व संभाग प्रभारी कांतदेव सिंह, जिला प्रभारी सुदर्शन गुप्ता एवं जिला अध्यक्ष सुधाकर पवार ने भी संबोधित किया।

संगठन को और बुलंदियों तक पहुंचाने कार्यकर्ता परिवार भाव से कार्य कर रहे

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि मध्यप्रदेश पार्टी संगठन के बताए अनुसार समय पर सभी बैठकें हम सभी कार्यकर्ताओं को सुनिश्चित करना है। संगठन को और बुलंदियों तक पहुंचाने के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता परिवार भाव से सक्रियता के साथ कार्य कर रहे हैं। बैतूल जिले में जिस तरह से समन्वय के साथ संगठन कार्य कर रहा है, वह अन्य जिलो के लिए भी प्रेरणा का कार्य करता है। मंडल स्तर की बैठक समय पर हो रही है। इनकी व्यवस्थित रिपोर्टिंग और कार्यकर्ताओं की निष्ठा से सभी कार्यक्रम सफल हुए हैं। आने वाले दिनों में होने वाले प्रशिक्षण वर्ग में संख्या अनुशासन और 100 प्रतिशत उपलब्धता से हम संगठन की आशाओं पर खरे उतरेंगे। प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन से लेकर समापन तक सर्वव्यापी, सर्व समावेशी और सर्वस्पर्शी अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण हमें प्रस्तुत करना है।

प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही सशक्त संगठन का सृजन करते हैं

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रशिक्षित कार्यकर्ता सशक्त संगठन का सृजन करते हैं। पार्टी कार्यकर्ता संगठन के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के जनकल्याणकारी व उल्लेखनीय कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। हमारे संगठन में प्रशिक्षण और सतत संवाद की प्रक्रिया है, जो हमें अन्य दलों से अलग बनाती है। प्रशिक्षण और सतत संवाद से ही हमारा दल आज दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बन चुका है।

बैठक में विधायक महेंद्र सिंह चौहान, चंद्रशेखर देशमुख, श्रीमती गंगाबाई उइके, पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता व विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत अध्यक्ष राजा पवार सहित जिला पदाधिकारी, मोर्चों के जिलाध्यक्ष, मंडल प्रभारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

चेन्नई और लखनऊ के बीच करो या मरो की जंग

- प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी सीएसके

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 अब अपने बेहद रोमांचक और निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। ऐसे में हर मुकाबला टीमों के लिए करो या मरो जैसा बन गया है। रविवार को पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स का सामना लखनऊ सुपर जाएंट्स से होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए यह मुकाबला बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि टीम को प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। अंक तालिका में फिलहाल छठे स्थान पर मौजूद चेन्नई की टीम अब कोई गलती करने के मूड में नहीं है। दूसरी ओर लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति और भी खराब है। टीम अंक तालिका में सबसे नीचे चल रही है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन इस सीजन काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टीम घरेलू और विदेशी दोनों मैदानों पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में सफल नहीं हो सकी। हालांकि चेपॉक में वापसी के बाद टीम को फिर से लय हासिल करने की उम्मीद है। बल्लेबाजी विभाग में काफी हद तक संजू सैमसन ने जिम्मेदारी संभाली है। उन्होंने कई मुकाबलों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम को जीत दिलाई। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की शानदार पारी खेली थी। वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी फॉर्म हासिल करने की कोशिश में जुटे हैं। मई की शुरुआत में उन्होंने लगातार दो अर्धशतक लगाकर वापसी के संकेत दिए थे। अब टीम को उनसे एक बड़ी कप्तानी पारी की उम्मीद रहेगी।

मध्यक्रम में डेवाल्ड ब्रेविस, शिवम दुबे, कार्तिक शर्मा और जेमी ओवरटन की भूमिका भी काफी महत्वपूर्ण रहने वाली है। वहीं महेंद्र सिंह धोनी की फिटनेस अब भी चर्चा का विषय बनी हुई है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले लगी पिंडली की चोट के कारण वह अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए हैं। हालांकि उन्होंने नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया है, लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी को लेकर अब भी संशय बना हुआ है। धोनी की गैरमौजूदगी ने टीम के अनुभव और फिनिशिंग क्षमता को प्रभावित किया है।

दूसरी तरफ लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए यह सीजन बेहद निराशाजनक रहा है। टीम ने 10 मुकाबलों में सिर्फ तीन जीत दर्ज की है। कप्तान ऋषभ पंत का बल्ला भी इस सीजन खामोश रहा है। हालांकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उन्होंने तूफानी पारी खेली थी, लेकिन निरंतरता की कमी साफ नजर आई। पिछले मुकाबले में मिचेल मार्श ने 56 गेंदों में 111 रन बनाकर टीम को शानदार जीत दिलाई थी। अब लखनऊ की टीम उसी आत्मविश्वास के साथ चेन्नई को चुनौती देने उतरेगी। गेंदबाजी में मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव, शाहबाज अहमद और दिग्वेश राठी पर टीम की बड़ी जिम्मेदारी रहने वाली है।

इटेलियन ओपन में बड़ा उलटफेर, युवा प्रिज़्मिक ने नोवाक जोकोविच को बाहर किया

रोम। इटेलियन ओपन 2026 में टेनिस जगत को बड़ा झटका लगा जब छह बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच दूसरे दौर में ही टूर्नामेंट से बाहर हो गए। क्रोएशिया के युवा खिलाड़ी डिनो प्रिज़्मिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनुभवी सर्बियाई स्टार को तीन सेटों तक चले मुकाबले में 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर सनसनी फैला दी। इस जीत के साथ प्रिज़्मिक ने टूर्नामेंट के अंतिम-32 में जगह बना ली और अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। मुकाबले की शुरुआत में ऐसा लग रहा था कि नोवाक जोकोविच आसानी से मैच पर कब्जा जमा लेंगे। पहले सेट में उन्होंने अपने अनुभव और क्लास का शानदार प्रदर्शन किया। बेहतरीन ड्रॉप शॉट, तेज फोरहैंड विनर्स और सटीक सर्विस की बदौलत जोकोविच ने शुरुआती सेट 6-2 से अपने नाम किया। उस समय प्रिज़्मिक दबाव में नजर आ रहे थे और जोकोविच पूरी तरह मैच पर नियंत्रण बनाए हुए थे। लेकिन दूसरे सेट से मुकाबले की तस्वीर पूरी तरह बदल गई।

दूसरे सेट में डिनो प्रिज़्मिक ने आक्रामक टेनिस खेलना शुरू किया। उन्होंने शुरुआत से ही जोकोविच पर दबाव बनाया और लगातार शानदार रिटर्न के दम पर तेजी से 4-0 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरी ओर जोकोविच की पहली सर्विस कमजोर पड़ने लगी, जिसका पूरा फायदा युवा क्रोएशियाई खिलाड़ी ने उठाया। प्रिज़्मिक ने दूसरे सेट को 6-2 से जीतकर मुकाबले में जोरदार वापसी की और जोकोविच को बैकफुट पर धकेल दिया।

तीसरे और निर्णायक सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला। हर अंक के लिए लंबी रैलियां चलीं और मुकाबला रोमांचक होता गया। हालांकि पांचवें गेम में प्रिज़्मिक ने महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल कर लिया, जो अंत में निर्णायक साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने संयम बनाए रखा और 6-4 से सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। युवा खिलाड़ी की इस जीत ने पूरे टेनिस जगत को चौंका दिया।

हार के बाद नोवाक जोकोविच ने स्वीकार किया कि वह अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर नहीं खेल सके। उन्होंने कहा कि उनका खेल बेहद खराब नहीं था, लेकिन वह कई मौकों पर आधा कदम पीछे रह गए। साथ ही उन्होंने डिनो प्रिज़्मिक की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि युवा खिलाड़ी ने बेहद उच्च स्तर का टेनिस खेला और खासकर उसके फोरहैंड में काफी सुधार देखने को मिला। अब टूर्नामेंट में सबकी निगाहें दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी यानिक सिनर पर होंगी, जो शनिवार को अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। वहीं महिला वर्ग में चीन की झेंग किनवेन का मुकाबला पूर्व फ्रेंच ओपन चैंपियन जेलेना ओस्टापेंको से होगा।

नाडा ने यशस्वी जायसवाल और शेफाली वर्मा को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी शेफाली वर्मा की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी यानी नाडा ने दोनों खिलाड़ियों को डोप टेस्ट के लिए तय स्थान पर मौजूद नहीं रहने के मामले में नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई वेयरअबाउट्स फेलियर नियम के तहत की गई है। दोनों क्रिकेटरों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया है और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को भी इस पूरे मामले की जानकारी दे दी गई है। नाडा के नियमों के अनुसार रजिस्टर्ड टेस्टिंग पूल में शामिल खिलाड़ियों को पहले से अपनी लोकेशन और एक निश्चित समय बताना होता है, ताकि आउट-ऑफ-कॉम्पिटिशन डोप टेस्टिंग के दौरान अधिकारी उनसे संपर्क कर सकें।

टीम इंडिया को मिलेगा नया स्पिन गुरु, सैराज बहुतुले जल्द संभाल सकते हैं बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की कोचिंग व्यवस्था में जल्द बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। मुंबई के पूर्व लेग स्पिनर सैराज बहुतुले जल्द ही भारतीय टीम के साथ स्पिन बॉलिंग कोच के रूप में जुड़ सकते हैं। फिलहाल वह आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के स्पिन बॉलिंग कोच की जिम्मेदारी निभा रहे हैं, लेकिन माना जा रहा है कि मौजूदा सीजन खत्म होने के बाद वह फ्रेंचाइजी से अलग हो जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक, बहुतुले ने अपने कोचिंग कौशल से भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को काफी प्रभावित किया है। दोनों के बीच इस भूमिका को लेकर सकारात्मक बातचीत हो चुकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनका कार्यकाल जून में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज से शुरू हो सकता है।

53 वर्षीय सैराज बहुतुले ने 2001 से 2003 के बीच भारत के लिए दो टेस्ट और आठ वनडे मुकाबले खेले थे। हालांकि अंतरराष्ट्रीय करियर लंबा नहीं रहा, लेकिन घरेलू क्रिकेट और कोचिंग में उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। खासतौर पर स्पिन गेंदबाजों के साथ उनके काम को काफी सराहा जाता है। यही वजह है कि गौतम गंभीर ने उन्हें टीम इंडिया के सपोर्ट स्टाफ में शामिल करने की सिफारिश की है। वर्तमान में भारतीय टीम की कोचिंग यूनिट में बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, तेज गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल, फील्डिंग कोच टी. दिलीप और सहायक कोच रयान टेन डेशकाटे शामिल हैं। अब तक टीम में कोई विशेषज्ञ स्पिन बॉलिंग कोच नहीं था, जिसे देखते हुए यह नियुक्ति अहम मानी जा रही है। बहुतुले इससे पहले भी भारतीय टीम के साथ काम कर चुके हैं। वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़े रहे हैं, जहां वीवीएस लक्ष्मण के नेतृत्व में उन्होंने कई युवा खिलाड़ियों के साथ काम किया। पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने भी 2023 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान उन्हें भारतीय टीम से जोड़ने की विशेष सिफारिश की थी। श्रीलंका दौरे पर भी वह सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा रह चुके हैं। आईपीएल 2026 से पहले सैराज बहुतुले पंजाब किंग्स से जुड़े थे, जहां वह मुख्य कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम कर रहे हैं। इससे पहले वह राजस्थान रॉयल्स में राहुल द्रविड़ के साथ भी कोचिंग भूमिका निभा चुके हैं। माना जा रहा है कि भारतीय टीम के साथ जुड़ने के लिए उन्हें पंजाब किंग्स का कार्यकाल समय से पहले छोड़ना पड़ सकता है। हालांकि, भारतीय टीम में योगदान देने के अवसर को देखते हुए फ्रेंचाइजी उनके रास्ते में रुकावट नहीं डालेगी। फिलहाल बहुतुले ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

आरसीबी और मुंबई के बीच हाईवोल्टेज मुकाबला, जीत की राह तलाशेगी बेंगलुरु

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच बेहद अहम मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मैच प्लेऑफ की रेस के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु जहां अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगी, वहीं मुंबई इंडियंस जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। सीजन की शुरुआत में लगातार चार मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन करने वाली बेंगलुरु की टीम अब पिछले पांच मैचों में तीन हार झेल चुकी है, जिससे टीम की लय प्रभावित हुई है। ऐसे में अब टीम पर दबाव बढ़ गया है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फिलहाल 10 मैचों में 12 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर मौजूद है, लेकिन लगातार हार ने टीम प्रबंधन की चिंता बढ़ा दी है। गुजरात टाइटंस के खिलाफ टीम बड़ा स्कोर खड़ा करने में नाकाम रही थी और केवल 155 रन बना सकी। वहीं लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ आखिरी ओवर में 19 रन की जरूरत होने के बावजूद टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई और उसे करीबी हार का सामना करना पड़ा। इन नतीजों ने साफ कर दिया है कि टीम की बल्लेबाजी इस समय सबसे बड़ी कमजोरी बन चुकी है।

एक बार फिर विराट कोहली पर टीम की बल्लेबाजी का पूरा दारोमदार रहेगा। अनुभवी बल्लेबाज विराट लगातार रन बना रहे हैं, लेकिन दूसरे बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे पा रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैकब बेथेल अब तक उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे हैं और लगातार छोटी पारियां खेलकर आउट हुए हैं। विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा का बल्ला भी इस सीजन शांत रहा है। ऐसे में मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों को जिम्मेदारी उठानी होगी।

दूसरी तरफ मुंबई इंडियंस की टीम शानदार लय में नजर आ रही है। पिछले मुकाबले में मुंबई ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 228 रन का विशाल लक्ष्य हासिल कर अपने इरादे साफ कर दिए थे। रोहित शर्मा ने चोट से वापसी करते हुए 44 गेंदों में 84 रन की तूफानी पारी खेली थी। अब एक बार फिर रोहित शर्मा और रयान रिकेल्टन की सलामी जोड़ी टीम को मजबूत शुरुआत देने की कोशिश करेगी। वहीं जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, कॉर्बिन बॉश और एएम गजनफर जैसे गेंदबाज बेंगलुरु के बल्लेबाजों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकते हैं।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या की फिटनेस भी चर्चा का विषय बनी हुई है। पीठ दर्द के कारण वह पिछले मुकाबले में नहीं खेल पाए थे। हालांकि अब वह टीम के साथ जुड़ चुके हैं, लेकिन अंतिम एकादश में उनकी वापसी फिटनेस रिपोर्ट पर निर्भर करेगी। ऐसे में यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए दबाव और रोमांच से भरपूर रहने वाला है।

आईपीएल के बीच अर्शदीप सिंह की व्लॉगिंग पर बीसीसीआई की रोक

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एक नए विवाद में घिर गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें सोशल मीडिया के लिए व्लॉगिंग बंद करने का निर्देश दिया है। यह कदम उनके टीम साथी युजवेंद्र चहल से जुड़े कथित ई-सिगरेट विवाद के बाद उठाया गया है। दरअसल, अर्शदीप सिंह के हालिया व्लॉग के एक हिस्से को लेकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा शुरू हो गई थी। यूजर्स ने दावा किया कि पंजाब किंग्स की टीम जब अहमदाबाद से हैदराबाद जा रही थी, तब फ्लाइट के अंदर युजवेंद्र चहल ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते दिखाई दिए।

हालांकि इस मामले में अब तक न तो खिलाड़ियों की ओर से और न ही फ्रेंचाइजी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान जारी किया गया है। सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई ने अर्शदीप सिंह को टूर्नामेंट के बाकी बचे मुकाबलों के दौरान किसी भी तरह के व्लॉग या बिहाइंड-द-सीन वीडियो पोस्ट करने से बचने को कहा है। बोर्ड नहीं चाहता कि ड्रेसिंग रूम या टीम के निजी माहौल से जुड़ी कोई ऐसी चीज सार्वजनिक हो, जिससे विवाद पैदा हो या लीग की छवि प्रभावित हो। आईपीएल 2026 में ई-सिगरेट से जुड़ा यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले रियान पराग भी विवादों में आ चुके हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान

ड्रेसिंग रूम में कथित तौर पर ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते कैमरे में नजर आए थे। इसके बाद उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था। इसी बीच बीसीसीआई ने शुक्रवार को सभी 10 आईपीएल फ्रेंचाइजियों के लिए सात पन्नों की नई गाइडलाइंस भी जारी की हैं। बोर्ड ने टीमों को लीग के दौरान संभावित 'हनी-ट्रैप' और सुरक्षा संबंधी खतरों को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि नियमों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए बिना पूर्व सूचना के सरप्राइज चेक भी किए जाएंगे।

निर्देशों के अनुसार, किसी भी खिलाड़ी या अधिकारी के होटल रूम में किसी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी, जब तक टीम मैनेजर को पहले से इसकी जानकारी न दी गई हो और अनुमति प्राप्त न की गई हो। टीम मैनेजरों को सभी अधिकृत मेहमानों के आने-जाने और होटल में उनकी गतिविधियों का रिकॉर्ड रखना अनिवार्य किया गया है। बीसीसीआई सचिव ने फ्रेंचाइजियों को भेजे संदेश में कहा है कि बोर्ड समय-समय पर इन निर्देशों के पालन की समीक्षा करेगा। बोर्ड ने यह भी साफ कर दिया है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और गंभीर मामलों में कानूनी प्रावधानों के तहत संज्ञेय अपराध भी दर्ज किया जा सकता है।

क्रूणाल पांड्या ने निकोलस पूरन संग विवाद पर तोड़ी चुप्पी, बोले- कोई लफड़ा नहीं, सिर्फ प्यार

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान हुई छोटी सी नोकझोंक ने सोशल मीडिया पर बड़ा चर्चा का विषय बना दिया था। मैच के दौरान निकोलस पूरन और क्रुणाल पांड्या के बीच मैदान पर हुई बहस का वीडियो वायरल होने के बाद फैंस दोनों खिलाड़ियों के रिश्ते को लेकर अटकलें लगाने लगे थे। अब इस पूरे मामले पर क्रुणाल पांड्या ने खुद सामने आकर सफाई दी है और बताया है कि दोनों खिलाड़ियों के बीच किसी तरह का विवाद नहीं है। क्रुणाल पांड्या ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर निकोलस पूरन के साथ एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि कोई लफड़ा नहीं, सिर्फ प्यार। उन्होंने साथ ही निकोलस पूरन को आईपीएल में 100 मैच पूरे करने पर बधाई भी दी। क्रुणाल ने मजाकिया अंदाज में पूरन से पूछा कि वैसे, बाउंसर कैसा था? इस पोस्ट के बाद निकोलस पूरन ने भी कमेंट करते हुए साफ कर दिया कि दोनों के बीच सबकुछ सामान्य है। पूरन ने लिखा, यहां सिर्फ प्यार है दोस्तों, वह मेरे सबसे अच्छे दोस्तों में से एक हैं।

दरअसल, यह पूरा मामला उस समय शुरू हुआ जब मैच के दौरान निकोलस पूरन बल्लेबाजी के लिए मैदान पर आए और क्रुणाल पांड्या ने उन्हें पहली ही गेंद पर तेज बाउंसर फेंकी। अगली गेंद पर पूरन ने एक रन लिया और नॉन-स्ट्राइकर एंड पर पहुंचने के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच कुछ बातचीत होती दिखाई दी। कैमरे में दोनों के हावभाव देखकर सोशल मीडिया पर इसे विवाद का रूप दे दिया गया। बाद में एक वीडियो सामने आया जिसमें पूरन मजाकिया अंदाज में क्रुणाल का कॉलर पकड़ते नजर आए। हालांकि इसके तुरंत बाद दोनों हंसते हुए बातचीत करते भी दिखाई दिए थे। क्रुणाल और पूरन की दोस्ती काफी पुरानी मानी जाती है। दोनों खिलाड़ी आईपीएल 2023 और 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए एक साथ खेल चुके हैं।

नेमार अब भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल - लियोनेल मेसी

ब्यूनस आयर्स। दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि वह आज भी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में शामिल हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार अगले महीने होने वाले फीफा वर्ल्ड कप में खेलते नजर आएंगे।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मेसी ने 'लो डेल पोलो शो' में बातचीत के दौरान कहा कि हर कोई चाहता है कि विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हिस्सा लें और नेमार हमेशा उन खिलाड़ियों में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि ब्राजील और फुटबॉल जगत के लिए नेमार का महत्व बहुत बड़ा है, इसलिए उन्हें विश्व कप में देखना शानदार होगा। मेसी ने स्वीकार किया कि नेमार के साथ उनकी गहरी दोस्ती के कारण वह इस मामले में पूरी तरह निष्पक्ष नहीं रह सकते। उन्होंने कहा कि नेमार उनके करीबी दोस्त हैं और वह चाहते हैं कि उनके साथ अच्छी चीजें हों, क्योंकि वह एक बेहतरीन इंसान हैं और इसके हकदार भी हैं। मेसी ने उम्मीद जताई कि नेमार पूरी तरह फिट होकर विश्व कप में वापसी करेंगे।

अर्जेंटीना के कप्तान ने नेमार के व्यक्तित्व की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि नेमार में एक अलग तरह का करिश्मा है और वह दिखावा नहीं करते। मेसी के अनुसार नेमार अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीते हैं और इस बात की ज्यादा चिंता नहीं करते कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। यही बात उन्हें बेहद स्वाभाविक और खास बनाती है। आठ बार बैलन डीओर जीत चुके मेसी ने यह भी माना कि अर्जेंटीना के लिए 2022 विश्व कप खिताब का बचाव करना आसान नहीं होगा। उन्होंने स्पेन, फ्रांस और ब्राजील को टूर्नामेंट की सबसे मजबूत टीमों में गिना। मेसी ने कहा कि विश्व कप हमेशा कठिन प्रतियोगिता होती है क्योंकि इसमें दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमें हिस्सा लेती हैं। उन्होंने माना कि अर्जेंटीना को उम्मीद जरूर रखनी चाहिए, लेकिन यह भी स्वीकार करना होगा कि कई टीमें बेहद मजबूत स्थिति में हैं।

नेमार और मेसी ने लंबे समय तक क्लब फुटबॉल में साथ खेला है। दोनों 2013 से 2017 तक एफसी बार्सिलोना के लिए खेले, जबकि 2021 से 2023 तक दोनों पेरिस सेंट-जर्मेन फुटबॉल क्लब में भी टीम साथी रहे। फिलहाल नेमार चोटों से जूझ रहे हैं। अपने बचपन के क्लब सांतोस फुटबॉल क्लब में वापसी के बाद से वह लगातार फिटनेस समस्याओं से परेशान रहे हैं। अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान उनके एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट में चोट लगी थी, जिसके बाद से वह ब्राजील की राष्ट्रीय टीम से बाहर चल रहे हैं।

ब्रूनो फर्नांडिस और खादिजा शॉ बने इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर, प्रतिष्ठित सम्मान पर जमाया कब्जा

लंदन। इंग्लैंड में खेल रहे फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए दिए जाने वाले प्रतिष्ठित फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन पुरस्कार में इस बार मैनचेस्टर यूनाइटेड के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस और मैनचेस्टर सिटी विमेंस की स्टार स्ट्राइकर खादिजा शॉ ने बाजी मारी है। पुरुष वर्ग में ब्रूनो फर्नांडिस को साल का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुना गया, जबकि महिला वर्ग में 'बनी' शॉ के नाम से मशहूर खादिजा शॉ ने लगातार दूसरी बार यह सम्मान हासिल कर इतिहास रच दिया। फुटबॉल जगत में इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि को बेहद खास माना जा रहा है। पुर्तगाल के स्टार मिडफील्डर ब्रूनो फर्नांडिस ने इस सीजन मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए शानदार प्रदर्शन किया। पूरे सीजन में उन्होंने गोल करने के साथ-साथ गोल बनवाने में भी अहम भूमिका निभाई और कुल 19 गोल योगदान के जरिए टीम को कई मुश्किल मुकाबलों में जीत दिलाई। क्लब के लिए यह सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा, लेकिन ब्रूनो लगातार टीम के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी साबित हुए। उनकी कप्तानी और शानदार नेतृत्व क्षमता ने मैनचेस्टर यूनाइटेड की यूरोपीय प्रतियोगिताओं में जगह बनाने की उम्मीदों को भी जिंदा रखा। यही वजह रही कि फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन के 900 से ज्यादा सदस्यों में से 45 प्रतिशत वोट ब्रूनो फर्नांडिस के पक्ष में पड़े। ब्रूनो ने इस पुरस्कार की दौड़ में इंग्लैंड के डेक्लान राइस और नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। वह 2010 में वेन रूनी के बाद यह सम्मान जीतने वाले मैनचेस्टर यूनाइटेड के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। यह पुरस्कार वर्ष 1947 से दिया जा रहा है और इसे दुनिया के सबसे पुराने व्यक्तिगत फुटबॉल सम्मानों में गिना जाता है।

केएल राहुल ने आईपीएल में रचा अनोखा इतिहास

नई दिल्ली। केएल राहुल ने आईपीएल 2026 में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले में राहुल ने आईपीएल इतिहास में नया रिकॉर्ड कायम किया। वह टूर्नामेंट के पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाए हैं। हालांकि इस मुकाबले में राहुल बड़ी पारी नहीं खेल सके और 23 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन उनकी यह छोटी पारी भी रिकॉर्ड बुक में दर्ज हो गई। राहुल अब तक पंजाब किंग्स के लिए 2548 रन, लखनऊ सुपर जाइन्ट के लिए 1410 रन और दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1002 रन बना चुके हैं। यह उपलब्धि अलग-अलग टीमों और भूमिकाओं में उनके लगातार शानदार प्रदर्शन को दर्शाती है।

राहुल का विकेट पारी के पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा। कार्तिक त्यागी ने धीमी गेंद डालकर उन्हें चकमा दिया। राहुल ने गेंद को कवर के ऊपर से इनसाइड-आउट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन वह गेंद की पिच तक पूरी तरह नहीं पहुंच पाए। गेंद बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की दिशा में हवा में चली गई, जहां कैमरुन ग्रीन ने शानदार कैच पकड़ लिया। भले ही राहुल जल्दी आउट हो गए, लेकिन उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के लिए एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वह फ्रेंचाइजी के लिए सबसे तेजी से 1000 रन पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने यह उपलब्धि केवल 23 पारियों में हासिल की। इससे पहले यह रिकॉर्ड जेपी डुमनी और रिषभ पंत के नाम था, जिन्होंने 35-35 पारियों में यह आंकड़ा छुआ था। राहुल अब आईपीएल इतिहास में किसी टीम के लिए सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में भी संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में सबसे ऊपर क्रिस गेल हैं, जिन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए सिर्फ 20 पारियों में 1000 रन पूरे किए थे। दूसरे स्थान पर शॉन मार्श हैं, जिन्होंने पंजाब के लिए 21 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। राहुल ने दिल्ली और पंजाब दोनों के लिए 23-23 पारियों में यह आंकड़ा छूकर अपनी निरंतरता साबित की है।

किसी एक टीम के लिए आईपीएल में 1000 रन बनाने के लिए सबसे कम पारियां

20 क्रिस गेल (आरसीबी)
21 शॉन मार्श (पंजाब किंग्स)
23 लेंडल सिमंस (एमआई)/ केएल राहुल (पंजाब किंग्स)/ केएल राहुल (डीसी)
24 डेवोन कॉनवे (सीएसके)
25 मैथ्यू हेडन (सीएसके)/ साई सुदर्शन (जीटी)

आईपीएल खिलाड़ियों के लिए बीसीसीआई के सख्त नियमों का ललित मोदी ने किया समर्थन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के संस्थापक ललित मोदी ने आईपीएल खिलाड़ियों के लिए बीसीसीआई द्वारा लागू किए जा रहे सख्त नियमों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि लीग की गरिमा और खिलाड़ियों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए यह कदम बेहद जरूरी था और बोर्ड ने सही दिशा में फैसला लिया है। ललित मोदी ने कहा कि आईपीएल हमेशा से अनुशासन, पारदर्शिता और पेशेवर माहौल पर आधारित रहा है। उन्होंने बोर्ड और उसकी भ्रष्टाचार-रोधी एवं सुरक्षा इकाई की संभावित सुरक्षा खतरों और हनी-ट्रैपिंग जैसी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सराहना की। मोदी के मुताबिक उन्होंने पिछले एक महीने के दौरान लगातार इस तरह की गतिविधियों से जुड़े खतरों को लेकर चेतावनी दी थी और अब बीसीसीआई द्वारा उठाया गया कदम खेल के भविष्य के लिए बेहतर साबित होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि बोर्ड ने आखिरकार इस मुद्दे को गंभीरता से लिया और अब सख्त निगरानी तथा नियंत्रण लागू किए जा रहे हैं। मोदी के अनुसार आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए खिलाड़ियों और टीमों के आसपास का माहौल पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रित होना जरूरी है।

हाल ही में रियान पराग से जुड़ा ई-सिगरेट विवाद भी चर्चा में रहा था। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग कथित तौर पर न्यू चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते कैमरे में दिखाई दिए थे।

देशभर में बारिश-आंधी का अलर्ट, कई राज्यों में भारी वर्षा की संभावना

नई दिल्ली। भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों तक मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा, जहाँ बारिश, गरज-चमक और तेज़ हवाओं के साथ कुछ जगहों पर ओलावृष्टि और भारी वर्षा की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 10 से 14 मई के बीच देश के विभिन्न हिस्सों के लिए यह चेतावनी जारी की है।

उत्तर भारत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 11 से 14 मई के दौरान बारिश और आंधी का पूर्वानुमान है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 12 से 14 मई, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश में 13 और 14 मई को गरज, बिजली और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-f ग ल f ग त - बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड के लिए 11 और 12 मई को 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे तक की गति और झोंकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुँचने वाली तेज़ हवाओं के साथ गरज की संभावना है। पूर्वी भारत में, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 9 और 12 मई को, तथा गांगेय पश्चिम बंगाल में 10 मई को 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान है। बिहार में 10 से 12 मई, ओडिशा में 9 से 12 मई और झारखंड में 10 से 14 मई के दौरान भी ऐसी ही स्थिति रहेगी। मध्य भारत में, मध्य प्रदेश में 9 मई को, विदर्भ में 10 मई को और छत्तीसगढ़ में 9 से 12 मई के दौरान गरज-चमक, बिजली और 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश में 9 मई को कुछ जगहों पर ओलावृष्टि भी हो सकती है। पूर्वोत्तर में, असम और मेघालय में 11 और 12 मई को; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में 9 से 10 मई और फिर 11-12 मई को; अरुणाचल प्रदेश में 12 मई को गरज-चमक और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होगी। अरुणाचल प्रदेश में 13-14 मई को और असम-मेघालय में 12-14 मई को भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत में भी मौसम खराब रहेगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, और लक्षद्वीप में 9 से 12 मई तक गरज-चमक और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आंधी चलने का अनुमान है। तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 8 से 12 मई के दौरान बारिश हो सकती है। कर्नाटक में 9 से 11 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में और 9 मई को तटीय कर्नाटक में भी गरज-चमक के साथ आंधी और तेज़ हवाएं चलेंगी। तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल, केरल, माहे और लक्षद्वीप में आगामी दिनों में तथा दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 8-9 मई को भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है।

लिपुलेख तनाव और बालेन शाह के रवैये के बीच टली भारतीय विदेश सचिव की नेपाल यात्रा

नई दिल्ली। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री की नेपाल यात्रा, जो 11 मई को दो दिवसीय दौरे पर काठमांडू के लिए निर्धारित थी, अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई है। आधिकारिक तौर पर इस स्थगन का कारण भारतीय पक्ष की व्यस्तता कहा जा रहा है, लेकिन अंदरूनी सूत्र नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह द्वारा मिस्री से मिलने से कथित इंकार और सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के बीच उपजे हालिया तनाव से जोड़ रहे हैं। विदेश सचिव मिस्री की यात्रा का मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली की ओर से नेपाल की नई बालेन सरकार के साथ जुड़ना और भविष्य की उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय वार्ताओं के लिए आधार तैयार करना था। विशेष रूप से, विदेश सचिव मिस्री प्रधानमंत्री शाह को भारत यात्रा का औपचारिक निमंत्रण देने वाले थे, जिसकी योजना मॉरीशस में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल और एस. जयशंकर के बीच हुई बातचीत में बनी थी। हालांकि, नेपाली सूत्रों के हवाले से बताया कि बालेन शाह ने मिस्री से मिलने से इंकार किया, जिससे इस महत्वपूर्ण दौरे में बाधा उत्पन्न हुई। इसके

अतिरिक्त, लिपुलेख ट्राईजंक्शन क्षेत्र पर भारत द्वारा कैलाश-मानसरोवर तीर्थयात्रा शुरू करने का नेपाल कड़ा विरोध कर रहा है, क्योंकि वह इसे अपना इलाका बताता है। यह मुद्दा दोनों देशों के संबंधों में तनाव बढ़ा रहा है और यात्रा स्थगन के पीछे एक और प्रमुख कारण माना जा रहा है। राजनयिक सूत्रों का मानना है कि इस स्थगन से दोनों देशों के संबंधों में कोई स्थायी टूट नहीं आएगी, बल्कि इसे नेपाल के नए नेतृत्व के तहत बदलती राजनीतिक गतिशीलता के एक हिस्से के तौर पर देखा जाना चाहिए। प्रधानमंत्री शाह के करीबी सूत्रों ने संकेत दिया है कि नेपाल वर्तमान में चुनिंदा जुड़ाव की नीति अपना रहा है, जिसके तहत वह भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकों से बच रहे हैं। भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों ने कहा कि नई दिल्ली नेपाल के साथ सकारात्मक और रचनात्मक रूप से जुड़ी हुई है। भारत नेपाल में अपनी फंडिंग से चल रही परियोजनाओं पर बारीकी से नजर रख रहा है और सहयोग के नए क्षेत्रों की पहचान कर रहा है। दोनों देश व्यापार, जल-बंटवारा, सुरक्षा सहयोग और सीमा प्रबंधन सहित विभिन्न रुके हुए द्विपक्षीय तंत्रों को फिर से सक्रिय करने पर भी काम कर रहे हैं, ताकि आपसी जुड़ाव को गति मिल सके।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत-पाकिस्तान के सुधरने जा रहे संबंध!

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के एक वर्ष बीत जाने के बाद, दोनों देशों के रिश्तों में जमी बर्फ को पिघलाने की एक नई और गोपनीय कोशिश शुरू हुई है। हालांकि दोनों देशों के बीच फिलहाल कोई आधिकारिक राजनयिक संपर्क नहीं है, लेकिन पर्दे के पीछे बातचीत का रास्ता खोलने की जिम्मेदारी सेना के सेवानिवृत्त जनरलों और पूर्व राजनयिकों ने संभाली है। रिपोर्टों के अनुसार, पिछले तीन महीनों में कतर और एशिया के एक अन्य देश की राजधानी में कम से कम दो बार गुप्त बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

यद्यपि ये मुलाकातें पूरी तरह अनौपचारिक हैं, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह संवाद की पहली ठोस कोशिश मानी जा रही है। भारतीय सरकारी हलकों में इस बात पर आम सहमति बनती दिख रही है कि इस्लामाबाद और रावलपिंडी के साथ संचार का एक गुप्त रास्ता खुला रहना चाहिए। इस पहल की जानकारी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कार्यालय और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को दे दी गई है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान की ओर से भी इस तरह की बातचीत को लेकर सकारात्मक इच्छा जताई गई है।

इस गुप्त वार्ता का मुख्य उद्देश्य भविष्य में किसी भी संभावित आतंकी हमले या आकस्मिक संकट की स्थिति में तनाव को अनियंत्रित होने से रोकना है। वर्तमान में दोनों देशों के बीच केवल सैन्य संचालन महानिदेशक स्तर पर साप्ताहिक हॉटलाइन ही एकमात्र जरिया है। भारत का मानना है कि इस तरह का बैक-चैनल संचार उसकी उस घोषित नीति का उल्लंघन नहीं करता, जिसमें कहा गया है कि आतंक और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते। इसे एक ऐसी आपातकालीन व्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है, जिससे संकट के समय सीधे नेतृत्व से संपर्क साधा जा सके।

इस संवाद की आवश्यकता के पीछे भू-राजनीतिक परिस्थितियां भी अहम हैं। वर्तमान में मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की स्थिति मजबूत हुई है और उन्हें अमेरिकी प्रशासन का समर्थन भी प्राप्त है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने के साथ-साथ भारत के लिए अपना स्वतंत्र संचार मार्ग रखना कूटनीतिक रूप से जरूरी है। गौरतलब है कि पाकिस्तान में हाल ही में लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद आसिम मलिक को नया एनएसए नियुक्त किया गया है, जो आईएसआई प्रमुख का पद भी संभाल रहे हैं। सैन्य और नागरिक शक्तियों के इस एकीकरण ने पाकिस्तान में सत्ता के केंद्र को स्पष्ट कर दिया है, जिससे भारत के लिए सीधे संवाद की आवश्यकता और बढ़ गई है।

डिंपल यादव की मांग- मतगणना की लाइव स्ट्रीमिंग हो

भाजपा पर साधा निशाना

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि आयोग पूरी तरह भारतीय जनता पार्टी के दबाव में काम कर रहा है। मैनपुरी स्थित सपा कार्यालय में पत्रकारों से रूबरू होते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में चुनाव आयोग पर भरोसा करना मुश्किल हो गया है क्योंकि उसकी कार्यप्रणाली एकतरफा और सत्ता पक्ष के अनुकूल नजर आ रही है।

डिंपल यादव ने पश्चिम बंगाल चुनाव के अनुभवों का हवाला देते हुए मांग की है कि उत्तर प्रदेश में होने वाली आगामी मतगणना प्रक्रिया का लाइव प्रसारण किया जाए। साथ ही, उन्होंने बंगाल चुनाव की मतगणना की फुटेज सार्वजनिक करने की भी मांग उठाई ताकि पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने बंगाल में सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का काम किया है। उनके अनुसार, कार्यकर्ताओं को घरों से निकलने से रोका गया और रात के समय पुलिस दबिश देकर दबाव बनाया गया। सांसद ने आशंका जताई कि भाजपा उत्तर प्रदेश में भी इसी तरह की रणनीति अपना सकती है। राज्य की कानून-व्यवस्था पर प्रहार करते हुए सपा सांसद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध और दुष्कर्म की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। उन्होंने तंज कसा कि जहां भी भाजपा की सरकारें हैं, वहां महिलाओं पर अत्याचार में वृद्धि हुई है। सपा और ममता बनर्जी के संबंधों पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सपा के दीदी के साथ हमेशा मधुर संबंध रहे हैं। आगामी चुनावी चुनौतियों पर उन्होंने स्पष्ट किया कि समाजवादी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता भाजपा की किसी भी रणनीति का डटकर मुकाबला करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कौन हैं माखन लाल सरकार.....जिनके मंच पर पीएम मोदी ने छुए पैर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पहली बार बन रही बीजेपी सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर एक बुजुर्ग को सम्मानित किया। पीएम मोदी ने इस बुजर्ग को झुककर प्रणाम किया। इसके बाद पीएम मोदी बुजुर्ग के पास पहुंचे और उनके पैर छुए। इसके बाद पीएम मोदी ने उन्हें गले लगा लिया। यह बुजुर्ग मंच पर अभिनेता और बीजेपी नेता मिथुन चक्रवर्ती के साथ बैठे हुए थे। पीएम मोदी ने जैसे ही बुजुर्ग को सम्मानित किया, वहां मौजूद पर सभी नेता तालियां बजाने लगे। यह बुजुर्ग कोई और नहीं पश्चिम बंगाल में बीजेपी के सबसे पुराने कार्यकर्ता माखन लाल सरकार हैं।

कौन हैं माखन लाल सरकार

माखन लाल सरकार की उम्र 98 साल है। वे सिलिगुड़ी निवासी हैं। वे बीजेपी पार्टी के संस्थापक रहे स्व. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सहयोगी रहे हैं। वे बीते कई सालों से बीजेपी के लिए काम कर रहे है और पश्चिम बंगाल में बीजेपी के सबसे पुराने कार्यकर्ता हैं। पीएम मोदी से मिले सम्मान से माखनलाल भावुक हो उठे। बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने वीडियो शेयर कर लिखा कि बीजेपी अपने वरिष्ठों और कार्यकर्ताओं का सम्मान कैसे करती है...मंच पर, पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल में बीजेपी के सबसे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं में से एक, माखनलाल सरकार का आशीर्वाद लिया। 98 वर्ष की आयु में भी, श्री सरकार आज़ादी के बाद के भारत में राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े शुरुआती ज़मीनी स्तर के नेताओं में से एक हैं। 1952 में, उन्हें कश्मीर में गिरफ्तार किया गया था, जब वे वहाँ भारतीय तिरंगा फहराने के आंदोलन के दौरान श्यामा प्रसाद मुखर्जी के साथ थे। 1980 में बीजेपी के गठन के बाद, वे पश्चिम दिनाजपुर, जलपाईगुड़ी और दार्जिलिंग ज़िलों के संगठनात्मक समन्वयक बने। सिर्फ एक साल के भीतर,

उन्होंने करीब 10,000 सदस्यों को पार्टी में शामिल करवाने में मदद की। 1981 से, उन्होंने लगातार सात वर्षों तक ज़िला अध्यक्ष के रूप में सेवा की, यह उस समय एक असाधारण उपलब्धि थी, जब आम तौर पर बीजेपी के नेता एक ही संगठनात्मक पद पर दो साल से ज़्यादा नहीं रह पाते थे।

क्षीर धारा ग्राम योजना के तहत लेंडेझरी में लगा बांझपन निवारण एवं पशु उपचार शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश शासन की महत्वाकांक्षी क्षीर धारा ग्राम योजना के अंतर्गत चयनित ग्राम लेंडेझरी में 9 मई 2026 को बांझपन निवारण एवं पशु उपचार शिविर तथा ग्राम सभा का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम की दुधारू गाय के विधिवत पूजन के साथ हुआ। पूजन ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती संध्या संजय बिसेन के करकमलों द्वारा संपन्न कराया गया। शिविर में पशुपालकों को आधुनिक पशुपालन तकनीकों एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। पशु चिकित्सकों ने बताया कि पशुओं को संतुलित एवं पौष्टिक आहार देने, उन्नत नस्ल के वीर्य से कृत्रिम गर्भाधान कराने, सेक्स सॉर्टेड सीमेन के माध्यम से बछिया

उत्पादन बढ़ाने, नियमित टीकाकरण एवं कृमिनाशक दवाइयों के उपयोग से पशुओं का स्वास्थ्य बेहतर रखा जा सकता है। इससे दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होने के साथ-साथ पशुपालकों की आय में भी बढ़ोतरी होगी।कार्यक्रम के दौरान पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयों का नि:शुल्क वितरण भी किया गया। पशुपालकों ने शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा विशेषज्ञों से पशुपालन संबंधी समस्याओं के समाधान प्राप्त किए।इस अवसर पर ग्राम पंचायत लेंडेझरी की जनपद सदस्य श्रीमती गीता बाबूलाल भगत, ग्राम पंचायत सचिव सूरज लाल शिव, पशु चिकित्सा विभाग से डॉ. नीलिमा मेश्राम (पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ), के.डी. माने (ए वी एफओ), तेजलाल बिसेन (पी टी एस), तुलसी चौहान (गौसेवक), सुरेंद्र राहांगडाले (गौसेवक) सहित बड़ी संख्या में पशुपालक उपस्थित रहे।

सरकार गठन में देरी : विजय समर्थक ने खुद को लगाई आग

चेन्नई,। तमिलनाडु में चुनाव के बाद नई सरकार के गठन का रास्ता अभी तक साफ नहीं हुआ है, इसके बाद दक्षिण के राज्य में राजनीतिक तनाव बढ़ता जा रहा है। विधानसभा चुनावों में टीवीके भले ही सबसे बड़ी पार्टी बनी है, लेकिन जादुई बहुमत के आंकड़े से 10 सीटें दूर है। स्पष्ट बहुमत और अन्य दलों से अभी तक स्पष्ट समर्थन न मिल पाने के कारण तमिलनाडु में सरकार गठन लगातार टल रहा है। इसी कारण, शनिवार को होने वाला थलपति विजय का संभावित शपथ ग्रहण समारोह रद्द हुआ है।

राज्य में सरकार न बन पाने की स्थिति में टीवीके प्रमुख सी. जोसेफ विजय के समर्थकों में गहरा रोष देखा जा रहा है। इसके चलते शनिवार को चौंकाने वाली घटना सामने आई। इसकियप्पन नामक 40 वर्षीय युवक ने कथित तौर पर स्वयं को आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसे इसकियप्पन को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि वह विजय के मुख्यमंत्री बनने में हो रही देरी से बेहद नाराज और भावुक थे। जानकारी के मुताबिक, चार महीने पहले भी इसकियप्पन ने विजय के मुख्यमंत्री बनने की कामना करते हुए अपने चेहरे में 16 फीट लंबा 'वेल' (भाला) आर-पार किया था, जो उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दिखाता है। तमिलनाडु में सरकार गठन को लेकर बढ़ते तनाव के बीच, तमिलिसाई सौंदरराजन ने टीवीके प्रमुख थलपति विजय से शांति बनाए रखने की अपील करने का आग्रह किया है। तमिलिसाई ने कहा कि तमिलनाडु में हर व्यक्ति नई सरकार के गठन को लेकर भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है और लोग चाहते हैं कि बनने वाली सरकार स्थिर हो। उन्होंने कहा कि जनता के जनादेश का सम्मान किया जा रहा है और इसी वजह से सरकार गठन के लिए कई मौके दिए जा रहे हैं।

रीवा में पदस्थ बड़वानी के सिपाही ने खंडवा में की आत्महत्या

खंडवा। रीवा में पदस्थ एक पुलिस कांस्टेबल अनसिंग ने इंदौर रोड पर पेड़ से फांसी लगाकर आत्महत्या की। बड़वानी के मौरनी गांव का निवासी अनसिंग पांच दिन पहले अपने गांव जाने के लिए निकला था, लेकिन घर नहीं पहुंचा था। शुक्रवार सुबह राहगीरों ने उसका शव देखा, इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। अनसिंग के पास मिले दस्तावेजों से उसकी पहचान रीवा के गढ़ थाने में तैनात कांस्टेबल के रूप में हुई। पांच अप्रैल की शाम को रीवा से निकलने के बाद से वह लापता था। परिजनों ने लगातार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उसका मोबाइल बंद आ रहा था। गुरुवार रात करीब 11 बजे उसने अपने चचेरे भाई, जो खरगोन में एसआई हैं, को संदेश किया मैं बहुत परेशान हूं, जिसके बाद उसका फोन फिर बंद हो गया। सूचना मिलने पर दोपहर में बड़वानी से परिजन खंडवा पहुंचे। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मर्ग कायम कर आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। अनसिंग के बड़े भाई धूम सिंग ने बताया कि मंगलवार को उनकी आखिरी बात हुई थी, तब अनसिंग ने लेन-देन को लेकर परेशान होने की बात कही थी। हालांकि, नहीं बताया था कि किस लेन-देन को लेकर परेशानी थी।

अनसिंग चार साल पहले सिपाही बना था और हाल ही में उसकी जुलवानिया की पिंकी से सगाई हुई थी, जिससे वह कॉलेज में साथ पढ़ा था। परिजन के अनुसार, अनसिंग इस सगाई को लेकर खुश था। परिवार में मां बदली बाई, दो भाई प्रेम और धूम सिंग, और दो बहनें हैं। पिता का देहांत दस साल पहले हो चुका था। देर शाम परिजन शव लेकर गृहग्राम मोरानी के लिए रवाना हुए, जहां रात में ही अंतिम संस्कार किया गया।

जल अभावग्रस्त बालाघाट में अवैध बोरवेल उत्खनन पर प्रशासन सख्त

किरनापुर के ग्राम सेवती में बोरवेल मशीन जप्त-दो लोगों पर मामला दर्ज, हट्टा थाना क्षेत्र में भी हो चुकी है कार्यवाही

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले को जल अभावग्रस्त घोषित किए जाने के बावजूद बिना अनुमति अवैध रूप से बोरवेल उत्खनन किए जाने के मामलों में प्रशासन लगातार सख्त कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम सेवती में अवैध बोरवेल उत्खनन करते पाए जाने पर प्रशासन ने एक और बोरवेल मशीन जप्त करते हुए दो लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज कराया है। जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा जिले में गिरते भू-जल स्तर को देखते हुए 13 मार्च 2026 से 31 जुलाई 2026 तक जिले को जल अभाव क्षेत्र घोषित किया गया है तथा इस अवधि में नलकूप खनन पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद ग्राम सेवती में बिना अनुमति बोरवेल उत्खनन किए जाने की सूचना पर तहसीलदार द्वारा औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान ग्राम सेवती स्थित भूमि खसरा नंबर 365, रकबा 0.271 हेक्टेयर में शोभन पल्हारे द्वारा बोरवेल मशीन से उत्खनन करवाया जा रहा था। मौके पर बोरवेल मशीन चालू हालत में मिली जिसका संचालन ग्राम किन्ही निवासी दीपक धनवले द्वारा किया जा रहा था। जांच के दौरान संबंधित व्यक्तियों द्वारा बोरवेल उत्खनन अथवा मशीन संचालन संबंधी कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके।प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बोरवेल मशीन क्रमांक प्र01रूक6667 को जप्त कर लिया। इसके बाद प्रशासन के निर्देश पर किरनापुर पुलिस ने भूमि मालिक शोभन पिता शीतल पल्हारे एवं मशीन संचालक दीपक पिता राजकुमार धनवले ग्राम किन्ही निवासी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत मामला पंजीबद्ध किया है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व हट्टा पुलिस द्वारा ग्राम तिलतेवाड़ा में अवैध बोरवेल उत्खनन के मामले में मकान मालिक वल्लभ दमाहे एवं बोरवेल मशीन मालिक कार्तिक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मशीन जप्त की जा चुकी है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जल संरक्षण नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

भक्तिमय माहौल में हुआ श्री शिव महापुराण कथा का समापन

विशाल भंडारे के साथ श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नं. ४ में आयोजित नौ दिवसीय संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा का शुक्रवार को अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। समस्त महिला मंडल के तत्वाधान में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान के अंतिम दिन शिव भक्ति की बयार बही जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रीय श्रद्धालु शामिल हुए। आयोजन के अंतिम दिन सुबह ७ बजे से विद्वान पंडितों के सानिध्य में विशेष पूजन अभिषेक और हवन पूजन संपन्न किया गया। इसके उपरांत गीता पाठ और कन्या पूजन का कार्यक्रम हुआ जहाँ श्रद्धालुओं ने कन्याओं के चरण पखारकर उनका आशीर्वाद लिया। कथा के मुख्य अनुष्ठान के रूप में ब्राह्मण भोजन और पुराण विसर्जन की प्रक्रिया विधि.विधान से पूरी की गई। कथा व्यास आचार्य पंडित संतोष शास्त्री ने कथा के अंतिम दिन शिव महिमा का

वर्णन करते हुए बताया कि शिव पुराण का श्रवण मात्र ही मनुष्य के जीवन को सफल बना देता है। उन्होंने कथा के दौरान पिछले नौ दिनों में सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, शिव.पार्वती विवाह, गणेश जन्मोत्सव और महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग जैसी पावन कथाओं का अमृत पान कराया उसकी गूँज भक्तों के हृदय में लंबे समय तक बनी रहेगी। समापन अवसर पर उनके द्वारा गाए गए भजनों पर श्रद्धालु भाव विभोर होकर नृत्य करने लगे। कार्यक्रम के समापन पर महाप्रसादी भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें वारासिवनी सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। आयोजन समिति समस्त महिला मंडल वार्ड नं.४ ने इस पूरे नौ दिवसीय कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नगरवासियों का आभार व्यक्त किया।

न्यूज गैलरी

बैहर क्षेत्र से दो व्यक्ति रहस्यमय ढंग से लापता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बैहर थाना क्षेत्र से दो व्यक्ति अचानक लापता हो जाने का मामला सामने आया है। दोनों के परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी कोई सुराग नहीं मिलने पर बैहर पुलिस ने गुम इंसान कायम कर उनकी खोजबीन शुरू कर दी है। लापता दोनों व्यक्ति जिनमें कमलेश पिता

गोबरूसिंह मेरावी 40 वर्ष ग्राम परसाटोला (भंडेरी) और धर्मेंद्र पिता सुमन सिंह धुर्वे 31 वर्ष वार्ड नंबर 3 तुमड़ीभाट बैहर निवासी है। बैहर पुलिस ने आम नागरिकों से भी दोनों व्यक्तियों की पतासाजी में सहयोग करने की अपील की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम परसा टोला (भंडेरी) निवासी कमलेश मेरावी फॉरेस्ट ऑफिस बैहर में प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। वे अपने परिवार के साथ ग्राम परसा टोला में रहते हैं। परिवार में पत्नी मोना मेरावी, एक पुत्र एवं एक पुत्री हैं।बताया गया कि 6 मई की रात कमलेश मेरावी भोजन करने के बाद घर के बाहर वाले कमरे में सोने चले गए थे। जबकि उनकी पत्नी बच्चों के साथ अंदर कमरे में सो गई थीं। 7 मई की सुबह करीब 5 बजे जब पत्नी की नींद खुली तो कमलेश कमरे में नहीं थे। परिजनों ने आसपास, रिश्तेदारों तथा उनके कार्यालय में संपर्क कर तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद पत्नी मोना मेरावी ने बैहर थाना पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।बैहर पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 35/2026 कायम कर कमलेश मेरावी की तलाश शुरू कर दी है। उनका हुलिया लगभग 5 फीट 2 इंच, कद गोरा रंग बताया गया है। वे घर से निकलते समय गुलाबी रंग की टी-शर्ट, काले रंग का लोअर एवं सफेद गमछा पहने हुए थे।इसी प्रकार ग्राम तुमड़ीभाट निवासी धर्मेंद्र धुर्वे भी अचानक लापता हो गए हैं। धर्मेंद्र खेती-किसानी का कार्य करते हैं और अपने परिवार के साथ गांव में रहते हैं। बताया गया कि 3 मई की सुबह करीब 5 बजे वे बिना बताए घर से निकल गए और वापस नहीं लौटे। परिजनों ने गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला।धर्मेंद्र धुर्वे का हुलिया गोरा रंग, लगभग 5 फीट 2 इंच कद बताया गया है। वे घर से निकलते समय पेंट-शर्ट पहने हुए थे। इस मामले में उनके भाई जितेंद्र धुर्वे द्वारा 8 मई को रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिस पर बैहर पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 34/2026 कायम कर जांच शुरू की है।बैहर पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की है कि यदि दोनों में से किसी भी व्यक्ति के संबंध में कोई जानकारी प्राप्त हो या वे कहीं दिखाई दें तो तत्काल निकटतम पुलिस थाना अथवा बैहर थाना में सूचना दे।

बालाघाट पहुंचे कांग्रेस नेता अजय सिंह, कार्यकर्ताओं को एकजुटता का दिया संदेश

टिकट वितरण और गुटबाजी पर बोले राहुल भैया, कहा- पार्टी विरोध संगठन को करता है कमजोर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

8 मई की देर शाम कांग्रेस नेता अजय सिंह उर्फ राहुल भैया बालाघाट पहुंचे, जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। उनके स्वागत के लिए समर्थक सिवनी तक पहुंचे और जिले की सीमा से लेकर बालाघाट शहर तक जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। बालाघाट आगमन के बाद अजय सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार से मिलने उनके निवास पहुंचे। यहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक एवं सभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसी मौजूद रहे। सभा को संबोधित करते हुए अजय सिंह ने कांग्रेस में टिकट वितरण को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय कई नेताओं में टिकट पाने की उम्मीद पैदा कर दी जाती है, लेकिन टिकट केवल एक व्यक्ति को दी जाती है। ऐसे में कुछ लोग पार्टी के खिलाफ काम करने लगते हैं, जो संगठन हित में उचित नहीं है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सलाह देते हुए कहा कि छोटे स्तर पर यदि किसी प्रकार का मनमुटाव या विवाद है, तो उसे वरिष्ठ नेताओं के माध्यम से बैठकर सुलझाया जाना चाहिए। आपसी विवाद और गुटबाजी से पार्टी कमजोर होती है। अजय सिंह ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने और आगामी समय में पार्टी की विचारधारा को मजबूती से जनता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

जिले की कांग्रेस इन दिनों लगातार अंदरूनी उठापटक और गुटबाजी को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। पहले लालबर्रा किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मुनेंद्र ठाकरे के इस्तीफे और उनके द्वारा बालाघाट विधायक पर लगाए गए आरोपों ने राजनीतिक माहौल गर्माया था, वहीं अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय सिंह उर्फ राहुल भैया के बालाघाट दौरे और उनके बयान ने जिले की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। बीते 8 मई को अजय सिंह देर रात बालाघाट पहुंचे, जहां उनके स्वागत के लिए कांग्रेस नेताओं और समर्थकों की भीड़ दिखाई दी। उन्होंने जिले के कई वरिष्ठ नेताओं, विधायकों और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। हालांकि उनका दौरा संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से बताया गया, लेकिन उनके बयान के बाद कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी और भी खुलकर सामने आती दिखाई दे रही है। अजय सिंह ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी में सबसे बड़ी समस्या यह है कि चुनाव आते-आते कई नेता बड़ी संख्या में लोगों की टिकट की महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देने लगते हैं। उन्होंने कहा कि कई बार नेता कार्यकर्ताओं और समर्थकों से यह कह देते हैं कि तुम टिकट ले लो, हम प्रयास करेंगे, जिसके कारण एक ही विधानसभा में कई-कई दावेदार तैयार हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के समय हर सीट पर 7 से 10 और कहीं-कहीं 15 से 20 तक टिकट के दावेदार सामने आ जाते हैं। ऐसे में जब पार्टी किसी एक व्यक्ति को टिकट देती है तो बाकी लोग नाराज होकर संगठन के खिलाफ काम करना शुरू कर देते हैं और यही स्थिति पार्टी को कमजोर करती है। उन्होंने नेताओं से कहा कि उन्हें संकल्प लेना चाहिए कि वे किसी भी कार्यकर्ता या नेता की टिकट की महत्वाकांक्षा को अनावश्यक रूप से जागृत न करें। उन्होंने कहा कि जिसकी किस्मत में टिकट होगी, उसे पार्टी अवसर देगी, लेकिन नेताओं को झूठी उम्मीदें नहीं बांटना चाहिए। राहुल भैया के इस बयान के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कई सवाल खड़े हो गए हैं। लंबे समय से पार्टी के लिए काम कर रहे कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा शुरू हो गई है कि यदि टिकट की महत्वाकांक्षा रखना ही गलत है तो फिर वर्षों तक संगठन में मेहनत करने और पार्टी के लिए संघर्ष करने का उद्देश्य क्या रह जाएगा। कई कार्यकर्ताओं का मानना है कि राजनीति में सक्रिय रहने वाला हर कार्यकर्ता भविष्य में प्रतिनिधित्व का अवसर चाहता है और टिकट की उम्मीद रखना स्वाभाविक है। राहुल भैया के बयान के बाद जिले में कांग्रेस के भीतर चल रही गुटबाजी को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उनका यह बयान सीधे तौर पर जिले में सक्रिय अलग-अलग गुटों और टिकट की राजनीति से जुड़ा हुआ है। बालाघाट कांग्रेस पहले से ही संगठनात्मक कमजोरी और नेताओं के बीच मतभेदों से जूझ रही है। ऐसे में वरिष्ठ नेता के इस बयान ने कार्यकर्ताओं के बीच असमंजस और निराशा का माहौल पैदा कर दिया है। हालांकि कांग्रेस के कई नेता इस बयान को संगठनात्मक अनुशासन और एकजुटता बनाए रखने की सलाह के रूप में भी देख रहे हैं।

मनमुटाव को समय रहते खत्म कर ले - अजय सिंह

अपने दौरे के दौरान अजय सिंह ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष और पूर्व विधायक संजय उईके की खुलकर तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि संजय उईके बेहद सरल और नेक इंसान हैं और संगठन को संभालने का प्रयास कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेताओं को अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के बीच पैदा हो रहे मनमुटाव को समय रहते खत्म करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कई बार नेता अपने नीचे काम करने वाले लोगों को सही तरीके से समझाने का प्रयास नहीं करते, जिससे छोटे-छोटे विवाद धीरे-धीरे बड़े मतभेद में बदल जाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इन मतभेदों को खत्म नहीं किया गया तो यह संगठन को भीतर से कमजोर कर देते हैं और दीमक की तरह पार्टी को नुकसान पहुंचाते हैं।

तेज रफ्तार डंपर की चपेट में आए ट्रक चालक : हालत गंभीर-हायर सेंटर रेफर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत वारासिवनी रोड स्थित ग्राम गर्रा में शुक्रवार को तेज रफ्तार डंपर ने एक ट्रक चालक को चपेट में ले लिया । हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल ट्रक चालक शिव पिता बिशन लाल बांते 55 वर्ष ग्राम सिवनी थाना हट्टा निवासी है।जिसे जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। दुर्घटना के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार शिव बांते स्वयं अपने ट्रक के मालिक भी हैं और ट्रक चलाने का कार्य करते हैं। बताया गया कि 9 मई को शिव बांते अपने ट्रक से ग्राम गर्रा स्थित मां वैष्णवी राइस मिल भूसा लेने पहुंचे थे। ट्रक राइस मिल में खड़ा करने के बाद वे पास की दुकान पर चाय-नाश्ता करने चले गए। सुबह करीब 11 बजे चाय-नाश्ता कर वे पैदल वापस राइस मिल की ओर लौट रहे थे।तभी वारासिवनी की ओर से तेज रफ्तार में आ रहे डंपर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि शिव बांते गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों की मौके पर भीड़ लग गई ।घायल शिव बांते को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। जहा से प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। घटना के बाद डंपर चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल शुरू कर दिए।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेड़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट